जबलपुर, शुक्रवार
दिनांक 20 फरवरी 2026
वर्ष 31 अंक 239
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 3.00
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार
'एक गलती आपका अनुभव बढ़ा देती है और एक अनुभव आप की गलतियों को कम कर देता है'

2 चौपाटी में गंदगी फैलाने वालों पर...
5 स्कूल में दरारें, घरों में कंपन...
7 चंद देशों या धनाढ्यों के भरोसे नहीं...
11 क्लाइमेट चेंज से निपटने में लीडर...

गंदा पानी: सरकार ने मानी 22 मौतें, कांग्रेस बोली- 35 ने गंवाई जान

सदन में इंदौर जल त्रासदी पर मंत्रियों के इस्तीफे की मांग को लेकर भारी हंगामा

भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा में गुरुवार को विपक्षी कांग्रेस ने इंदौर में गंदे पानी से हुई मौतों को लेकर हंगामा किया और राज्य के दो मंत्रियों के इस्तीफे की मांग की। राज्य सरकार ने सदन में माना कि इस संकट में कुल 22 लोगों की जान गई है। खास बात यह है कि पिछले महीने मप्र हाईकोर्ट को सौंपी गई 'डेथ ऑडिट' रिपोर्ट में मोहन यादव के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने कहा था कि दिसंबर 2025 में इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में गंदे पानी के सेवन से उल्टी और दस्त फैलने से 16 लोगों की मौत हुई थी। हालांकि, कांग्रेस दावा कर रही है कि 35 लोगों की मौत हुई है। हंगामे के कारण स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर को सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान सदन कुछ देर तक ठीक से चला। हालांकि, जैसे ही इंदौर में पानी से होने वाली बीमारी फैलने से हुई मौतों का मुद्दा उठा, कांग्रेस ने दो मंत्रियों और इंदौर के मेयर के इस्तीफे की मांग कर दी। विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने इस घटना को सिस्टम की नाकामी बताया और शहरी विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने दावा किया कि इंदौर में गंदे पानी की वजह से 35 लोगों की मौत हो गई है, लेकिन इसके लिए जिम्मेदार मंत्री सदन में बैठे हैं।

2 लाख का मुआवजा नाकाफी

विपक्ष के नेता ने मृतकों को दिए गए 2-2 लाख रुपये के मुआवजे को काफी नहीं बताया और मांग की कि इस रकम को बढ़ाकर कम से कम 4 लाख रुपये किया जाए। कांग्रेस सदस्यों ने मंत्रियों के इस्तीफे की मांग करते हुए हंगामा करना और नारे लगाना शुरू कर दिया। हंगामे के बीच, स्वास्थ्य मंत्री शुक्ला ने माना कि इंदौर में गंदे पानी की वजह से 22 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा, 21 दिसंबर, 2025 से अब तक एक्यूट डायरिया की वजह से कुल 22 मौतों की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है। कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा सदस्यों को बताया कि कुल 459 लोग अस्पताल में भर्ती हुए, उनमें से कुछ का अभी भी इलाज चल रहा है।

बढ़ा सकते हैं मुआवजा: मुख्यमंत्री

सदन में मौजूद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह मामला राजनीति से ऊपर है और इसमें कोई विरोध नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, इस मामले में दोषी पाए गए एक सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है, और जहां तक मुआवजे की बात है, सरकार पीछे नहीं हटेगी और इसे बढ़ाकर 4 लाख रुपये या 5 लाख रुपये भी किया जा सकता है। इसके बावजूद, कांग्रेस सदस्य विरोध करते रहे। नतीजतन, तोमर ने सदन को स्थगित कर दिया। जब पहले स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई, तो विपक्षी सदस्य स्पीकर के पोडियम के पास बैठ गए और फिर से नारे लगाने लगे।

राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी

नई दिल्ली। करणी सेना के एक कार्यकर्ता ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दी है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने गुरुवार को यह दावा किया। उन्होंने धमकी वाला वीडियो भी सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है। पवन खेड़ा ने लिखा कि पूरा आरएसएस-भाजपा तंत्र एक 'गोडसे फैक्ट्री' है। करणी सेना द्वारा राहुल गांधी और 25 सांसदों के खिलाफ दी गई धमकी कोई अलग-थलग पड़ी घटना नहीं है। यह एक सुनियोजित और कपटपूर्ण साजिश का हिस्सा है।

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 5 नक्सली ढेर किए

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाके में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। बीजापुर जिले के जंगलों में हुई मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए। बताया गया कि नक्सलियों ने पहले फायरिंग शुरू की, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला और कार्रवाई में उन्हें ढेर कर दिया गया।

सीएए मामले में अंतिम सुनवाई 5 मई से

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 200 से ज्यादा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई 5 मई से शुरू होगी। बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को अपनी दलील रखने के लिए डेढ़ दिन और केंद्र सरकार को एक दिन का समय दिया जाएगा। अदालत ने बताया कि सुनवाई 12 मई तक पूरी कर ली जाएगी।

मुफ्त की योजनाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

खैरात नहीं...रोजगार दो

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्रीबीज कल्चर की आलोचना की है। कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। मामले की सुनवाई करते हुए देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा कि ऐसी पॉलिसीज पर फिर से विचार करने का सही समय है जो देश के आर्थिक विकास में रुकावट डालती हैं। बता दें, तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि फ्रीबीज में कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत पर ध्यान दिए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि अगर राज्य गरीबों का हाथ थामते हैं तो यह काफी समझ में आता है।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत समेत जजों ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा- जो लोग भुगतान नहीं कर सकते, उन्हें सहायता देना समझ में आता है। लेकिन अमीर-गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ्त देना गलत नीति है। इस दौरान कोर्ट ने चेतावनी दी और कहा अगर सुबह से शाम तक मुफ्त खाना, साइकिल और बिजली मिलती रही तो लोगों में काम करने की भावना कम हो जाएगी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, कई राज्य सरकारें भारी कर्ज और घाटे के बावजूद मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। अगर सरकारें मुफ्त पैसे, बिजली या दूसरी सुविधाएं देती रहेंगी, तो आखिर इनका खर्च कौन उठाएगा?

...तो कहां से आएगा विकास के लिए पैसा

अगर सरकारें मुफ्त खाना, साइकिल और बिजली जैसी सुविधाएं देती रहेंगी, तो विकास के कामों के लिए पैसा कहां से आएगा? सीजेआई ने कहा कि कई राज्य पहले से ही घाटे में हैं, फिर भी वे नई-नई कल्याण योजनाएं शुरू कर रहे हैं। कोर्ट ने कैश ट्रांसफर व मुफ्त सुविधाओं की घोषणा करने की वित्तीय समझदारी पर सवाल उठाया और कहा कि राज्यों को मदद बढ़ाने के बजाय रोजगार पैदा करने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कोर्ट ने राज्यों को दी सलाह और पूछा सवाल

वहीं कोर्ट ने राज्यों को सलाह दी कि मुफ्त चीजें बांटने के बजाय, रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने पूछा, भारत में हम कैसी संस्कृति बना रहे हैं? क्या यह वोट पाने की नीति नहीं बन जाएगी? फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है। अब अगली सुनवाई में तय होगा कि ऐसे मुफ्त बिजली योजनाओं पर क्या नियम लागू होंगे।

ओबीसी के 27% आरक्षण का मामला हाईकोर्ट ट्रांसफर

नई दिल्ली/जबलपुर। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यप्रदेश के 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण मामले पर सुनवाई करते हुए, मामले से जुड़ी याचिकाओं को वापस जबलपुर हाईकोर्ट ट्रांसफर किया है। सुप्रीम कोर्ट ने समस्त अंतरिम आदेशों का प्रभाव शून्य भी कर दिया है। सुनवाई के दौरान प्रकरणों मे अनावश्यक डिले को लेकर सरकार के कंडक्ट को भी सुप्रीम कोर्ट आडे हाथों भी लिया। दरअसल मध्य प्रदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण का मामला अटका हुआ है। अब जबकि सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को सुनवाई के लिए ट्रांसफर कर दिया है, तो जल्द ही मामले पर सुनवाई होगी। हाईकोर्ट 27 प्रतिशत आरक्षण की संवैधानिकता को परखेगा और उसके बाद दो माह में इसका फैसला सुनाएगा। बता दें कि 2019 में कमलनाथ सरकार ने मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया था। जैसे ही यह पारित हुआ और इसे लागू करने की तैयारी की गई, तभी इसके विरोध में कई लोगों ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और ऐसे आरक्षण पर रोक लगाने की मांग की। मध्य प्रदेश में 20 प्रतिशत आरक्षण एसटी वर्ग को मिला हुआ है। वहीं, 14 प्रतिशत आरक्षण अनुसूचित जाति वर्ग को मिला हुआ है। इसके बाद 14 प्रतिशत आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए है और 10 प्रतिशत आरक्षण ईडब्ल्यूएस के तहत दिया गया है। इस तरह ये आरक्षण कुल मिलाकर 58 प्रतिशत हो जाता है। जबकि आरक्षण किसी भी स्थिति में 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। यदि अब 13 प्रतिशत और आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग को दे दिया जाता है, तो मध्य प्रदेश में कुल मिलाकर आरक्षण 71 प्रतिशत हो जाएगा। इसी वजह से इस मामले को कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 2 महीने में सुनवाई पूरी करें

अनिल अंबानी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा

बिना इजाजत के देश छोड़कर नहीं जाऊंगा

नई दिल्ली। अरबपति मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी की मुश्किलें कथित बैंक फ्रॉड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में कम होती नजर नहीं आ रही हैं। जहां एक ओर प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें नया समन भेजते हुए तलब किया है, तो वहीं दूसरी ओर अनिल अंबानी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर ये आश्वासन दिया गया है कि, 'मैं ईडी की जांच में पूरा सहयोग करूंगा और बिना इजाजत देश नहीं छोड़ूंगा।' अनिल अंबानी पर ईडी की जांच दरअसल, उनके नेतृत्व वाले रिलायंस ग्रुप से जुड़ी कंपनियों द्वारा कथित 40000 करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग के केस में चल रही है। बैंकिंग और कॉरपोरेट धोखाधड़ी से जुड़े आरोपों की जांच के संबंध में अदालत में एक पीआईएल में एफिडेविट फाइल किया गया है। अनिल अंबानी ने कहा है कि संबंधित कंपनियों में उनका रोल सिर्फ एक नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर का था और वह उन कंपनियों के रोजाना के मैनेजमेंट या ऑपरेशनल मामलों में बिल्कुल भी शामिल नहीं थे। एफिडेविट में आगे कहा है कि वह बिना पूर्व अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे। अंबानी ने बताया कि जुलाई 2025 में जब इस मामले की ईडी जांच शुरू हुई थी, तब से अब तक उन्होंने भारत नहीं छोड़ा है और फिलहाल भी भारत से बाहर जाने का कोई प्लान या इरादा नहीं है। उन्होंने अदालत से वादा करते हुए कहा है कि अगर विदेश यात्रा की कोई जरूरत पड़ी भी तो वह ऐसी यात्रा करने से पहले सुप्रीम कोर्ट से इजाजत लेंगे।

12वीं टॉपर ने माता-पिता और भाई को मार डाला

बैतूल। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में बेटे ने अपने मां-बाप और भाई को मार डाला। पांच साल के भांजे को भी मारने की कोशिश की। मर्डर के बाद दरवाजा बंद कर लाशों के पास बैठा रहा। फर्श और दीवारों पर खून के कतरे बिखरे मिले हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान पिता राजू उर्फ हंसू धुर्वे, मां कमलती धुर्वे और भाई दिलीप धुर्वे के रूप में हुई है। तीनों सांवगा गांव के रहने वाले थे। वहीं 5 वर्षीय भांजे प्रशांत परते की हालत गंभीर बताई जा रही है। पड़ोसियों के मुताबिक गुरुवार दोपहर तक दरवाजा घर का दरवाजा नहीं खुला तो अनहोनी का शक हुआ। पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन किसी ने नहीं खोला। जब ग्रामीण दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गए, तो आरोपी दीपक धुर्वे घटनास्थल पर ही मौजूद था। इस दौरान वह तीनों शवों के पास चुपचाप बैठा मिला। मौके पर एक बिल्ली का शव भी मिला है। आशंका है कि बिल्ली को भी मार दिया है। चचेरी बहन शांता ने बताया कि दीपक होशियार स्टूडेंट था। 12वीं क्लास में टॉप करने के बाद वह घर पर ही रहता था। वह परिवार में सबसे बड़ा है। सीआरपीएफ भर्ती परीक्षा भी दी थी। उसने कई एप्लीकेशन भरे, लेकिन उसका सिलेक्शन नहीं हुआ। शायद उसने यह बात दिल पर ले ली, जिसका उसके मन पर गहरा असर हुआ। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि दीपक का मानसिक संतुलन पिछले 4-5 साल से ठीक नहीं था। वह हाल ही में नागपुर से इलाज कराकर लौटा था।

भांजे की भी हत्या की कोशिश, शवों के पास बैठा रहा आरोपी

22 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने गुरुवार को देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लेटर लिखकर एसआईआर से जुड़ी तैयारी का काम जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने लेटर में बताया कि दिल्ली, कर्नाटक सहित शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने खींच दी बड़ी लकीर

रेप विक्टिम के बच्चे को मिले मां का नाम

मुंबई

रेप पीड़िता यदि बच्चे को जन्म दे तो उसका नाम और पहचान क्या होनी चाहिए? यह सवाल हर किसी के मन में कौंधता है। अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने इसको लेकर अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने अपने फैसले में सामाजिक संदेश देते हुए कहा कि परिस्थितियां उचित होने पर बच्चा अपनी एकल मां का नाम और जाति अपना सकता है। महाराष्ट्र के बीड जिले की 12 वर्षीय बच्ची और उसकी मां से संबंधित याचिका पर कोर्ट ने यह फैसला दिया। जस्टिस विभा कंकनवाड़ी और जस्टिस हितेन एस. वेणगावकर की पीठ ने कहा, जहां फैक्ट्स उचित हों, वहां सिंगल मदर को बच्चे की पहचान- नाम, वंश और जाति का मानना समाज को कमजोर नहीं करता, बल्कि उसे अधिक सभ्य बनाता है। हाई कोर्ट ने इसे और साफ करते हुए कहा कि यह पितृसत्तात्मक बाध्यता से संवैधानिक विकल्प और वंश को भाग्य मानने से गरिमा को अधिकार मानने की ओर सामाजिक परिवर्तन है। कानून यह स्वीकार करता है कि मां हर सार्थक अर्थ में एकमात्र और पूर्ण अभिभावक हो सकती है। यह केवल पक्षकारों के बीच न्याय नहीं करता, बल्कि संविधान के उस वादे की पुष्टि करता है कि व्यक्तियों, विशेषकर बच्चों को, उनके जन्म की परिस्थितियों और माता-पिता की गलतियों के लिए दंडित नहीं किया जाएगा। अदालत 12 वर्षीय बच्ची और उसकी मां की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें केवल नाम और सरनेम बदलने की ही नहीं, बल्कि स्कूल रिकॉर्ड में जाति मराठा से बदलकर अनुसूचित जाति- महार करने की भी अनुमति मांगी गई थी। यह बच्ची अपनी मां के साथ उसके जैविक पिता द्वारा किए गए यौन उत्पीड़न के बाद जन्मी थी। जांच के दौरान डीएनए रिपोर्ट ने आरोपी की पितृत्व की पुष्टि हुई थी। परिणामस्वरूप जन्म प्रमाणपत्र में उसका नाम पिता के रूप में दर्ज हुआ। बाद में वही नाम स्कूल और अन्य दस्तावेजों में भी दर्ज हो गया। 14 दिसंबर 2022 को मां और आरोपी-पिता के बीच समझौता हुआ। इसके अनुसार बच्ची की परमानेंट कस्टडी मां के पास रही। आरोपी को भविष्य में गार्जियन के रूप में कोई भूमिका नहीं रहेगी। इसके बाद मां ने बच्ची के नाम परिवर्तन के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी करवाई।

स्पीकर-मंत्री समेत 42 'विधायकों' की कुर्सी खतरे में

हाईकोर्ट के नोटिस से बिहार की राजनीति में मची खलबली

पटना।

पटना हाईकोर्ट ने गुरुवार को अहम याचिका पर सुनवाई करते हुए बिहार के 42 विधायकों को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस चुनावी हलफनामों में कथित गलत जानकारी, तथ्यों को छिपाने और कुछ मामलों में चुनाव प्रक्रिया में अनियमितता के आरोपों से जुड़ा है। अदालत ने पाया कि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं, इसलिए संबंधित विधायकों से स्पष्ट और समयबद्ध जवाब लेना जरूरी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोपरि है, खासकर जब मामला जनप्रतिनिधियों से जुड़ा हो। याचिका उन उम्मीदवारों की ओर से दायर की गई है, जो संबंधित सीटों से चुनाव लड़ चुके हैं। आरोप है कि 42 विधायकों ने नामांकन के दौरान दाखिल अपने चुनावी हलफनामे में कुछ तथ्यों को या तो छिपाया या गलत जानकारी दी। कुछ मामलों में लंबित आपराधिक प्रकरणों और अन्य कानूनी पहलुओं का पूरा ब्योरा न देने का दावा किया गया है। इसके अलावा, कुछ सीटों पर मतदान प्रक्रिया में भी अनियमितता के आरोप लगाए गए हैं। पहली सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने सभी संबंधित विधायकों से जवाब तलब किया है। हाईकोर्ट ने सभी विधायकों को तय समय सीमा के भीतर व्यक्तिगत रूप से या अपने वकील के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की प्रकृति को देखते हुए राज्य सरकार और आवश्यक होने पर चुनाव आयोग से भी स्थिति रिपोर्ट मांगी जा सकती है। अदालत ने संकेत दिया है कि जवाब मिलने के बाद आगे की सुनवाई में यह तय होगा कि मामले में विस्तृत जांच, निरस्तीकरण या अन्य कानूनी कार्रवाई की जरूरत है या नहीं।

इन विधायकों को मिला है नोटिस

नोटिस पाने वालों में सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों दलों के विधायक शामिल हैं। इनमें बिहार विधानसभा के स्पीकर प्रेम कुमार और नीतीश सरकार में ऊर्जा मंत्री ब्रिजेंद्र प्रसाद यादव प्रमुख हैं। इसके अलावा, बीजेपी विधायक जीवेश मिश्रा, जेडीयू विधायक चेतन आनंद और राजद विधायक अमरेंद्र कुमार जैसे नाम भी सूची में बताए जा रहे हैं। अदालत के इस फैसले के बाद 42 विधायकों को अदालत में अपना पक्ष रखना होगा। अभी सही जानकारी न देने वाले विधायकों की सूची जारी नहीं की गई है।

इस मामले में आगे क्या?

अब सबकी नजर अगली सुनवाई पर है। अगर आरोपों में दम पाया जाता है, तो संबंधित विधायकों की सदस्यता या चुनाव परिणाम पर कानूनी प्रभाव पड़ सकता है। ऐसा हुआ तो विधानसभा के स्पीकर प्रेम कुमार और मंत्री ब्रिजेंद्र यादव की कुर्सी भी छिन सकती है। वहीं आरोपी विधायकों की विधायकी भी जा सकती है। यदि मंत्री, स्पीकर और विधायकों के जवाब से हाईकोर्ट के समक्ष संतोषजनक रहा, तो मामला खारिज भी हो सकता है। फिलहाल, इस नोटिस के बाद बिहार की सियासत में हलचल तेज हो गई है और सभी 42 विधायकों की कानूनी रणनीति पर नजर बनी हुई है।

चौपाटी में गंदगी फैलाने वालों पर लगेगा जुर्माना

दो दिन में स्वच्छता सुधार के निर्देश, तालाब व गंज क्षेत्र का किया औचक निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

नगर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद की मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा भंडारी ने शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों का औचक निरीक्षण कर कड़ा संदेश दिया। निरीक्षण के दौरान सिटी टैंक तालाब, चौपाटी क्षेत्र, झूला पुल एवं गंज क्षेत्र का जायजा लिया गया। कई स्थानों पर गंदगी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों एवं दुकानदारों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए तथा चेतावनी जारी की गई। तालाब क्षेत्र में साफ-सफाई की स्थिति असंतोषजनक पाए जाने पर तत्काल सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। तालाब में मछलियों के अचानक मरने की घटना को गंभीरता से लेते हुए तालाब की विशेष सफाई कराई गई तथा फव्वारा पुनः प्रारंभ कराया गया, जिससे जल की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने तालाब क्षेत्र को नगर का प्रमुख सार्वजनिक स्थल बताते हुए यहां नियमित निगरानी एवं स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। चौपाटी क्षेत्र में दुकानों के सामने फैली गंदगी पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए दुकानदारों को अपनी दुकानों के बाहर अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखने के निर्देश दिए गए। स्पष्ट चेतावनी दी गई कि भविष्य में गंदगी फैलाते पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों पर जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही प्रतिबंधित पॉलीथिन के उपयोग पर भी सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि नगर की स्वच्छता बनाए रखना सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। गंज स्थित समय प्रेस के पास निर्माणाधीन पुलिया का भी निरीक्षण किया गया।

कार्य में देरी पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए उप यंत्री एस.एस. तोमर को शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, ताकि आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। गंज स्थित सामुदायिक शौचालय के आसपास फैली गंदगी को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी दो दिनों के भीतर नगर की स्वच्छता व्यवस्था में स्पष्ट सुधार दिखाई देना चाहिए। वार्डों में गंदगी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कार्यालय अधीक्षक मोतीलाल सिंह सहित नगर पालिका का अमला उपस्थित रहा।

प्रतिबंधित पॉलीथिन के उपयोग पर नगर पालिका की सख्त कार्यवाही

6 दुकानों से 2200 का जुर्माना 5 किलो 200 ग्राम प्रतिबंधित पॉलिथीन किया जप्त

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

नगर में प्रतिबंधित पॉलिथीन के उपयोग के विरुद्ध नगर पालिका परिषद ने सख्त रुख अपनाते हुए जयस्तंभ चौक क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान 6 दुकानों से कुल 5 किलो 200 ग्राम पॉलिथीन जब्त की गई तथा संबंधित दुकानदारों से 2200 का जुर्माना वसूला गया। यह कार्रवाई मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा भंडारी के निर्देशन में की गई। निरीक्षण दल में स्वास्थ्य निरीक्षक अनिल महोबिया, सफाई दरोगा एवं स्वच्छता मित्र उपस्थित रहे। नगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित पॉलिथीन के उपयोग पर आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। नागरिकों एवं व्यापारियों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सहयोग करने की अपील की गई है।

अवैध पशु तस्करी के विरुद्ध पुलिस ने की कार्यवाही

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

गोहपारू पुलिस द्वारा अवैध पशुओं के परिवहन के विरूद्ध बडी कार्यवाही करने में सफलता प्राप्त हुई है। रात्रि गस्त के दौरान मूखबिर सूचना के आधार पर थाना गोहपारू से निकलने वाले रास्ते पर फारेस्ट बैरियर गोहपारु पर नाका बंदी की गई जिस पर एक पिकअप वाहन में अवैध तस्करी करते हुये बूचड़ खाना 21 नग मवेशी को क्रूरता पूर्वक पाये जाने पर मौके पर बैधानिक कार्यवाही की गई। आरोपी वाहन चालक एवं तस्करी पर संलिप्त तस्कर के विरूद्ध पशु क्रू रता एवं मोटर व्ही. एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया पशुओं को गौ शाला में सुरक्षित कराया गया।

ट्रक क्र. यूपी 71 बीटी 2111 कीमती 12 लाख रूपये, 21 नग मवेशी कीमती 4,20,000/- रूपये, पशु तस्कर ट्रक चालक शहंशाह आलम पिता अब्दुल गफ्फार उम्र 35 साल निवासी वार्ड नं. 2 इन्द्रानगर नगर पंचायत हथगांव थाना हथगांव जिला फतेहपुर (उप्र), सहयोगी मोहम्मद नाजिम पिता आबिद अली उम्र 31 साल निवासी वार्ड नं. 3 उत्तरी कजियाना नगर पंचायत हथग्राम थाना हथग्राम जिला फतेहपुर (उ.प्र.), सलीम अहमद पिता मोहम्मद नजीर उम्र 38 साल निवासी खद्दवा थाना खखरेरु जिला फतेहपुर (उ.प्र.), सोनू उर्फ फिरोज पिता अयूब मुस्लमान निवासी लपटा थाना जैतहरी जिला अनूपपुर, मोहित सिंह निवासी बुढार, ट्रक क्रमांक यूपी 71 बीटी 2111 का वाहन जप्त किया गया।

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय सतत जलीय कृषि विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

पंडित शंभू नाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के मत्स्य विभाग द्वारा एम.एफ़.एससी. के विद्यार्थियों के तत्वावधान में च्सतत जलीय कृषि विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन।

कार्यक्रम में मत्स्य विभाग के छात्र-छात्राओं तथा संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य जलीय कृषि में टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल एवं वैज्ञानिक तकनीकों को बढ़ावा देना रहा। मुख्य अतिथि डीन, फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंस प्रो. प्रवीण शर्मा ने अपने उद्बोधन में सतत एवं वैज्ञानिक मत्स्य पालन प्रणाली की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. उमा सिंह (विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान) ने अंतर्विषयक समन्वय और शोध सहयोग की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में मौखिक (व्तंस) प्रस्तुतियाँ आयोजित की गई, जिसमें एम.एफ़.एससी. विद्यार्थियों ने विषयों पर अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास, स्पष्टता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ प्रभावी प्रस्तुतीकरण दिया। द्वितीय तकनीकी सत्र पोस्टर प्रस्तुतीकरण का रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने अनुसंधान निष्कर्षों को सुव्यवस्थित एवं आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया।

इस सत्र के दौरान मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों से प्रश्नोत्तर भी किए। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए तर्कसंगत एवं संतोषजनक उत्तरों की अतिथियों ने सराहना की तथा उनके शोध प्रयासों और प्रस्तुतीकरण कौशल की प्रशंसा करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा हस्तनिर्मित स्मृति-चिन्ह अतिथियों को भेंट किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. अमित निगम ने की। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. वंदना राम के निर्देशन में संपन्न हुआ तथा संचालन विभाग के संकाय सदस्य शिवम भट्ट द्वारा किया गया।

मत्स्य विभाग, पंडित शंभू नाथ शुक्ल विश्वविद्यालय जलीय कृषि एवं मत्स्य विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में विभाग के अन्य संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे और संगोष्ठी की सफलता में सक्रिय योगदान दिया।

कैसे लगेगी अवैध खनन पर रोक, थाने में अधिकारियों की नहीं हो रही सुनवाई

पांच दिन बाद भी खनिज माफियाओ के खिलाफ नहीं हुई कार्यवाही, पुलसिया कार्यवाही पर उठ रहे सवाल

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)।

खनिज माफियाओ ने पटवारी और आरक्षक से टेक्टर छुड़ा कर ले गये जिसकी शिकायत थाना ब्यौहारी मे किये पांच दिन से ऊपर का समय बीत गया है इसके बाद भी उन माफियाओ के खिलाफ न तो कोई कार्यवाही हुई और न ही टेक्टर को जब्त किया गया जिसे लेकर चर्चाओ का बाजार गर्म है। लोग अब क़ानून व्यवस्था पर ही सवालिया निसान लगा रहे है। खनिज माफियाओ के खिलाफ ठोस कार्यवाही न होने से उनके हौसले बुलंद है और यही वजह है कि वो हर हद तक जाने के लिये तैयार रहते है किसी प्रकार का हिचकिचाहट महसूस नहीं करते।

ब्यौहारी में कानून व्यवस्था पर लग रहे सवालिया निशान

पूर्व हादसों से नहीं जागा प्रशासन

ज्ञात हो की पूर्व मे खनिज का अवैध उत्खन्न पर कार्यवाही करने गये एक पटवारी और एक ए एस आई को खनिज माफियाओ ने कुचल कर मार डाला है इसके बाद भी पुलिस इससे सीख नहीं ले रही और चंद रूपये के लालच मे कार्यवाही के बजाय इन माफियाओ को संरक्षण देने का कार्य कर रही है जिससे इनके हौसले बुलंद हो रहे है। जिस तरह से खनिज माफियाओ ने पटवारी और आरक्षक से टेक्टर छुड़ा लेकर भाग गये है और आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई यह कंही न कंही पुलिस की मिली भगत का ही नतीजा होना कहा जा रहा है।

खनिज माफियाओ पर मेहरबान पुलिस

आश्चर्य की बात है कि मिट्टी मुरुम का अवैध परिवहन कर रहे टेक्टर को पुलिस आरक्षक और पटवारी ने पकड़ा जिसे खनिज माफिया ने दबँगई से छुड़ा कर ले गये जिसकी लिखित शिकायत थाने मे की गयी इसके बाद भी पुलिस माफियाओ के खिलाफ कार्यवाही नहीं कर रही है। लोगों का आरोप है कि पुलिस खनिज माफियाओ से 15 हजार रूपये प्रति टेक्टर ले संरक्षण दे रही है हकीकत क्या है ये वही जाने पर शिकायत के बाद भी कार्यवाही न होने से लोगों द्वारा पुलिस कार्यवाही पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे है। इसे पुलिस अधीक्षक कितनी गंभीरता से लेते है और कार्यवाही करते है।

इनका कहना है..........

कार्यवाही किये जाने को लेकर आवेदन दिया गया था। अभी तक क्या कार्यवाही हुई इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है।

रामपाल सिंह
पटवारी तहसील ब्यौहारी

क्या कार्यवाही हुई है के संबंध मे जानकारी हेतु थाना प्रभारी को फोन लगाया गया किन्तु उनके द्वारा फोन नहीं उठाया गया।

जिया उलहक थाना
प्रभारी ब्यौहारी

नवजातों के बीच बेखौफ घूमता रहा आवारा कुत्ता, क्या अस्पताल में नवजात असुरक्षित..?

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) सरकार एक ओर सुरक्षित प्रसव और मातृ-शिशु स्वास्थ्य को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं अमरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सामने आई घटना ने जमीनी हकीकत उजागर कर दी है। यहां रात्रि के समय प्रसूति वार्ड के भीतर एक आवारा कुत्ता खुलेआम घूमता रहा, जो नवजात शिशुओं के पलंगों के आसपास मंडराता देखा गया। इस घटना से न केवल संक्रमण का खतरा बढ़ा, बल्कि किसी बड़ी अनहोनी की आशंका भी बनी रही।

बताया जा रहा है कि घटना के समय अस्पताल परिसर में न तो कोई जिम्मेदार अधिकारी मौजूद था और न ही सुरक्षा व्यवस्था के कोई पुख्ता इंतजाम नजर आए। परिजनों ने जब ड्यूटी स्टाफ को इस गंभीर स्थिति की जानकारी दी, तो इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। इसके बाद पुलिस चौकी में संपर्क करने पर कथित रूप से यह जवाब मिला कि च्पुलिस कुत्ते के लिए क्या करेगी ज्ञ इस जवाब ने प्रशासनिक संवेदनहीनता पर और बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। प्रसूति वार्ड जैसे

अति संवेदनशील स्थान पर इस तरह की लापरवाही ने पूरे स्वास्थ्य तंत्र की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस अस्पताल में नवजात शिशु ही सुरक्षित नहीं हैं, वहां आम मरीजों की सुरक्षा की गारंटी कैसे दी जा सकती है। घटना के बाद क्षेत्र में नाराजगी का माहौल है। नागरिकों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने, जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई करने तथा अस्पताल में तत्काल सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर लापरवाही को कितनी संवेदनशीलता से लेता है या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह कागजों में ही दबकर रह जाएगा।

जन चौपाल में पुलिस ने दिया जागरूकता का संदेश, हेलमेट और कानून पालन पर जोर

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत चटुवा के पंचायत भवन में पुलिस प्रशासन द्वारा जन चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गांव की शांति, सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। चौपाल में उप निरीक्षक बी एल बड़कड़े ने ग्रामीणों को आपसी विवाद से बचने और छोटे मामलों को आपसी समझाइश से सुलझाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारा ही गांव की सबसे बड़ी ताकत है। एएसआई अरुण पटेल ने नशा मुक्ति अभियान पर विस्तार से जानकारी देते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने और परिवारों को सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि नशा अपराध और घरेलू कलह की बड़ी वजह बनता है।पुलिस अधिकारियों द्वारा साइबर अपराध के संबंध में भी विशेष जागरूकता दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि अज्ञात लिंक, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करना, ऑनलाइन ठगी और सोशल मीडिया पर गलत जानकारी से सावधान रहें। किसी भी संदिग्ध कॉल या ऑनलाइन लेन-देन की स्थिति में तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन पर संपर्क करने की सलाह दी गई।

इसके साथ ही महिला संबंधित अपराधों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। महिलाओं की सुरक्षा, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा एवं अन्य अपराधों की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराने और कानून की सहायता लेने की जानकारी दी गई।

टंटया मामा स्वरोजगार योजना पर ब्रेक डिंडौरी में 113 प्रकरण बैंकों में अटके

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) कार्यालय मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम, जिला डिंडौरी द्वारा संचालित टंटया मामा आर्थिक कल्याण स्वरोजगार योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न बैंक शाखाओं में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। समीक्षा में कुल 113 प्रकरण स्वीकृति एवं ऋण वितरण के लिए लंबित पाए गए हैं। इस पर लीड बैंक प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को पत्र प्रेषित कर सभी संबंधित बैंक शाखाओं को निर्देशित किया गया है कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए।जानकारी के अनुसार विकासखंड डिंडौरी में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया डिंडौरी में 03, एसबीआई मेन रोड डिंडौरी में 05, एसबीआई मेन ब्रांच डिंडौरी में 07, पीएनबी डिंडौरी में 01, एमपी ग्रामीण बैंक न्यू डिंडौरी में 03, बैंक ऑफ बड़ौदा डिंडौरी में 02, एमपी ग्रामीण बैंक विक्रमपुर में 01, इंडियन बैंक डिंडौरी में 08 तथा यूको बैंक डिंडौरी में 02 प्रकरण लंबित हैं।विकासखंड बजाग में सेंट्रल बैंक गाडासरई में 01, एसबीआई गाडासरई में 07 तथा एसबीआई बजाग में 03 प्रकरण लंबित पाए गए। विकासखंड करंजिया में सेंट्रल बैंक गोरखपुर में 02, पीएनबी करंजिया में 12 तथा एमपी ग्रामीण बैंक करंजिया में 03 प्रकरण लंबित हैं।

ऊपर से माल नहीं का बहाना, नीचे खुली लूट, डिंडौरी में तंबाकू उत्पादों की कालाबाज़ारी उजागर

जिले में तंबाकू व मादक पदार्थों की काला बाज़ारी बेलगाम, जिम्मेदार विभाग बना मूकदर्शक

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जिले में इन दिनों मादक पदार्थों और तंबाकू से जुड़े उत्पादों की काला बाज़ारी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। राजश्री, गुड़ाखू सहित अन्य प्रतिबंधित एवं नियंत्रित तंबाकू उत्पाद खुलेआम तय कीमत से अधिक दामों पर बेचे जा रहे हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह पूरा खेल जिले के बड़े थोक व्यापारियों द्वारा सुनियोजित तरीके से लंबे समय से खेला जा रहा है।

बताया जा रहा है कि थोक व्यापारी जानबूझकर छोटे दुकानदारों को उनकी वास्तविक मांग से काफी कम मात्रा में तंबाकू उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। दुकानदारों को यह कहकर संतुष्ट किया जाता है कि कंपनियों से माल की आपूर्ति नहीं हो रही है या ऊपर से स्टॉक ही नहीं आ रहा। इसी बहाने बाजार में कृत्रिम कमी पैदा कर दी जाती है। जब दुकानों में माल कम दिखाई देता है, तो ग्राहक मजबूरी में अधिक कीमत चुकाने को तैयार हो जाते हैं।

इस कृत्रिम अभाव का नतीजा यह है कि जो सामान 10 रुपये में बिकना चाहिए, वह 15 रुपये में और 40 रुपये की सामग्री 50 रुपये

तक में बेची जा रही है। कई इलाकों में तो इससे भी अधिक कीमत वसूले जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर है, जहां विकल्प न होने के कारण उपभोक्ताओं को मनमानी कीमत चुकानी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह काला बाज़ारी बीते कई दिनों से नहीं बल्कि लंबे समय से पूरे जिले में चल रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों द्वारा न तो नियमित निरीक्षण किया जा रहा है और न ही प्रभावी कार्रवाई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, आबकारी विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों की निष्क्रियता पर भी सवाल उठ रहे हैं। आमजन में यह चर्चा है कि यदि समय-समय पर दुकानों और गोदामों की जांच होती, तो इस तरह की मुनाफाखोरी पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती थी।

काला बाज़ारी का सीधा असर न सिर्फ आम नागरिकों पर पड़ रहा है, बल्कि युवाओं में नशे की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिल रहा है। सामाजिक संगठनों का कहना है कि तंबाकू और मादक पदार्थों की अवैध बिक्री पर सख्ती से रोक लगाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि थोक व्यापारियों के स्टॉक की जांच कर वास्तविक आपूर्ति और बिक्री का खुलासा किया जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस गंभीर समस्या को लेकर कब जागता है और काला बाज़ारी के इस संगठित खेल पर कब तक प्रभावी लगाम लगाई जाती है। जनता को उम्मीद है कि जल्द ही ठोस कदम उठाए जाएंगे, ताकि बाजार में निर्धारित दरों पर ही सामग्री उपलब्ध हो सके और आम लोगों को राहत मिल सके।

संस्कृत की परीक्षा में अनुपस्थित रहे 417 परीक्षार्थी, नहीं बना कोई नकल प्रकरण

100 केन्द्रों पर आयोजित की जा रही बोर्ड परीक्षाएं, डीईओ ने किया निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षाओं के सुचारू एवं निष्पक्ष संचालन हेतु जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा सघन निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। परीक्षा केन्द्रों पर निरंतर निरीक्षण के माध्यम से पारदर्शिता एवं अनुशासन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे परीक्षाएं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रही हैं। गुरूवार 19 फरवरी को जिले के कुल 100 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाएं आयोजित की गईं। कक्षा दसवीं के संस्कृत विषय में शहरी क्षेत्र के 47 केन्द्रों पर पंजीकृत 11,723 परीक्षार्थियों में से 11,434 उपस्थित रहे, जबकि 289 अनुपस्थित रहे। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के 53 परीक्षा केन्द्रों पर दर्ज 8,955 परीक्षार्थियों में से 8,827 उपस्थित तथा 128 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार जिले में कुल 20,678 परीक्षार्थियों में से 20,261 उपस्थित तथा 417 अनुपस्थित रहे।

इन केंद्रों का किया निरीक्षण

कक्षा बारहवीं के मनोविज्ञान विषय की परीक्षा एक परीक्षा केन्द्र पर आयोजित हुई, जिसमें पंजीकृत सभी 8 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और कोई भी अनुपस्थित नहीं रहा। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, व्योहारबाग एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कमला नेहरू नगर का निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त जिले के समस्त विकासखण्डों में एसडीएम एवं बीईओ स्तर के उड़नदस्ता दलों द्वारा सतत निरीक्षण किया गया। सभी निरीक्षणों के दौरान परीक्षा व्यवस्था शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित पाई गई। जिले में कहीं भी किसी प्रकार का नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुआ।

जायका टीम की ट्रांसको अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा, दी जाएगी रेटिंग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जायका) द्वारा प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क की सुदृढ़ीकरण के लिये मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) को दिये गये जायका-दो लोन से हुये कार्यो की समीक्षा के लिये गुरूवार को मुख्यालय शक्तिभवन में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें जायका, जापान की इवैल्यूएटर सुश्री हिसाए ताकाहाशी एवं जायका के भारतीय प्रतिनिधि कुनाल गुप्ता ने जायका वित्त पोषित विभिन्न कार्यों में एमपी ट्रांसको द्वारा अपनायी गई तकनीकी एवं वित्तीय प्रबंधन के बारे में जानकारी प्राप्त की। जायका टीम ने लोन समझौते की शर्तों में शामिल पारेषण हानि को कम करने के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 2013 में 2.82 प्रतिशत रही पारेषण हानि को वर्ष 2024-25 में घटाकर 2.60 प्रतिशत तक लाना एक बड़ी उपलब्धि है। जायका टीम ने राइट आफ वे (आरओ डब्ल्यू) एवं फारेस्ट अप्रूवल से जुडी चुनौतियो के बावजूद मध्यप्रदेश में ट्रासमिशन नेटवर्क सुदृढ़ीकरण के लिये किये गये प्रयासों की सराहना की। बैठक में जायका के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि परियोजनाओं का क्रियान्वयन स्वीकृत योजना एवं तय मानकों के अनुसार होना आवश्यक है।

निरीक्षण उपरांत प्रस्तुत की जायेगी विस्तृत रिपोर्ट

बैठक में सहमति बनी कि टीम द्वारा जायका वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में एमपी ट्रांसको द्वारा किये गये विभिन्न कार्यो का निरीक्षण कर विस्तृत तकनीकी एवं वित्तीय समीक्षा की रिपोर्ट निर्धारित प्रश्नावली मे प्रस्तुत की जाएगी। एमपी ट्रांसको द्वारा मानीटरिंग एवं प्रोजेक्ट पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद जायका द्वारा रेटिंग दी जायेगी । समीक्षा बैठक के संयोजक कार्यपालक निदेशक(योजना और डिजाइन) संदीप गायकवाड़ ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि कई कार्य दक्ष प्रबंधन एवं प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के कारण कम लागत में पूर्ण हुए हैं। साथ ही यह भी आश्वस्त किया गया कि परियोजनाओं की गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों से कोई समझौता नहीं किया गया है। मध्यप्रदेश में ट्रांसमिशन नेटवर्क की सुदृढ़ीकरण के लिये पावर ट्रांसमिशन कंपनी को दो बार जायका द्वारा लोन दिया गया था। जायका-दो में 434 करोड रुपये का एमपी ट्रांसको द्वारा युटिलाइजेशन किया गया है। बैठक का संचालन कार्यपालन अभियंता क्षमा शुक्ला ने किया।

शाला प्रबंधन समितियों को सशक्त बनाने किया जा रहा सच्चा प्रयास

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सच्चा प्रयास समिति में शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों के लिए गुरूवार को एक दिवसीय क्षमता-वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जबलपुर विकासखंड ग्रामीण के बीआरसी केशव दुबे, बीएसी रत्नेश मिश्रा, सीएसी संतोष मिश्रा, जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य ुभाष महोबिया, नवोदय विद्यालय के पुस्तकालय प्रभारी महेंद्र पटेल, बरगी नगर संकुल प्राचार्य श्रीकृष्ण रायखेरे तथा आई डी वाय डब्लू सी संस्था घंसौर से अशफाक अरबी की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में परियोजना क्षेत्र के 12 ग्रामों के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में गठित शाला प्रबंधन समितियों के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान शाला प्रबंधन समिति की भूमिका, गठन एवं संरचना, अधिकार एवं कर्तव्य, तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रमुख प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही विद्यालयों में निगरानी एवं सामुदायिक सहभागिता तंत्र को सुदृढ़ करने, शाला विकास योजना की आवश्यकता एवं निर्माण प्रक्रिया, वार्षिक कार्य योजना तैयार करने की विधि, विद्यालयों को प्राप्त बजट के उपयोग में पारदर्शिता, मध्यान्ह भोजन की निगरानी, ड्रॉपआउट बच्चों की रोकथाम तथा नामांकन और उपस्थिति बढ़ाने की रणनीतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने विद्यालय प्रबंधन में अपनी भूमिका को अधिक प्रभावी ढंग से निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन संस्था प्रमुख परवेज खान के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर साथी कार्यकर्ता सुनील सैनी, अफजल खान, रश्मि टेकाम, राजकुमार यादव, सुषमा यादव, मैनी महिमा तथा संजय मरावी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय प्रबंधन में समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर शैक्षिक गुणवत्ता एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करना रहा।

रमज़ान का पहला अशरा शुरू, आज पहला जुमा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पवित्र माह रमजान शरीफ का पहला रोजा के जुमेरात को रखा गया। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में शाम निर्धारित समय पर मस्जिदों से अज़ान की आवाज़ गूंजते ही रोजेदारों ने खजूर और पानी से इफ्तार कर अल्लाह का शुक्र अदा किया। मस्जिदों की मीनारों पर हरी और लाल रोशनी की सजावट से रमजान की रौनक साफ दिखाई दी। रमजान के पहले रोजे के साथ ही पहला अशरा (रहमत का अशरा) शुरू हो गया है। रमजान शरीफ में कुल तीन अशरे होते हैं, जो दस-दस दिनों के होते हैं। पहला अशरा रहमत का, दूसरा मगफिरत (गुनाहों की माफी) का और तीसरा जहन्नम से आजादी का माना जाता है। मुफ्ती-ए-आज़म मप्र हज़रत मौलाना डॉ. मुशाहिद रज़ा क़ादरी ने अपने बयान में कहा कि मुसलमान इस मुक़द्दस महीने में ज्यादा से ज्यादा वक्त इबादत में गुजारें, फिजूल खर्च और गलत कामों से बचें तथा जरूरतमंदों की मदद करें। उन्होंने साहिबे-निसाब मुसलमानों से अपील की कि वे अपनी ज़कात जल्द से जल्द हकदारों तक पहुंचाएं, ताकि सभी लोग रमजान और ईद खुशी व सुकून के साथ मना सकें। मुस्लिम बहुल क्षेत्र बहोराबाग स्थित हजरत कासिम बाबा की दरगाह में पहले रोजे पर अफ्तार-ए-आम का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने शिरकत कर सामूहिक रूप से इफ्तार किया। इसी प्रकार मदन महल क्षेत्र की दरगाह में भी अफ्तार-ए-आम का आयोजन शेख अब्दुल कादिर जीलानी गौसे आज़म दस्तगीर रहमतुल्लाह की यौमे-विलादत के मौके पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की और मुल्क की तरक्की व खुशहाली के लिए दुआएं मांगीं।

सम्राट शिवाजी महाराज 395वीं जयंती पर हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हंदू हृदय सम्राट शिवाजी महाराज की 395 जयंती के अवसर पर शिवसेना के कार्यकर्ताओं द्वारा मदन महल स्टेशन स्थित बनी प्रतिाम पर माल्यार्पण कर विविध आयोजन किए गए। महानगर प्रमुख मुकेश सराठे पे बताया कि हिंदू हृदय सम्राट शिवाजी महाराज की 395 जयंती सभी शिवसेनिको द्वारा शपथ ली गई। हिंदू हृदय सम्राट की शिवाजी महाराज द्वारा जो नारा दिया गया था उसी को हम बढ़ाएंगे और हिंदुत्व के लिए लड़ेंगे और हिंदुत्व के लिए मरेंगे और जो हमारे हिंदुत्व के ऊपर आंख उठेगा उसकी दोनों आंखें निकाल लेंगे यह शपथ ली है। इस दौरान राज्य उपप्रमुख शैलेंद्र बारी, महानगर प्रमुख मुकेश सराठे, जिला प्रमुख सुजीत पटेल, गजानन गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

सड़कों पर घूम रहे मवेशियों से आए दिन हो रहे हादसे

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। आवारा मवेशियों का झुंड जगह-जगह देखने को मिल रहा है हाईवे से लेकर पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग व दूरस्थ ग्रामीण अंचलों की सड़कों पर आवारा मवेशी मच्छर और मक्खियों से अपने आप को सुरक्षित रखने के लिहाज से सड़कों पर अपना डेरा जमा कर रखे हुए हैं। जिससे प्रतिदिन गंभीर सड़क हादसे हो रहे हैं और इन सड़क हादसों में लोगों की मौत हो रही है। वहीं प्रतिदिन मूक मवेशी काल के काल में समा रहे हैं। जहां एक और कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ द्वारा सड़कों पर बैठे आवारा मवेशियों को संबंधित ग्राम पंचायत की सीमा क्षेत्र के सरपंच सचिव को इस समस्या से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। परंतु इस आदेश का असर गोसलपुर क्षेत्र मे दूर-दूर तक देखने को नहीं मिल रहा है। वही शासन ने पशुपालकों को अपने आवारा मवेशी सड़कों पर छोड़ने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान भी तय करके रखा गया है परंतु इस जारी नियम निर्देश का आवारा मवेशियों के पशुपालकों पर भी पुलिस द्वारा कोई कठोर कार्रवाई न करने के कारण पशुपालक अपने मवेशियों को आवारा सड़कों पर छोड़े जा रहे हैं। क्षेत्र के महेन्द्र सिंह, पुरूषोत्तम असाटी, श्वेतांक पालीवाल का कहना है की एनएच 30 सिहोरा से लेकर पनागर तक की सड़कों पर प्रतिदिन दर्जनो मूक मवेशी सड़क दुर्घटना में मारे जाते हैं और एनएच 30 के संबंधित ठेकेदार को जहां एक ओर निर्देश है की एन.एच.30 में आवागमन बाधित न हो अगर सड़क पर मवेशी बैठते हैं तो उन्हें हांका गैंग के माध्यम से तत्काल हटाया जाए मृत मवेशियों का समुचित बिनष्टीकरण किया जावे परंतु यह सब देखने को नहीं मिल रहा है।

170 गौवंश की सेवा कर रही उड़ान वेलफेयर फाउंडेशन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

उड़ान वेलफेयर फाउंडेशन केवल सामाजिक सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि गौ संरक्षण और संवर्धन को अपने प्रमुख उद्देश्यों में सम्मिलित कर समाज के सामने एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। संस्था द्वारा संचालित गौशाला में 170 गौवंश की सेवा की सेवा की जा रही है। वहां निराश्रित, बीमार और असहाय गौवंश को आश्रय, चिकित्सा, पोषण और सुरक्षा प्रदान की जाती है। संस्था का मानना है कि गौ सेवा केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय दायित्व भी है। गाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और जैविक खेती, पर्यावरण संतुलन तथा स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जहाँ एक ओर लोग धर्म को केवल मंदिरों और अनुष्ठानों तक सीमित समझते हैं, वहीं उड़ान वेलफेयर फाउंडेशन सेवा को ही सर्वोच्च साधना मानता है। संस्था के स्वयंसेवक समर्पण और निस्वार्थ भाव से कार्य करते हुए यह संदेश दे रहे हैं कि सच्चा धर्म करुणा में है, संरक्षण में है, और जीवमात्र के प्रति संवेदनशीलता में है। उड़ान वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने बताया कि गौ माता के छप्पन भोग में स्वप्निल अग्रवाल, मंजुलिका बनर्जी, राजीव नयन, रंजना राजपूत, अभिषेक राजपूत, अभिलाषा सोनी, अभिलाषा गुप्ता, राखी गुप्ता, प्रकाश गुप्ता, उमेश कटारे, प्रवीण गुप्ता, संजय खत्री, उमेश जायसवाल, सुनील श्रीवास्तव, रितेश गुप्ता, मीना गुप्ता, दीपक गुप्ता, प्रतिभा श्रीवास्तव, ओमप्रकाश चक्रवर्ती, सुधा गुप्ता, निर्मल भागवत, राजेंद्र गुप्ता, जसवीर सिंह आहूजा, गौतम नारंग, हेमंत साहू, सौरभ श्रद्धा श्रीवास्तव, वंदिता रजक, पूजा कुशवाहा आदि का सहयोग प्राप्त हुआ। प्रीति गुप्ता ने कहा कि वास्तव में, यदि हम ईश्वर की अनुभूति करना चाहते हैं, तो हमें सेवा का मार्ग अपनाना होगा। गौ सेवा के माध्यम से उड़ान वेलफेयर फाउंडेशन यही संदेश दे रहा है कि चारों धाम की यात्रा से बढ़कर पुण्य, करुणा और संरक्षण में निहित है।

पं. अरुण शुक्ला स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार एवं सम्मान समारोह आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पत्रकारिता में अपना अविस्मरणीय योगदान प्रदान करने वाले व्यक्तित्व और प्रेरणास्त्रोत पं. अरुण शुक्ला की स्मृति में 31वां अरुणोदय 2026 का आयोजन किया जा रहा है। संस्थापक आशीष शुक्ला ने बताया कि अरूणोदय यशभारत कार्यालय में आज 20 फरवरी को दोपहर 3.30 बजे से आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित एवं गरिमापूर्ण कार्यक्रम में मंत्री राकेश सिंह एवं विवेक कृष्ण तन्खा राज्यसभा सांसद का वर्चुअल संबोधन होगा। वरिष्ठ पत्रकार एन के सिंह के मुख्यातिथ्य में कार्यक्रम की अध्यक्षता जगत बहादुर सिंह महापौर, जबलपुर करेंगे। विशिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ. पीके मिश्रा कुलपति, जवाहरलाल नेहरू कृषि विवि, डॉ. अशोक खंडेलवाल कुलपति, मप्र चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, डॉ. राजेश वर्मा कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, राघवेन्द्र सिंह कलेक्टर, सम्पत उपाध्याय पुलिस अधीक्षक, मनोहर वर्मा सेवा निवृत्त उप पुलिस महानिरीक्षक, डॉ. परिमल स्वामी वरिष्ठ चिकित्सक कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। समारोह में नगर के चुनिंदा पत्रकारों व श्रेष्ठ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को श्रीफल, प्रतीक चिन्ह और सम्माननिधि से सम्मानित और पुरस्कृत किया जाएगा। इस मौके पर डायरेक्टरी अरूणोदय 2026 का विमोचन भी अतिथियों के द्वारा किया जाएगा।

कर्मचारियों के हितों की रक्षा ही प्रथम लक्ष्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राज्य कर्मचारी संघ जबलपुर स्वास्थ्य विभाग कार्यकारिणी का गठन विक्टोरिया अस्पताल का किया गया। जिला सचिव देवेंद्र पचौरी ने बताया कि कर्मचारियों के हित की रक्षा करना राज्य कर्मचारी संघ का मुख्य उद्देश्य है और इसमें किसी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। इस हेतु कार्यकारिणी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। जिला स्तर की मागों का जिला स्तर पर एवं प्रदेश स्तर की मांगों का प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री के सहयोग से उसका शीघ्र निराकरण कराए जाने का प्रयास किया जाएगा। जिला स्तर पर स्वास्थ्य विभाग में समयमान वेतनमान, नियुक्ति तिथि में सुधार जीपीएफ पास बुक पूर्ण करना, आईएफएमएस साफ्टवेयर में जन्मतिथि का सही अपडेशन, संविदा नर्सिंग आफीसर की आईडी डिलीट होना, आउटसोर्स कर्मचारियों को प्रतिमाह 1 से 5. तारीख तक मानदेय दिलाया जाना इत्यादि समस्याओं के शीघ्र निराकरा के लिए आदोलन के माध्यम से प्रयास किये जायेगें। इसी कड़ी में 19 फरवरी को अंकिता गुप्ता महिला उपाध्यक्ष, मीनाक्षी मिश्रा को जिला उपाध्यक्ष, विशाल मसीह, सतीश देशमुख, पंकज जायसवाल, मनोहर रजक, सुशील गर्ग, योगेश कपूर को उपाध्यक्ष एवं आदित्य जायसवाल, हेमन्त गौतम, तुषरेन्द्र सिंह, नीरज कौरव कृष्णकुमार मरावी को सहसचिव एवं आशीष विल्सन को मीडिया प्रभारी तथा प्रदीप तिवारी को प्रचार मंत्री का दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर संघ के अटल उपाध्याय, देवेन्द्र पचौरी आलोक अग्निहोत्री, वीरेन्द्र चंदेल, मनोज सिंह, ब्रजेश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

800 यात्रियों को लेकर तीर्थ दर्शन कराने रवाना हुई भारत गौरव स्पेशल ट्रेन

राज्य सभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को किया रवाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र शासन की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजना मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत गुरूवार 19 फरवरी को एमएमटीडीवाई-21 गाड़ी (भारत गौरव स्पेशल ट्रेन संख्या 00131) को जबलपुर रेल मंडल के जबलपुर रेलवे स्टेशन से विधिवत रूप से रवाना किया गया। यह विशेष तीर्थ यात्रा ट्रेन वरिष्ठ नागरिकों को रामेश्वरम-मदुरै की 6 रात्रि एवं 7 दिवसीय पावन तीर्थ यात्रा पर लेकर प्रस्थान हुई। इस विशेष ट्रेन का प्रस्थान दोपहर 2.25 बजे जबलपुर स्टेशन से हुआ। इस यात्रा में जबलपुर से 290 यात्री, नैनपुर से 255 यात्री तथा बालाघाट से 255 यात्री सवार हुए। इस प्रकार कुल 800 यात्री इस पावन तीर्थ यात्रा में सम्मिलित हुए। प्रस्थान अवसर पर राज्यसभा की राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक विशेष रूप से उपस्थित रहीं। जिन्होंने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया।

सराहनीय है मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना - इस दौरान सभी यात्रियों का पारंपरिक स्वागत तिलक, तुलसी माला, पुष्पवर्षा, नाश्ता वितरण, ढोल-नगाड़ों की थाप एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ गरिमामय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा की सांसद सुमित्रा बाल्मीक ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना मध्य प्रदेश सरकार की एक अत्यंत सराहनीय एवं मानवीय पहल है। यह हमारे गरीब, ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक बड़ा सहारा बनी है, जो आर्थिक अभाव के कारण तीर्थ यात्रा से वंचित रह जाते थे। जबलपुर एवं पूरे महाकौशल अंचल से लगभग 800 श्रद्धालु इस पावन यात्रा पर जा रहे हैं, यह अत्यंत सुखद एवं गौरव का विषय है। यह राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार दोनों का संयुक्त प्रयास है, जिसके माध्यम से आम नागरिकों को सम्मानपूर्वक तीर्थ यात्रा का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर जिला प्रशासन से डिप्टी कलेक्टर ज्योति परस्ते, तहसीलदार नीलू बागरी, अतिरिक्त तहसीलदार रांझी भीमसेन पटेल आदि उपस्थित रहे।

किसकी शह पर माध्यमिक शिक्षक बना कन्या परिसर मानपुर का सर्वेसर्वा...!

आदिवासी बच्चियों के हक का अनाज अधीक्षिका ले जा रही अपने घर..!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर मानपुर में पदस्त सहायक शिक्षक दिनेश चंद साहू जो कि बिजौरी स्थित सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास के भी प्रभारी अधीक्षक के पद पर है ये अपना जो मुख्य कार्य है उसको छोड़कर बाकी सब कार्य मे निपुण है और इतने शकितशाली और सर्वेसर्वा है जिसकी चर्चा पूरे मानपुर सहित जिला मुख्यालय तक है चाहे बात चरित्र की हो या फिर नेताओं के चाटूकारिता की..! आखिर ये सोचने वाली बात है कि एक अदना सा माध्यमिक शिक्षक इतना पॉवरफुल कैसे हो सकता है लेकिन है जो कि प्राचार्य से ऊपर का पावर रखते हैं और मजाल है कि कोई कार्यवाही इनके ऊपर हो जाये..! सब सेटिंग का खेल है और चाटूकारिता की तो भला कोई इनका क्या बिगाड़ सकता है.? जिला मुख्यालय के जनजातीय कार्य विभाग के बाबू के विश्वस्त आदमी माने जाते हैं मास्टर साहब और प्राचार्य के न रहने पर प्राचार्य का कार्य खुद देखते है कहा जाये तो प्राचार्य ये खुद ही है और जो प्राचार्य पदस्त है वो केवल नाम मात्र के ही है..!

सारी खरीदी और कहा, क्या, कैसे करना है सब साहू जी के ही जिम्मे है प्राचार्य रबर स्टाम्प बन कर रह गए हैं..! माध्यमिक शिक्षक अब शाशन से बच्चो के खाते में आये रुपयों को बच्चो से मंगवाकर खुद खरीददारी कर कमीशन खा रहे है और अपने चुनिंदा दुकानदारों से सामान मंगवाकर दलाली और दुकानदारी पर उतर आए है..!

'छात्राओं के अनाज पर अधीक्षिका की नजर'

कन्या शिक्षा परिसर मानपुर में पदस्त अधीक्षिका साक्षी शुक्ला द्वारा रात में छात्राओं के खाने का अनाज चोरी करवाया जा रहा है जिसका सबूत सहायक आयुक्त ट्राइबल को दिया गया है और मोबाइल प्रतिबंधित होने के बाबजूद छात्राओं को मोबाइल रखने की छूट भी दी गई है और रात में कन्या छात्रावास में पुरुषों का आना प्रतिबंधित होने के बाबजूद बेरोकटोक आना जाना लगा रहता है जो गंभीर मामला है।

इनका कहना है

आपने जो भी बताया है उसकी जाँच कराई जाएगी और दोषी होने पर शिक्षक और अधीक्षिका पर कार्यवाही की जाएगी।

पूजा द्विवेदी, सहायक आयुक्त
जनजातीय कार्य विभाग उमरिया

जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता से चयनित विद्यार्थियों को कलेक्टर ने किया सम्मानित

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शिक्षा ही विकास के व्दार खोलती है। शिक्षित व्यक्ति की चहुंओर प्रशंसा होती है। सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता है मेहनत ही सफलता की कुंजी है इसलिए आवश्यक है कि सभी बच्चे मेहनत करें और निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष करें। उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने गुरुवार 19 फरवरी को कलेक्टर सभागार में आयोजित जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि 16 हजार बच्चों के ओलंपियाड प्रतियोगिता में रजिस्ट्रेशन कराने के बाद विभिन्न स्तरों पर परीक्षा पास करते हुए 32 बच्चे चयनित हुए है, जो बधाई के पात्र है। जो बच्चे चयनित नही हो पाए है, वे निराश नही हो। उन्होने कहा कि सभी बच्चे अपने लक्ष्य का निर्धारण करें और उसी अनुरूप तैयारी करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी । उन्होने अभिभावको से अपील

करते हुए कहा कि अपने बच्चो को खूब पढाए। अभिभावक अपने बच्चो पर अपनी इच्छा का दबाव नही डालें। प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई प्रतिभा विद्यमान है, बच्चो को जिस क्षेत्र में रूचि है, उसी क्षेत्र में मेहनत करने दें और अपनी सफलता की इबारत लिखने दें। इन बच्चो में कोई खिलाड़ी, कोई डाक्टर,कोई इंजीनियर बन सकता है। आपने सभी बच्चो को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला परियोजना समन्वयक के के डेहरिया ने बताया कि ओलंपियाड प्रतियोगिता में 16242 बच्चो ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया था। जन शिक्षा केंद्र स्तरीय परीक्षा में 16242 बच्चों में से 14687 बच्चों ने परीक्षा दी जिसमें 2118 विद्यार्थी चयनित किए गए। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 2118 में से 1987 बच्चे शामिल हुए जिसमें से 32 बच्चो का चयन किया गया जिन्हें जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता कार्यक्रम समारोह में सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले बच्चो में कक्षा 2 एवं 3 मे हिंदी, गणित, कक्षा 4 एवं 5 मे हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं पर्यावरण, कक्षा 6 एवं 8 में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, मार्गदर्शी शिक्षक शामिल है। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के बच्चे,शिक्षक, अभिभावक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन सुशील मिश्रा ने किया।

गाँव तालाब सुदृढ़ीकरण से बदली तस्वीर, मनरेगा बना सहारा

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत खैरलांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरी में वर्ष 2023 में मनरेगा योजना के तहत गाँव तालाब सुदृढ़ीकरण एवं निर्माण कार्य कराया गया, जिसने ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। प्रशासनिक स्वीकृति क्रमांक 73 एवं तकनीकी स्वीकृति 0122 के तहत लगभग 1 लाख रुपये की लागत से यह तालाब तैयार किया गया। पूर्व में गाँव से लगी कृषि भूमि वर्षा के बाद पानी की कमी के कारण प्रभावित हो जाती थी, जिससे किसानों को फसल उत्पादन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। तालाब निर्माण के बाद अब किसानों को सिंचाई का स्थायी साधन उपलब्ध हो गया है। इससे फसलों की पैदावार में वृद्धि हुई है और किसानों के चेहरों पर संतोष और खुशी स्पष्ट दिखाई दे रही है। यह तालाब मात्र एक लाख रुपये की लागत से तैयार होकर ग्रामीणों के लिए वरदान सिद्ध हुआ है। जल संरक्षण के साथ-साथ यह कार्य मनरेगा योजना के उद्देश्य-रोजगार सृजन और ग्रामीण विकास-को भी साकार कर रहा है। जनपद पंचायत खैरलांजी में मनरेगा के अंतर्गत किए जा रहे ऐसे विकास कार्य क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बनते जा रहे हैं।

बांसुरी की धुन से साइबर जाल तक

रिटायर्ड शिक्षक के खाते से ढाई लाख पार

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

नौरोजाबाद में एक रिटायर्ड शिक्षक राजाराम चौहान ने चेन्नई की एक कंपनी से चार बांसुरियां मंगाई थीं। उम्र के इस पड़ाव पर उनका समय संगीत साधना में गुजरता था। ऑर्डर के बाद व्हाट्सएप पर रसीद आई, साथ में कूरियर का ट्रैकिंग नंबर भी। सब कुछ सामान्य दिख रहा था। कुछ दिन बाद जब उन्होंने पार्सल की स्थिति देखने के लिए लिंक खोला, तो वहां एक मोबाइल नंबर नजर आया। पार्सल की जानकारी लेने के लिए उन्होंने उस नंबर पर कॉल कर दिया। फोन उठाने वाले ने खुद को कूरियर से जुड़ा बताया और बड़ी सहजता से कहा कि पार्सल में दर्ज मोबाइल नंबर गलत है। नंबर ठीक कर देते हैं, बस एक छोटी सी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यहीं से ठग की बुनाई शुरू हुई। पहले नया मोबाइल नंबर लिया गया। फिर एक लिंक भेजा गया और कहा गया कि उस पर क्लिक कर भुगतान की प्रक्रिया पूरी करनी है। बात इतनी सामान्य अंदाज में कही गई कि शक की

कोई गुंजाइश नहीं बची। इसके बाद आरोपी ने एटीएम कार्ड की 16 अंकों की संख्या मांगी। फिर कार्ड के पीछे लिखा सीवीवी नंबर भी पूछ लिया। भरोसे में आए शिक्षक ने सारी जानकारी दे दी। उधर से आश्वासन मिला, अब सब ठीक है, पार्सल समय पर मिल जाएगा। पार्सल सचमुच पोस्ट ऑफिस पहुंचा भी। शिक्षक ने राहत की सांस ली कि प्रक्रिया पूरी हो गई। लेकिन असली खेल तो पीछे चल रहा था। कुछ समय बाद बैंक से फोन आया। बताया गया कि उनके खाते से ढाई लाख रुपये निकल चुके हैं। यह सुनते ही पैरों तले जमीन खिसक गई। तुरंत एटीएम ब्लॉक कराया गया, लेकिन तब तक रकम साफ हो चुकी थी। परिवार ने फौरन साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। मामला थाना नौरोजाबाद और जिला साइबर सेल तक पहुंचा। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी बालेंद्र शर्मा ने बताया कि यह साफ तौर पर फर्जी लिंक के जरिए की गई ठगी है। आरोपी ने भरोसा जीतकर बैंक और कार्ड की गोपनीय जानकारी हासिल की। उन्होंने लोगों से अपील की कि कोई भी अनजान लिंक न खोलें और एटीएम, सीवीवी या ओटीपी जैसी जानकारी किसी को न दें।इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ठगों ने किसी तरह की हड़बड़ी नहीं दिखाई। उन्होंने धैर्य से बात की, भरोसा बनाया और फिर सही समय पर वार किया। एक बांसुरी की धुन के इंतजार में बैठे शिक्षक को यह अंदाजा नहीं था कि डिजिटल दुनिया में छिपे जाल इतने खतरनाक हो सकते हैं। यह घटना सिर्फ एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि हर उस नागरिक के लिए चेतावनी है जो ऑनलाइन सुविधा का इस्तेमाल करता है। सवाल सिर्फ इतना है कि अगला निशाना कौन होगा, और क्या हम समय रहते सतर्क हो पाएंगे?

एनजीटी के आदेशों की अवमानना कर रहा पुलिस प्रशासन

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

नगर के ह्रदयतल में स्थित शासकीय देवी तालाब का एनजीटी भोपाल के आदेशों पर चल रहे कायाकल्प के कार्य पर अब बालाघाट पुलिस का अडंगा आ गया है। तभी तो एक शिकायत के आधार पर बालाघाट कोतवाली के प्रभारी के द्वारा बिना किसी पर्याप्त जांच के देवी तालाब में जिला प्रशासन एवं नगरपालिका परिषद् बालाघाट की अनुमति से काम कर रहे ठेकेदार की जेसीबी मशीन और डंप ट्रक को जप्त कर देवी तालाब के कायाकल्प के कार्य को बंद कर दिया है। दरअसल, एनजीटी भोपाल एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी बालाघाट के निर्देश तथा नगरपालिका परिषद् बालाघाट के निर्देशन में अनुविभागीय

अधिकारी, लोकनिर्माण / सेतु विभाग, बालाघाट के द्वारा देवी तालाब के जलीय क्षेत्र से मलमा/भरन को निकालने का कार्य दिनांक 18.02.2026 को रात्रि लगभग 10 बजे ठेकेदार के माध्यम से प्रारंभ करवाया गया था किन्तु कुछ लोगो के द्वारा स्वयं को देवी तालाब का मालिक बताते हुए उक्त कार्य को रोका गया और कोतवाली बालाघाट को इसकी सूचना दी गई। जिस पर कोतवाली थाना बालाघाट के थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में उक्त कार्य को बंद कराया गया और ठेकेदार की जेसीबी और ट्रकों को जप्त कर थाना कोतवाली में खड़ा किया गया है। जहां थाना प्रभारी कामेश धूमकेतू के द्वारा देवी तालाब में एनजीटी भोपाल और जिला प्रशासन बालाघाट के आदेश पर कार्य रहे भटेरा ब्रिज के ठेकेदार की

एक जेसीबी मशीन क्रमांक सीजी-04 एम.व्ही 6522 एवं डंप ट्रक क्रमांक एमपी-50 एच 1228 तथा एक अन्य डंप ट्रक क्रमांक एमएच-32 ए.जे 1236 को जप्त कर कोतवाली थाना बालाघाट में खड़ा किया है। बता देवे कि नगरपालिका परिषद् बालाघाट के द्वारा एनजीटी भोपाल में याचिकाकर्ता द्वारकानाथ चौधरी एवं प्रदीप परांजपे के द्वारा प्रस्तुत याचिका क्रमांक ओ.ए/130/2025 (सी.जेड) द्वारकानाथ चौधरी व अन्य बनाम मध्यप्रदेश राज्य व अन्य में माननीय न्यायाधिकरण के द्वारा शासकीय देवी तालाब के संरक्षण के लिए दिनांक 23.09.2025 एवं दिनांक 10.11.2025 को शासकीय देवी तालाब से नियमानुसार अतिक्रमण हटाने तथा दूषित पानी तालाब के भीतर जाने से रोकने के लिए आदेश के परिपालन में कराया जा रहा था ' किन्तु कोतवाली बालाघाट के द्वारा उक्त कार्य को बंद कराकर और मशीन तथा डंप ट्रक को जप्त कर कार्य को प्रभावित किया है और एनजीटी भोपाल के आदेश की अवमानना भी की है।

इनका कहना है

एनजीटी के आदेश पर बीती रात्री में देवी तालाब में मशीन लगाकर खनन किया जा रहा था। जहां दो पक्षो में तालाब की जमीन स्वयं की बताकर विवाद की स्थिति बनी थी। पुलिस में शिकायत हुई तो हमने सुरक्षात्मक दृष्टि से मशीन और डंपर को खडा करवाया गया है। अभी पुलिस मामले में जाचं कर रही है।

कामेश धुमकेतू, कोतवाली थाना प्रभारी।

पीएचई के कार्यपालन यंत्री ने किया नलजल योजना का निरीक्षण

बालाघाट। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री बीएल उइके ने 19 फरवरी को किरनापुर विकासखंड के ग्राम बेलगांव, कोहका, नेवारा एवं अकोला में जल जीवन मिशन की प्रगतिरत नल जल योजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एसडीओ एवं उपयंत्री भी उपस्थित थे। कार्यपालन यंत्री उइके ने नलजल योजनाओं के शेष कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने घरों में एफएचटीसी नल कनेक्शन शीघ्रता से देने के निर्देश दिये। नलजल योजना का कार्य कर रही एजेंसी को निर्देशित किया गया कि सभी समय सीमा में पेयजल प्रदाय का कार्य पूर्ण करे अन्यथा उनकी एजेंसी के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

केन्द्रीय विद्यालय के निर्माण कार्य में अब नहीं होगी रुकावट

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला मुख्यालय में स्थित केन्द्रीय विद्यालय राजस्व विभाग के प्रशिक्षण केन्द्र में 2010 से संचालित हो रहा है। सीमित जगह होने के कारण यह कक्षा दसवीं तक ही विध्यार्थियों के लिये उपलब्ध है। ग्यारहवीं और बारहवी की आगे की पढ़ाई के लिये छात्रों को नौरोजाबाद केन्द्रीय विध्यालय अपने साधन से जाना पड़ता है जो अति दुष्कर होता है, यही कारण है कि नागरिकों की मांग लगातार केन्द्रीय विध्यालय के निर्माण के लिये जोर पकड़ती जा रहीं थी। वर्तमान में संचालित केंद्रीय विद्यालय में पक्की छत न होने के कारण खासकर गर्मियों में छात्र छात्राओं को असहनिय पीड़ा से गुजरना पड़ता है। इस बार कलेक्टर धरणेन्द्र जैन जो कि केन्द्रीय

विध्यालय के चौयरमेन भी है इनकी सक्रियता व प्रयासों से डबरौहा स्थित आरटीओ आफिस के समीप पर्याप्त जमीन का आंबटन कर दिया गया है। केन्द्रीय विध्यालय की प्राचार्य सीमित संशाधन होने के बावजूद पूरी सक्रियता व समर्पण के साथ स्कूल को बेहतर तरीके से संचालित कर रहीं है। कुछ स्वास्थ्य खराब होने के बावजूद बोर्ड परीक्षाओं की वजह से वे रेस्ट नहीं ले रही है और स्कूल में उपस्थित हो रही है। उनका कहना है कि जल्द ही केन्द्र नई दिल्ली से केन्द्रीय विध्यालय संगठन के प्रतिनिधि यहां का दौरा करेगें और आवश्यक दिशा निर्देश देने के बाद फण्ड आने पर केन्द्रीय विध्यालय के मानक स्तर पर निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा। उन्होने बताया कि कलेक्टर महोदय निर्माण स्थल पर एप्रोच रोड,पानी,बिजली की व्यवस्था शीघ्र कराने के लिये दृढ़ संकल्पित है।नागरिकों को प्रतीक्षा है कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य के लिये फण्ड उपलब्ध हो और विध्यालय का निर्माण कराया जाये जिससे छात्रों को और अधिक परेशानी का सामना न करना पड़े।शायोप्रस के समाजसेवी विजय कुमार का कहना है कि 2010 में प्रयासों से केन्द्रीय विध्यालय का शुभारम्भ उमरिया में हो सका था।

इनका कहना है

कलेक्टर साहब लगातार प्रयास कर रहें कि जितनी जल्द हो सके केन्द्रीय विध्यालय का निर्माण फण्ड के बन्दोबस्त के साथ कराया जा सके और आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का कार्य भी सम्पादित किया जा सके।

केन्द्रीय विध्यालय प्राचार्य
मिसेज बी.एक्का

धान की कस्टम मिलिंग के लिए कलेक्टर ने की राईस मिलर्स से चर्चा।

बालाघाट। जिला मध्यप्रदेश का सर्वाधिक धान उत्पादक जिला है और समर्थन मूल्य पर खरीदी गई धान की कस्टम मिलिंग के उपरांत चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से उचित मूल्य दुकानों को गरीब और कमजोर वर्ग को प्रदाय करने के लिए उपलब्ध कराया जाता है। कलेक्टर मृणाल मीना ने बालाघाट जिले में धान की कस्टम मिलिंग के व्यवस्थित संचालन के लिए 18 फरवरी को राईस मिलर्स के साथ बैठक कर विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर ने राईस मिलर्स से चर्चा के दौरान कहा कि धान की कस्टम मिलिंग से तैयार होने वाला चावल गरीब एवं कमजोर वर्ग के खाने के लिए उपलब्ध कराया जाता है। अत- राईस मिलर्स इसमें किसी भी तरह से अनैतिक लाभ लेने का प्रयास न करें। राईस मिलर्स के लिए धान की कस्टम मिलिंग एक तरह से गरीब लोगो की सेवा के समान है।

ग्राम राशिमेटा-झकोरदा सड़क बनेगी विकास की नई राह

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत ग्रामीण यांत्रिकी सेवा बालाघाट द्वारा बिरसा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम राशिमेटा से झकोरदा तक 4.10 किलोमीटर लंबाई की बी.टी. सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है। विशेष केंद्रीय सहायता योजना अंतर्गत 3.40 करोड़ रुपए की स्वीकृत राशि से निर्मित हो रही यह सड़क क्षेत्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि ग्राम राशिमेटा एवं झकोरदा सहित आसपास के ग्रामीण लंबे समय से आवागमन की कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। कच्चे एवं जर्जर मार्ग के कारण बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी। किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुँचाने में परेशानी होती थी, वहीं विद्यार्थियों

एवं मरीजों को भी नियमित आवागमन में बाधाओं का सामना करना पड़ता था। किंतु अब निमार्णाधीन बी.टी. सड़क के पूर्ण होने से क्षेत्र के अनेक गांवों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क सुविधा से ग्रामीणों का आवागमन सुगम होगा, परिवहन लागत में कमी आएगी तथा कृषि उत्पादों को समय पर बाजार तक पहुँचाया जा सकेगा। साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक त्वरित पहुँच सुनिश्चित होगी। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों की नियमित निगरानी में कार्य सतत प्रगति पर है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने भी इस परियोजना को क्षेत्र के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। यह सड़क केवल दो गांवों को जोड़ने का कार्य नहीं करेगी, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति का आधार बनेगी।

स्कूल में दरारें, घरों में कंपन...कब जागेगा प्रशासन

डोलामाइड खदानों में बेतहाशा हो रही ब्लास्टिंग, जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

नगर मुख्यालय से महज 20 किमी दूर बम्हनी क्षेत्र में डोलामाइड की दर्जनों खदान संचालित हैं। इन खदानो में बेताशा अवैध खनन और परिवहन किया जा रहा है। बड़ी-बड़ी मशीनों से जमीन का सीना छलनी कर डोलामाइड निकाला जाता है। जो महानगरों की ओर भेजा रहा है ओवरलोड वाहनों ने सरकारी सड़को का दम निकाल दिया है तो दूसरी तरफ अवैध ब्लास्टिंग से पूरा काम चलता है। खदान की चट्टानों में बड़े-बड़े होलकर बड़ी ब्लास्टिंग की जाती है। जिससे आसपास के गांव कंपन की चपेट में आ जाते हैं। बाहुबलि और पैसे की दम पर संचालित इन खदानों पर न तो कभी जांच टीम जाती है और न ही कभी इन खदानों का भौतिक सत्यापन होता है कागजों में सब सही चल रहा है लेकिन मौंका स्थल कुछ और बयान करता है।

ऐसा ही एक मामला ककैया क्षेत्र की डोलामाइड खदान का सामने आया है। यहां पर होने वाली अवैध ब्लास्टिंग से पूरा क्षेत्र प्रभावित हो गया है और हालात इतने बिगड़ गए हैं कि इसी क्षेत्र के बीजेगांव स्थित माध्यमिक प्राथमिक शाला में अवैध ब्लास्टिंग का नजारा स्कूल में स्पष्ट दिखाई देता है। स्कूल में बड़ी-बड़ी दरारे आ गई हैं बच्चें स्कूल में बैठने से डरते हैं। तो वहीं मास्टर भी घबरा रहे हैं लेकिन सुनवाई नही हो रही है। वीडियो फोटो और पीड़ितो के बयान इस ओर इशारा करते हैं कि अगर आपके पास अताह पैसा है तो आप इस जिले में कुछ भी कर सकते हैं।। बीजेगांव में डोलोमाइड खदान की लगातार हो रही ब्लास्टिंग ने गांव की नींद,

चैन और बच्चों का भविष्य तीनों छीन लिया हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि प्राथमिक और माध्यमिक शाला बीजेगांव की इमारतें अब खंडहर में तब्दील होती नजर आ रही हैं। दीवारों में चौड़ी दरारें, झड़ता प्लास्टर और हर धमाके के साथ कांपता भवन किसी फिल्मी दृश्य का हिस्सा नहीं बल्कि हकीकत है जहां दर्जनों मासूम बच्चे रोजाना जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। गांव के समीप संचालित डोलोमाइड खदान में रात्रि के समय भारी ब्लास्टिंग की जाती है। ग्रामीणों के मुताबिक जैसे ही रात गहराती है अचानक तेज धमाके पूरे इलाके को दहला देते हैं। घरों की खिड़कियां हिलती हैं बर्तन लहराते हैं और दीवारों से मिट्टी झरने लगती है। कई बार तो लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आते हैं। छोटे बच्चे रोने लगते हैं और बुजुर्ग रात भर जागकर गुजारने को मजबूर हो जाते हैं। बीजेगांव का स्कूल अब बच्चों के लिए सुरक्षित शिक्षा केंद्र नहीं रहा, बल्कि संभावित हादसे का इंतजार करता ढांचा बन चुका है। कक्षाओं की दीवारों में इतनी गहरी दरारें हैं कि भीतर की ईंटें तक दिखाई देती हैं। छत का प्लास्टर जगह-जगह से उखड़ चुका है। ब्लास्टिंग के बाद कंपन इतना तेज महसूस होता है कि शिक्षक तक घबरा जाते हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति स्कूल के रसोईघर की है जहां मध्यान्ह भोजन तैयार किया जाता है।

यह रसोई केंद्र पूरी तरह जर्जर हो चुका है। दीवारें झुकी हुई हैं छत में दरारें हैं और हर धमाके के साथ मलबा गिरने का खतरा बना रहता है। ऐसे में भोजन बनाना भी जोखिम भरा काम बन गया है। सवाल यह है कि यदि किसी दिन रसोईघर की दीवार या छत गिर जाए तो जिम्मेदारी कौन लेगा, ब्लास्टिंग का असर सिर्फ स्कूल भवन तक सीमित नहीं है। बीजेगांव के कई पक्के और कच्चे मकानों में दरारें साफ दिखाई देने लगी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नए बने मकान भी सुरक्षित नहीं हैं। रात के समय कंपन इतना अधिक होता है कि लोगों को लगता है जैसे भूकंप आ गया हो। गांव के एक निवासी ने बताया कि पहले उनका घर बिल्कुल ठीक था लेकिन पिछले कुछ महीनों में दीवारों में कई जगह दरारें उभर आई हैं। उन्होंने कई बार खदान प्रबंधन और प्रशासन से शिकायत की लेकिन न तो कोई निरीक्षण हुआ और न ही मुआवजे की कोई चर्चा।

ग्रामीणों और शिक्षकों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों को मौखिक और लिखित शिकायतें दी हैं। स्कूल भवन की स्थिति से अवगत कराया गया है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। हर बार आश्वासन दिया जाता है कि जांच होगी लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। गांव के लोगों का सवाल है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? क्या बच्चों की जान की कीमत इतनी कम है कि दरारों से भरे भवन में पढ़ाई जारी रहे और अधिकारी फाइलों में व्यस्त रहें? इस मामले में जब खनिज विभाग से संपर्क किया गया तो संबंधित अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी। यदि नियमों के विरुद्ध ब्लास्टिंग पाई जाती है या गांव को नुकसान हो रहा है तो कार्रवाई की जाएगी। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि यह बयान पहले भी कई बार सुन चुके हैं। जांच की बात होती है लेकिन परिणाम कभी सामने नहीं आता। इस बीच दरारें बढ़ती जा रही हैं और डर गहराता जा रहा है। जब पत्रकार खदान क्षेत्र में स्थिति का जायजा लेने पहुंचे तो उन्हें कर्मचारियों द्वारा रोका गया। यहां पदस्थ कर्मचारी योगेश पटैल सहित अन्य लोगों ने अभ्रदता की। आरोप है कि पत्रकार को डराया-धमकाया गया मारपीट की कोशिश की गई और मोबाइल तोड़ने का प्रयास किया गया।

यहां तक कि गाली गलौज कर बंधक बनाने की कोशिश की गई। जिसकी सूचना पुलिस अधीक्षक को दी गई पुलिस अधीक्षक हस्ताक्षेप के बाद पत्रकार को खदान से जाने दिया गया इस पूरे मामले के प्रमाण बम्हनी थाना प्रभारी और मंडला थाना प्रभारी के पास भी हैं। क्योंकि खदान के कर्मचारियों से उक्त दोनो थाना प्रभारी ने बात की थी मामला काफी गंभीर है और इस बात को प्रमाणित करते हैं कि खदान में कुछ न कुछ गड़बड़ चल रहा है वहीं सवाल है कि इस अवैध ब्लास्टिंग की अनुमति किसने दी और यहां पर उपयोग होने वाले सहित अन्य उपकरण क्या वैध हैं और इस ब्लास्टिंग संबंधित अधिकारी विभाग कब-कब सत्यापन करता हैं वहीं सूत्रों का कहना है कि पूरा खेल पैसा का चल रहा है। और जिले की सत्ता और विकास पैसे वालों के हाथ में आकर सिमट गए हैं शायद यही कारण है कि जिले के सांसद विधायक और मंत्री सभी खमोश हो जाते हैं।

खाली डिब्बा जैसा है मप्र सरकार का बजट : पट्टा

मण्डला (स्वतंत्रमत)। बुधवार को विधानसभा में प्रस्तुत हुए मप्र सरकार के मुख्य बजट को लेकर बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार का बजट जनता युवाओं किसानों महिलाओं से विश्वासघात वाला बजट है। वित्तमंत्री ने आज जो बजट पेश किया है उसमें सिर्फ बातों के बताशे बनाए गए हैं और जनहित का मुद्दा पूरी तरह सफाचट है। यह बजट खाली डिब्बे जैसा है जो आवाज तो बहुत करता है लेकिन उसके अंदर होता कुछ नहीं। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की जनता और मतदाताओं से जो प्रमुख वादे किए थे वह सारे वादे ढाई साल बाद भी वित्त मंत्री के बजट भाषण से ग़ायब दिखाई दिए। प्रदेश के किसानों नारी शक्ति नौजवानों और सभी वर्गों से किए गए चुनावी वादों को बजट में कोई स्थान नहीं दिया गया। विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की जनता से जो चार प्रमुख वादे किए थे उनमें किसानों को धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3100 रुपया प्रति क्विंटल देना, किसानों को गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2700 रुपया प्रति क्विंटल देना,लाड़ली बहन योजना में महिलाओं को प्रति महीने 3 हज़ार रुपया देना, घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपये में देना शामिल था लेकिन बजट में इनका जिक्र तक नहीं है। बजट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह सरकार जनविरोधी है जनता से विश्वासघात करने वाली है और वादा-खिलाफी इसका स्वभाव है। इस बजट से मध्य प्रदेश की जनता को भारी निराशा हुई है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि पिछले बजट में जो घोषणाएं की गई थीं उनको पूरा क्यों नहीं किया गया। वित्त मंत्री ने यह भी नहीं बताया कि आखिर केंद्र सरकार से अगले पांच साल में मिलने वाले करों की हिस्सेदारी में 50 हजार करोड़ रुपये की कमी पर सरकार की क्या रणनीति है। इसके अलावा केंद्र और राज्य के सहयोग से चलने वाली योजनाओं में चालू वित्त वर्ष में मध्य प्रदेश को केंद्र सरकार की ओर से कई हज़ार करोड़ की राशि का भुगतान नहीं किया गया।

दिवारा पुल हुआ स्वीकृत

मण्डला (स्वतंत्र मत)। बिछिया विधानसभा के विधायक एवं क्षेत्र की जनता के लम्बे संघर्ष के बाद लफरा से दिवारा पुल निर्माण की स्वीकृति मिल गई हैं। विधायक श्री पट्टा ने बताया कि यह पुल 8.25 करोड़ की लागत से बनाया जायेगा जिससे लफरा दिवारा नारा गंगोरा आदि ग्रामों के नागरिकों को सीधा लाभ होगा सबसे ज्यादा लाभ पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को होगा। विधायक ने कहा है कि यह जनता के संघर्षो का पुल है और इसकी बधाई भी जनता को ही जाती है। क्षेत्र के प्रतिनिधि के नाते मैंने हर स्तर पर इसकी स्वीकृति के लिए प्रयास किया जिसका परिणाम आज आप सबके सामने है।

पांच विकेट लेने वाली खिलाड़ी बनी शुचि

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

राजकोट में चल रहे सीनियर बालिका वर्ग के एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट में मध्यप्रदेश सीनियर टीम में शामिल जिले की शुचि उपाध्याय ने पांच विकेट लेकर बड़ौदा टीम को बैक फुट में पहुंचा दिया और मध्यप्रदेश ने इस मैच में जीत दर्ज कर लिया है। बड़ौदा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्र रक्षण का फैसला लिया जिसमें मध्यप्रदेश ने 238 रनों का लक्ष्य दिया जिसमें अनन्या दुबे का शतक और पूजा वस्त्रकार, संस्कृति गुप्ता की शानदार बल्लेबाजी रही। बड़ौदा की ओर से चौथे विकेट की 80 रनों की साझेदारी ने मध्यप्रदेश को थोड़ा परेशान किया किन्तु शुचि उपाध्याय की शानदार गेंदबाजी ने बड़ौदा को जीतने के रास्ते से बाहर कर दिया और महज सात ओवर में बड़ौदा के पांच विकेट झटक लिए। इस टूर्नामेंट में मंडला की शुचि ने अब तक 14 विकेट हासिल कर लिया है। शुचि के इस

प्रदर्शन पर डीसीए मंडला के भीष्म द्विवेदी, अजय मिश्रा, इम्तियाज अली, निशांत झा, बसंत ठाकुर, अनिल सोनी, ललित जोशी, संजय बड़गैयां,पंकज दुबे, अर्जुन भांडे, अक्षय चंद्रोल, मयंक अग्रवाल, शिवांशु तिवारी,फैजान खान आदि खेल प्रेमियों ने बधाई दी है।

इंडक्शन प्रशिक्षण में सहभागिता की

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

बाल कल्याण समिति जिला मंडला के अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता ने मिशन वात्सल्य अंर्तगत आयोजित इंडक्शन प्रशिक्षण में सहभागिता की। गजेन्द्र गुप्ता को सफलतापूर्वक इंडक्शन प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। इंडक्शन प्रशिक्षण का आयोजन सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र इंदौर ने किया। बारह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ गुजरात एवं मध्यप्रदेश राज्य की बाल कल्याण समिति के 34 नवनियुक्त अध्यक्ष एवं सदस्यों को प्रशिक्षण के लिए नामांकित किया गया था।

मीडिया की आवाज लाई रंग, होगा इलाज

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने बताया कि बीते दिनों उनकी मुलाकात श्रीमति तारेश यादव से कटरा हॉस्पीटल में हुई थी जहां उन्हें जानकारी मिली कि उनकी बेटी रितिका यादव सिस्टिक फाइब्रोसिस नामक बीमारी से पीड़ित है जोकि फेफड़े से तालुकात रखती है। जिसके ईलाज में पूरा परिवार विगत 10 सालों से सफर कर रहा है। रही सही पूंजी के साथ सब कुछ ईलाज में लुट चुका है जानकारी मिलने के बाद श्री सोनी ने परिजनों से सतत सम्पर्क बनाया और पीड़िता की मदद को लेकर सोशल मीडिया में अपील की जहां से लगातार मदद मिलती रही लेकिन इस ईलाज के अन्तिम पड़ाव में पहुंचने के लिए

धन के साथ और भी चीजों की आवश्यकता पड़ रही थी वहीं दूसरी तरफ इस विषय की जानकारी बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा को मिली उन्होंने मुख्यमंत्री से चर्चा की जहां से पीड़ित बिटिया का ईलाज को लेकर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। गुरूवार को सिविल सर्जन डॉ विजय धुर्वे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शश्वात मीणा अपने अधीनस्थों के साथ कटरा अस्पताल पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की जहां से रितिका के ईलाज के लिए एयर एम्बुलेंस के माध्यम से चढ़ीगढ़ पीजीआई हॉस्पीटल भेजा जाएगा। बिटिया और परिजन शनिवार को चढ़ीगढ़ के लिए रवाना होंगे। परिजनों ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, विधायक नारायण सिंह पट्टा, आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी एवं जिला प्रशासन व जिन्होंने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष किया है सभी आभार व्यक्त किया है। बता दें कि इस बेटी के पिता जी का स्वर्गवास हो चुका है। इसे फेफड़ों से संबंधित सिस्टिक फाइब्रोसिस नामक बीमारी है।

इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है।अब बिटिया पूरे समय ऑक्सीजन पर है। इनकी माता जी लगभग 5 साल से नागपुर, मुंबई के अनेक मेडिकल अस्पतालों में ईलाज करवा चुकी है। अब इनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ चुकी है। इनका इलाज चंडीगढ़ के मेडिकल कॉलेज में होना है। लेकिन वहां तक एम्बुलेंस पर आक्सीजन सपोर्ट के जाना बहुत महंगा है। साथ में दवाइयां बहुत महंगी है। इलाज के लिए लाखों रुपयों की आवश्यकता है।

माहिष्मती सर्ववर्गी ब्राम्हण कार्यकारिणी घोषित

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

माहिष्मती सर्ववर्गी ब्राम्हण सभा मंडला की कार्यकारिणी घोषित की गई है। समाज के सर्वांगीण विकास, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह गठन किया गया है। सभा के संरक्षक मंडल में संजय तिवारी, अंबिका प्रसाद तिवारी, देवेश दुबे नीलू मोहगांव, ओंकार तिवारी, सुरेन्द्र तिवारी, गणेश ज्योतिषी, अमित शुक्ला महाराजपुर, दिलीप तिवारी, आलोक ज्योतिषी, नीलू महाराज अंजनिया, संदीप चौबे, संजीव मिश्रा, रमाकांत तिवारी, मनीष दुबे प्राचार्य, संतोष दुबे, अरविंद शुक्ला शिक्षा विभाग, प्रशांत पाठक, आनंद ज्योतिषी, प्रशांत मिश्रा, सुशील पांडे, जगदीश तिवारी झुरकी, शशांक उपाध्याय, राकेश तिवारी एडवोकेट, प्रशांत नीलमणि दीक्षित, अरविंद शुक्ला, सुरेश रिछारिया, धर्मेंद्र पांडे एवं संतोष बंटी पांडे को शामिल किया गया है। पदाधिकारियों की सूची में अध्यक्ष प्रदीप तिवारी महामाया उपाध्यक्ष, सुशील मिश्रा रैगांव, आनंद प्रकाश तिवारी मंडला, कोषाध्यक्ष मनोज मिश्रा महाराजपुर, सचिव आशीष ज्योतिषी, सहसचिव संदीप चतुर्वेदी, मनीष मिश्रा कुड़वन, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष एडवोकेट शशांक शुक्ला, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष कल्पना पांडे को नियुक्त किया गया है।

बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक रोहित बड़कुल ने पिछले जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक में प्रस्तुत एजेंडा और कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देश का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। पालन प्रतिवेदन में बताया गया कि कलेक्टर द्वारा जिले में बच्चों की वल्नेरेबिलिटी मैपिंग के संबंध में दिए गए निर्देश पर मैपिंग की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। रोहित बड़कुल ने जिले में संचालित बाल देखरेख संस्था की विस्तृत जानकारी स्पॉन्सरशिप, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना,पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन,

मुख्यमंत्री कोविड-19 योजना एवं फास्टर केयर के स्वीकृत प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्रस्तुत की।बाल गृह में निवासरत बच्चों को खेल विभाग के समन्वय से ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता कराने का प्रस्ताव रखा गया। बैठक में बाल कल्याण समिति में प्रचलित प्रकरणों की अद्यतन स्थिति, स्ट्रीट चिल्ड्रन और भिक्षावृत्ति रोकथाम में पाए गए बच्चों के पुर्नवास के लिए की गई कार्यवाही और पाक्सो प्रकरणों में इम्पैनल सपोर्ट पर्सन और उन्हें आवंटित प्रकरणों की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने विभिन्न प्रकरणों में महिलाओं के संरक्षण के लिए विभागीय व्यवस्था और सुविधाओं की जानकारी और पाक्सो प्रकरणों में सपोर्ट पर्सन इम्पैनल किए जाने की प्रक्रिया पर जानकारी मांगी। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता ने जेजे एक्ट के उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए विभागीय समन्वय से जिला कार्ययोजना बनाएं जाने की बात रखी। जिले में बालिका गृह संचालित न होने के कारण फिट फेसेलिटी के नियमानुसार व्यवस्थित संचालन की सुचारु व्यवस्था संचालित करने की बात कही। बैठक में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता, सदस्य श्रीमती तृप्ति शुक्ला, रंजीत कछवाहा, सुश्री शशि पटेल और संतोष कुमार यादव, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य डॉ.रेखा चौरसिया, जिला खेल अधिकारी विकास खराड़कर ,उप पुलिस अधीक्षक सतीश चतुर्वेदी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानन नाफडे, बाल गृह अधीक्षक अकील अहमद खान एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

जनपद सीईओ पर पांच सौं का अर्थदंड

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम 2010 के अंतर्गत समय-सीमा में सेवाएं प्रदान न करने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मंडला श्रीमती प्रतिमा शुक्ला पर 500 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। कार्यालय कलेक्टर (लोक सेवा प्रबंधन) मंडला द्वारा जारी आदेश के अनुसार लोक सेवा केंद्र एमपी ऑनलाइन के माध्यम से प्राप्त दो आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण नहीं किया गया। दोनों प्रकरणों में अंतिम तिथि 22 जनवरी निर्धारित थी जबकि निराकरण 23 जनवरी को किया गया जिससे एक कार्यदिवस का विलंब हुआ। प्रत्येक आवेदन पर 250 रुपये प्रतिदिन की दर से कुल 500 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है। संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि शास्ति राशि शासन मद में निर्धारित शीर्ष के अंतर्गत जमा कर चालान की प्रति तीन दिवस के भीतर प्रस्तुत करें। साथ ही अधिनियम की धारा 7(3) के तहत दोनों आवेदकों को 250-250 रुपये प्रतिकर राशि भुगतान करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई है।

राज्य स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित राज्य स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल मप्र द्वारा आयोजित किया गया जिसमें मध्य प्रदेश की 12-12 टीमों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग की महिला टीम ने अपने सभी मैच में एक तरफा जीत हासिल किया। महिला टीम ने सेमीफाइनल में सागर को हराकर आनंद में प्रवेश किया। वहीं फाइनल मैच इंदौर के विरुद्ध खेला गया जिसमें जबलपुर संभाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंदौर को हराकर दोबारा विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। वहीं पुरुष वर्ग में जबलपुर की टीम ने उज्जैन को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच बहुत ही संघर्षपूर्ण रहा। इस मैच में इंदौर से हारकर जबलपुर उप विजेता रही। टीम के प्रदर्शन को देखकर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल गुप्ता ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर ने की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। बैठक में जिले के ब्लैक स्पॉट्स दुर्घटना संभावित स्थानों) की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि इन स्थानों का संयुक्त निरीक्षण कर शीघ्र सुधार कार्य कराए जाएं, ताकि दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हो सके। इसके अलावा पंद्रह वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को स्क्रैप पॉलिसी के तहत निस्तारित करने की कार्यवाही तेज करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पुराने और अनुपयोगी वाहनों के कारण होने वाले प्रदूषण और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह कदम आवश्यक है। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए। यातायात पुलिस को नियमित रूप से चेकिंग अभियान चलाकर नियमों का पालन कराने को कहा गया। इसके अलावा बैठक में हिट एण्ड रन के कुल लम्बित प्रकरणों, शहर में अतिक्रमण हटाने के लिए अतिक्रमण दस्ता द्वारा की गई कार्यवाही, वाहनों के बीमा, फिटनेस, एचएसआरपी, ओवर स्पीड पर की गई कार्यवाही पर भी चर्चा की गई।

हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश मण्डला के न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश द्वारा आरोपीगण अखिलेश पिता गलीहार धुर्वे उम्र 28 साल, कत्तोबाई पति गलिहार धुर्वे उम्र 50 साल, दोनों निवासी ग्राम पलेहरा खेरमाई टोला थाना महाराजपुर जिला मण्डला की धारा 450, 302, 34 भा.द.स. में आजीवन कारावास एवं कुल 2000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियोजन कहानी संक्षिप्त में इस प्रकार है कि थाना महाराजपुर में पदस्थ उपनिरीक्षक जसवंत सिंह राजपूत को 22 अगस्त 2023 को थाना महाराजपुर के मर्ग क्र. 63/2023 धारा 174 जा.फो . की डायरी थाना

प्रभारी के आदेश से अग्रिम जांच वास्ते प्राप्त हुई। डायरी में संलग्न समस्त प्रपत्रों का अवलोकन किया। डायरी में मर्ग इंटीमेशन अस्पताली तहरीर पंचायतनामा कार्यवाही पीएम कर्ता डॉ. टीम की शार्ट पीएम रिपोर्ट के अवलोकन एवं साक्षीगण के कथनों से पाया कि 20 अगस्त 2023 के 8 से 9 बजे मध्य रात्रि में अभियुक्त अखिलेश धुर्वे एवं कत्तोबाई दोनो निवासी पलेहरा द्वारा एक राय होकर जगत मार्को को जान से मारने की नीयत से डंडा एवं हाथ मुक्के से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाये जो घायल अवस्था में अपने घर ग्राम पलेहरा में था। मामले में जब्तशुदा माल परीक्षण एफएसएल हेतु माल कराई गई संपूर्ण अनुसंधान उपरांत अभियुक्तगण के विरूद्ध धारा 450,302,34 भा.द.स. का अपराध पाये जाने पर अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।

विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्क से सहमत होते हुये। दोषी पाते हुये उक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से अभियोजन संचालन अपर लोक अभियोजक ब्रजेश चौरसिया के द्वारा किया गया है।

पासपोर्ट सत्यापन में उत्कृष्ट प्रदर्शन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जिला स्तर पर किए जा रहे पासपोर्ट ऑनलाइन कार्य की त्रैमासिक समीक्षा अवधि अक्टूबर 2025 से दिसम्बर 2025 के दौरान जिला मंडला द्वारा पासपोर्ट सत्यापन कार्य में उत्कृष्ट एवं शत-प्रतिशत प्रदर्शन किया गया है। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में उक्त अवधि के दौरान जिले में कुल 441 पासपोर्ट सत्यापन प्रकरण ऑनलाइन प्राप्त हुए जिनमें से 440 प्रकरणों का औसतन 8 दिवस के भीतर निराकरण किया गया। निर्धारित समय-सीमा के भीतर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही करते हुए सकारात्मक एवं सराहनीय प्रदर्शन दर्ज किया।

जगन्नाथपुरी तीर्थ यात्रा के लिये 20 मार्च को जाना प्रस्तावित

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनांतर्गत 20 मार्च को ट्रेन जगन्नाथपुरी तीर्थ यात्रा के लिये जाना प्रस्तावित है। जो आवेदक मप्र के वरिष्ठजन जिनकी आयु 60 वर्ष या अधिक आयु के व्यक्ति, महिलाओं के मामले में 2 वर्ष की छूट, जो आयकर दाता नहीं है जो जगन्नाथपुरी की तीर्थ यात्रा के लिये जाना चाहते हैं, वे आवेदक अपने आवेदन पत्र अपने निकटतम स्थानीय निकाय नगर पालिका/नगर परिषद/जनपद कार्यालय में जगन्नाथपुरी तीर्थ यात्रा के लिये 6 मार्च तक आवश्यक दस्तावेजों सहित जमा कर सकते हैं। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने यात्रियों से अपेक्षा की है कि वे मौसम के अनुरूप वस्त्र, व्यक्तिगत उपयोग की सामग्री यथा कंबल, चादर, तौलिया, साबुन, कंधा, आवश्यक दवाईयांए दाड़ी बनाने का सामान आदि साथ में रखें। तीर्थ यात्रियों को अपने साथ मूल आधार कार्ड, वोटर आईडी, समग्र आईडी प्रमाण पत्र रखना अनिवार्य है, समय अवधि के पश्चात आवेदन पत्र जमा नहीं किये जायेंगे।

संपादकीय

मुफ्तखोरी नहीं कौशल बढ़े

भारत में राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के मुफ्त उपहारों का लालच देते रहते हैं। हाल के समय में यह चलन और भी तेज हो गया है, क्योंकि पारंपरिक मुफ्त पानी और बिजली जैसे चुनावी उपहार अब पर्याप्त नहीं रह गए हैं। देश की सर्वोच्च अदालत का मानना है कि मुफ्त सुविधाओं के इर्द-गिर्द होने वाला राजनीतिक संवाद बेहद खतरनाक है क्योंकि यह काफी हद तक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की नींव को हिला देता है। चुनाव पूर्व किए गए अव्यवहारिक वादे मतदाताओं के सोच-समझकर निर्णय लेने की क्षमता को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। इससे मुफ्त उपहारों की संस्कृति की रूपरेखा, क्रियान्वयन और जवाबदेही में मौजूद कमियों को दूर करने की आवश्यकता महसूस होती है।

मुफ्त योजनाओं में न केवल चुनाव-पूर्व अव्यवहारिक वादे शामिल हैं, बल्कि सरकार द्वारा नागरिकों के प्रति अपने संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रदान की जाने वाली कई सेवाएं भी शामिल हैं, जैसे मुफ्त बिजली, मुफ्त राशन, मुफ्त में पैसे आदि। मिड-डे मील योजना को सर्वप्रथम 1956 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. कामराज द्वारा शुरू किया गया था और फिर एक दशक बाद इसे राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में अपनाया गया। एनटी रामाराव द्वारा आंध्र प्रदेश में 2 रुपये प्रति किलो चावल उपलब्ध कराने का वादा ही वर्तमान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम का मूल स्वरूप है। तेलंगाना के रायथु बंधु और ओडिशा के कालिया किसान सम्मान निधि के अग्रदूत थे।

चूंकि अपेक्षाकृत कम विकास स्तर वाले राज्यों में गरीबी में रहने वाली आबादी का प्रतिशत अधिक होता है, इसलिए ऐसे मुफ्त संसाधन इन राज्यों में निम्न वर्गों के उत्थान के लिए अधिक उपयोगी साबित होते हैं। लेकिन मुफ्त उपहारों के नकारात्मक प्रभाव को देखें तो मुफ्त सेवाओं के कारण अंततः सार्वजनिक व्यय पर अत्यधिक और अनावश्यक बोझ पड़ता है, और राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है क्योंकि अधिकांश भारतीय राज्य खराब वित्तीय स्थिति से जूझ रहे हैं और उनके पास सीमित राजस्व संसाधन हैं। उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में कमी करने के परिणामस्वरूप, सरकार आंतरिक राजकोषीय संतुलन बनाए रखने के लिए औद्योगिक और वाणिज्यिक अनुबंधों में अत्यधिक शुल्क लगाती है। इसके परिणामस्वरूप, बढ़ते उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो जाती है, जिससे औद्योगिक विकास धीमा हो जाता है और वाणिज्यिक कीमतों में वृद्धि होती है। इसलिए, यह मायने नहीं रखता कि लाभार्थियों के लिए मुफ्त सुविधाएं कितनी सस्ती हैं, बल्कि यह मायने रखता है कि लंबे समय में वे अर्थव्यवस्था, जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक एकता के लिए कितनी महंगी साबित होती हैं। इस पर संसद में रचनात्मक बहस और चर्चा करना कठिन है क्योंकि मुफ्तखोरी की संस्कृति का प्रभाव प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हर राजनीतिक दल पर पड़ता है। इसलिए, उपाय सुझाने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप आवश्यक है। लोगों को मुफ्त उपहार देने की बजाय उन्हें उपयोगी कौशल प्रदान करना हमेशा बेहतर होता है। हालांकि, बुनियादी आवश्यकताओं में दी जाने वाली सब्सिडी, जैसे कि छोटे बच्चों को मुफ्त शिक्षा देना और स्कूलों में मुफ्त भोजन उपलब्ध कराना, काफी सकारात्मक दृष्टिकोण है। यदि राजनीतिक दल प्रभावी आर्थिक नीतियों को अपनाते हैं, जिनमें कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच लक्षित आबादी तक अच्छी तरह से हो, तो बुनियादी ढांचा और विकास अपने आप हो जाएगा और लोगों को इस तरह की मुफ्त सुविधाओं की आवश्यकता नहीं होगी।

दिल्ली-पेरिस सपनों की उड़ान

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत और फ्रांस ने 1947 में ही भारत की स्वतंत्रता के तुरंत बाद राजनयिक संबंध स्थापित कर लिए थे। वर्ष 1998 में शुरू हुई फ्रांस के साथ रणनीतिक साझेदारी भारत की किसी पश्चिमी देश के साथ पहली और फ्रांस की यूरोपीय संघ से बाहर पहली साझेदारी थी। इस रणनीतिक साझेदारी में दोनों देशों का दृष्टिकोण शामिल रहा जिसके तहत वे मजबूत द्विपक्षीय सहयोग के माध्यम से अपनी-अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ाना चाहते थे। रक्षा एवं संरक्षा, नागरिक परमाणु मामले और अंतरिक्ष इस रणनीतिक सहयोग के प्रमुख स्तम्भ रहे। अब इस साझेदारी का विस्तार काफी व्यापक हो चुका है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुम्बई में दोनों देशों के रिश्तों को स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप की और ऊंची उड़ान पर ले जाने का ऐलान किया। दोनों देश अब एक ऐसी ताकत बन गए हैं जो ग्लोबल आर्डर को बदलने की ताकत रखते हैं। दोनों देशों की दोस्ती अब समंदर की गहराइयों से लेकर आसमान की ऊंची उड़ान तक विस्तार पा चुकी है। भारत और फ्रांस में राफेल से लेकर पनडुब्बी निर्माण समेत 21 समझौते हुए हैं। मैक्रों की यह यात्रा केवल आपसी संबंध बढ़ाने तक सीमिति नहीं है।

यह भारत की उस खोज को दर्शाती है जिसे बहुध्रुवीय पश्चिम कहा जा सकता है। यूरोप को अब केवल वाशिंगटन का सहयोगी या अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता के मैदान में एक निष्क्रिय खिलाड़ी के रूप में नहीं देखा जाता है। यह अपने आप में एक महत्वपूर्ण वैश्विक शक्ति है जो भारत के आर्थिक और तकनीकी परिवर्तन में योगदान देने के साथ-साथ दिल्ली के लिए विदेशों में अपनी रणनीति को व्यापक बनाने में सक्षम है। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि रूस और चीन द्वारा इसे अपनी कूटनीति का मुख्य विषय बनाने से बहुत पहले ही फ्रांस बहुध्रुवीय विश्व के पक्ष में राजनीतिक सक्रियता के शुरुआती समर्थकों में से एक था।

पेरिस ने लगातार यूरोपीय रणनीतिक स्वायत्तता की वकालत भी की है। इस साझा शब्दावली ने दिल्ली और पेरिस के बीच कुछ हद तक सहजता का माहौल बनाया है। डिफेंस के क्षेत्र में भारत और फ्रांस का साथ अब तक का सबसे सफल मॉडल रहा है। साझा बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि अब सहयोग सिर्फ खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं रहेगा। अब फोकस को-डिजाइन, को-डेवलपमेंट और को-प्रोडक्शन पर होगा। सबसे बड़ी खबर यह है कि दोनों देशों ने जेट इंजन और हेलीकॉप्टर इंजन के लिए बड़े स्तर पर हाथ मिलाया है। 26 राफेल-मैरीन फाइटर जेट्स के कॉन्ट्रैक्ट की पुष्टि के साथ ही अब फाइटर एयरक्राफ्ट इंजन बनाने की दिशा में भी बात आगे बढ़ी है।

सैफरन ग्रुप और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड मिलकर इंडियन मल्टी रोल हेलीकॉप्टर के लिए इंजन विकसित करेंगे। इतना ही नहीं, भारत में राफेल विमानों में लगने वाले एम-88 इंजन की मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल सुविधा भी स्थापित की जाएगी। टाटा और एयरबस मिलकर 'मेक इन इंडिया' के तहत एच-125 फाइनल असेंबली लाइन शुरू कर चुके हैं। यह प्राइवेट सेक्टर में हेलीकॉप्टर बनाने की भारत की पहली ऐसी सुविधा है। वहीं, स्कॉर्पीन पनडुब्बी प्रोग्राम की सफलता को आगे बढ़ाते हुए नई पनडुब्बियों के निर्माण पर भी सहमति बनी है।

फ्रांस ने भारत के पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर में भी अपनी गहरी रुचि दिखाई है। इसका मतलब है कि भविष्य में भारत के हथियार फ्रांस की सेना की भी ताकत बन सकते हैं। यद्यपि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों पर दबाव डालते रहते हैं और पश्चिमी जगत पर अपना वर्चस्व कायम करना चाहते हैं। इसके बावजूद दिल्ली और पैरिस की साझेदारी अमेरिका के विरोध में न होकर एक अपना नया मार्ग तलाशना है। यह फ्रांस की भू राजनीतिक सोच में परिवर्तन का संकेत देता है। इमैनुएल मैक्रों ने दिल्ली में चल रहे एआई ग्लोबल समिट में भी भाग लिया। एआई में अभी तक अमेरिका और चीन का वर्चस्व है।

अमेरिका के कार्पोरेट सैक्टर और चीन के सत्ता नियंत्रण के बीच भारत-फ्रांस एक ऐसे एआई ढांचे का विकास चाहते हैं जो संप्रभुता की रक्षा करते हुए नवाचार को प्रोत्साहित करें। भारत के पास यूरोप और अन्य देशों के साथ एआई में काम करने की काफी संभावनाएं मौजूद हैं। यही कारण है कि भारत फ्रांस ने आगे बढ़कर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस क्षेत्र में समझौता किया है। प्रधानमंत्री मोदी और मैक्रों ने एक सुरक्षित और भरोसेमंद एआई बनाने पर जोर दिया है जो मानव के काम आए। आतंकवाद, हिन्द प्रशांत क्षेत्र के मुद्दे पर भी फ्रांस और भारत के विचार एक समान हैं। भारत प्रशांत क्षेत्र में दोनों देश नियम आधारित व्यवस्था चाहते हैं।

इसका सीधा अर्थ यह है कि दक्षिणी चीन सागर और हिन्द महासागर में चीन की दादागिरी नहीं चलने दी जाएगी। फ्रांस ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का पुरजोर समर्थन किया है। मैक्रों ने भारतीय लोगों और छात्रों के लिए वीजा फ्री ट्रांजिट की सुविधा की घोषणा की है। फ्रांस ने 2030 तक 30 हजार भारतीय छात्रों को बुलाने का लक्ष्य रखा है। यह दोस्ती तकनीकी सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के हर मोर्चे पर भारत को ताकतवर बनाने की क्षमता रखती है। भारत राजनीतिक रूप से फ्रांस के साथ एक स्थिर और प्रगतिशील साझेदारी का निर्माण कर सकता है। इससे पूरी दुनिया में ग्लोबल आर्डर को नई दिशा मिल सकती है।

जीवन धारा

व्यक्तित्व एक बहती हुई नदी की तरह है, जो भविष्य के सागर की ओर बढ़ने के लिए व्याकुल है

लव गौर

मानवीय चेतना की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति अतीत की बेड़ियों को तोड़कर स्वयं के निरंतर नवनिर्माण में निहित है। हमारा व्यक्तित्व बीती हुई घटनाओं का कोई जड़ संग्रह नहीं है, जो हमें पीछे खींचती हैं। यह तो एक बहती हुई नदी की तरह है, जो भविष्य के सागर की ओर बढ़ने के लिए व्याकुल है। हमारे अस्तित्व का वास्तविक सार इस बात में नहीं छिपा है कि हम अतीत में क्या थे, बल्कि इसमें है कि हम आने वाले समय में क्या बनने की आकांक्षा रखते हैं। जब हम यह समझ लेते हैं कि वर्तमान की प्रेरणाएं अतीत की विवशताओं की मोहताज नहीं हैं, तो हर नया सवेरा हमें अपने जीवन का उद्देश्य पुनः परिभाषित करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

स्वयं को फिर से गढ़ने की यह शक्ति हमारे भीतर के उस केंद्र से उपजती है, जिसे हम अपना 'स्व' कहते हैं। एक परिपक्व और विकसित व्यक्तित्व की पहचान यही है कि वह अपनी तात्कालिक और स्वार्थी जरूरतों से ऊपर उठकर अपना विस्तार करता है। इसका अर्थ यह है कि जब हम स्वयं को अपनी व्यक्तिगत उत्तरजीविता से बड़े किसी लक्ष्य, चाहे वह कला का सृजन हो, समाज की सेवा हो या किसी मानवीय मिशन के प्रति समर्पण, में झोंक देते हैं, तब हम जीवन की वास्तविक समृद्धि का स्वाद चख पाते हैं।

हृदय का यह विस्तार हमारे आंतरिक मूल्यों और बाहरी जगत के बीच एक ऐसा अटूट सेतु बनाता है, जो जीवन को सार्थकता, परिपक्वता और गहराई प्रदान करता है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण जीवन का वह एकीकृत दर्शन है, जो हमारे मूल्यों को एक सुसंगत ढांचे में पिरो देता है। यह दर्शन हमारे भीतर एक दिशा-सूचक यंत्र की तरह कार्य करता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि हमारे निर्णय केवल परिस्थितियों या शारीरिक प्रवृत्तियों की प्रतिक्रिया मात्र न हों, बल्कि हमारे आंतरिक सत्य का प्रतिबिंब हों। एक संतुलित व्यक्तित्व वही है, जो स्वयं को गहरी अंतर्दृष्टि और एक स्वस्थ विनोद भाव के साथ देख सके। यह क्षमता हमें पंगु होने से बचाती है और हमें एक हल्के, पर अडिग मन के साथ अपने आदर्शों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

मानव स्वभाव की सबसे बड़ी विशेषता उसका विकास की ओर उन्मुख होना और असीमित संभावनाओं से भरा होना है। व्यक्तित्व विकास कभी न खत्म होने वाली एक ऐसी प्रक्रिया है, जहां वास्तविक आनंद किसी मंजिल पर ठहर जाने में नहीं, बल्कि स्वयं के निरंतर परिष्कार और सुधार में पाया जाता है। अपनी विशिष्टता को सम्मान देकर और अपने चुने हुए मूल्यों पर अडिग रहकर, हम अपने जीवन को अखंडता की एक उत्कृष्ट कृति बना सकते हैं। इसी प्रकाश में, हर चुनौती हमारे लिए विकास का एक निमंत्रण बन जाती है और हर नया दिन वह कैनवास, जिस पर हम अपने सबसे प्रामाणिक स्वरूप को उकेर सकते हैं।

सूत्र- लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें- जब आप अपने 'स्व' को व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठाकर किसी महान लक्ष्य के प्रति समर्पित करते हैं, तो आपका चरित्र अपने आप निखरने लगता है। आत्मस्वीकार, अंतर्दृष्टि और विनम्रता ही आपको संतुलित बनाते हैं, जबकि करुणा, न्याय और जिज्ञासा आपके चरित्र को ऊंचाई प्रदान करते हैं।

मध्यप्रदेश के कर्ज का मर्ज : विकास, दबाव और भविष्य की राह

भूपेन्द्र गुप्ता
लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं

किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत को समझने के लिए उसके कर्ज और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के अनुपात को एक अहम पैमाना माना जाता है। मध्यप्रदेश भी पिछले दो दशकों में कर्ज के उतार-चढ़ाव से गुजरता रहा है। आज जब राज्य का कुल कर्ज लगभग पाँच लाख करोड़ रुपये से अधिक के स्तर पर पहुँच चुका है, तब यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या यह कर्ज विकास का साधन है या वित्तीय दबाव का संकेत।

साल 2003-04 के आसपास मध्यप्रदेश की स्थिति अपेक्षाकृत कठिन मानी जाती थी। उस समय राज्य का ऋण-जीडीपी अनुपात लगभग 36 प्रतिशत के आसपास था। सीमित राजस्व, अधिक ब्याज भुगतान और आर्थिक वृद्धि की धीमी गति के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति पर दबाव था। शुरुआती दशक में राज्य को वित्तीय अनुशासन लागू करने और राजकोषीय सुधारों की जरूरत महसूस हुई। इसके बाद राजकोषीय उत्तरदायित्व कानून और बेहतर वित्तीय प्रबंधन के मधमोहन सरकार के प्रयासों ने धीरे-धीरे असर दिखाया।

2005 से 2020 के बीच का समय मध्यप्रदेश के लिए अपेक्षाकृत संतुलन का दौर कहा जा सकता है। इस अवधि में राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी और जीएसडीपी का आकार बड़ा हुआ। परिणामस्वरूप ऋण-जीडीपी अनुपात कमलनाथ सरकार मे् घटकर 2020 लगभग 25 प्रतिशत के आसपास आ गया, जो वित्तीय दृष्टि से अपेक्षाकृत सुरक्षित स्तर माना जाता है। यह गिरावट इस बात का संकेत थी कि आर्थिक वृद्धि की गति कर्ज की वृद्धि से अधिक रही। उस समय राज्य की वित्तीय स्थिति को सुधार की दिशा में माना गया।

हालांकि कोविड-19 महामारी के बाद आर्थिक परिदृश्य बदल गया। स्वास्थ्य खर्च, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, बुनियादी ढाँचे पर निवेश और बिजली क्षेत्र से जुड़ी देनदारियों ने राज्य के कुल कर्ज को तेजी से बढ़ाया। हालिया अनुमानों के अनुसार मध्यप्रदेश का कुल कर्ज करीब 5.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है और ऋण-जीडीपी अनुपात लगभग 30-31 प्रतिशत के आसपास माना जा रहा है। यह स्तर 2004 के मुकाबले कम जरूर है, लेकिन 2020 की तुलना में अधिक है। यानी राज्य फिर से मध्यम स्तर के कर्ज दबाव की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है।

कर्ज को हमेशा नकारात्मक नजरिए से देखना सही नहीं होता। यदि उधार लेकर सड़कों, सिंचाई, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निवेश किया जाए तो यह भविष्य की आर्थिक वृद्धि का आधार बन सकता है। मध्यप्रदेश में पिछले वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक योजनाओं पर खर्च बढ़ा है, जिससे विकास की संभावनाएँ मजबूत होती हैं। लेकिन दूसरी ओर, बढ़ता कर्ज ब्याज भुगतान का बोझ भी बढ़ाता है। बजट का एक बड़ा हिस्सा यदि सिर्फ पुराने कर्ज की अदायगी में चला जाए तो नए विकास कार्यों के लिए संसाधन सीमित हो जाते हैं।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो मध्यप्रदेश की स्थिति कुछ अत्यधिक कर्जग्रस्त राज्यों से बेहतर है, फिर भी महाराष्ट्र या कर्नाटक जैसे अपेक्षाकृत कम कर्ज वाले राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश की स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण कही जा सकती है। इसका अर्थ यह है कि राज्य को संतुलित वित्तीय रणनीति अपनाने की जरूरत है, ताकि विकास भी जारी रहे और कर्ज का बोझ अनियंत्रित न हो।

भविष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि राज्य अपने राजस्व स्रोतों को मजबूत करे। औद्योगिक निवेश बढ़ाना, कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना और सेवा क्षेत्र का विस्तार करना ऐसे कदम हैं, जिनसे जीएसडीपी तेजी से बढ़ सकती है। यदि अर्थव्यवस्था का आकार तेज गति से बढ़ता है तो कर्ज-जीडीपी अनुपात स्वतः नियंत्रित रह सकता है। साथ ही, अनुत्पादक खर्चों पर नियंत्रण और दीर्घकालीन वित्तीय योजना भी आवश्यक है।जिसकी उपेक्षा की कीमत आम नागरिक को चुकानी है।

अंततः कहा जा सकता है कि मध्यप्रदेश का कर्ज पूरी तरह संकट का संकेत नहीं है, लेकिन यह एक ऐसा मर्ज जरूर है जिसे संतुलित नीति और मजबूत आर्थिक वृद्धि से ही नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि 7 फीसदी के अनुमानित ग्रोथ माडल के सामने लगभग 10 प्रतिशत ब्याज भुगतान की चुनौतियां हैं फिर भी पिछले बीस वर्षों का अनुभव बताता है कि सही वित्तीय प्रबंधन से कर्ज के बोझ को कम किया जा सकता है। अब जरूरत है कि राज्य विकास और वित्तीय अनुशासन के बीच संतुलन बनाते हुए नारों से आगे बढ़े, ताकि आने वाले वर्षों में कर्ज विकास की ताकत बने, बोझ नहीं।

भारत के लिए बड़ा सबक है गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद

संतोष कुमार पाठक

20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 के लगभग वैश्विक एआई अग्रणी भारत की राजधानी दिल्ली में अपनी तरह के पहले वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी नई भूमिका की तलाश कर रहा भारत, दुनिया के सबसे बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इवेंट %इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026% की मेजबानी कर रहा है। यह पहली बार है जब एआई पर इस स्तर का वैश्विक सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित किया जा रहा है। सरकार ने इसे लेकर दावा भी किया है कि इस शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख, मंत्रीगण, वैश्विक प्रौद्योगिकी अग्रणी, प्रख्यात शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थान और उद्योग जगत के हितधारक एक साथ आएंगे और समावेशी विकास को बढ़ावा देने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे।

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता। क्योंकि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 वैश्विक एआई एजेंडा को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है।

दुनियाभर के दिग्गजों के साथ-साथ इस समिट में भारत के भी कई विश्विद्यालय, कॉलेज और स्टार्टअप्स शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तो एआई को 5वीं औद्योगिक क्रांति की संज्ञा देते हुए यहां तक दावा किया कि, 3 लाख से ज़्यादा छात्रों और रिसर्चर्स ने रजिस्ट्रेशन किया है। देशभर के कई विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्टार्टअप ने समिट में एआई मॉडल्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। जाहिर सी बात है कि इस समिट के जरिए जहां चर्चा भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता और टैलेंट की होनी चाहिए थी, वहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने पूरी दुनिया के सामने भारत को शर्मसार कर दिया है। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन में बने रोबोट को अपना इनोवेशन बताकर दिल्ली एआई समिट में पेश कर दिया। मीडिया से बात करते हुए एक प्रोफेसर ने बड़े ही गर्व के साथ चार पैरों वाले इस रोबोडॉग की खासियत भी कैमरे पर बताई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की इस प्रतिनिधि के हाव-भाव देखने लायक है इसका नाम ओरियन बताते हुए उन्होंने दावा किया कि इसे यूनिवर्सिटी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने तैयार किया है। सरकारी चैनल

सहित देश के कई मीडिया संस्थानों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर जोर-शोर से चलाया और छापा भी। लेकिन चीन की तरफ से बयान आते ही पूरा मामला पलट गया। इसके बाद यह पता लगा कि वास्तव में यह गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा नहीं बल्कि चीन की एक कंपनी द्वारा बनाया गया एआई-पावर्ड रोबोटिक डॉग है, जो अपनी फुर्ती और एडवांस सेंसर्स के लिए दुनियाभर में मशहूर है।

विवाद बढ़ने और सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल होने के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने भी अपने झूठ को स्वीकार कर लिया। यूनिवर्सिटी ने एक लंबा चौड़ा बयान जारी कर यह स्वीकार किया कि यह रोबोडॉग उन्होंने नहीं बनाया है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने एक बार फिर से झूठ का सहारा लेते हुए यह भी कह दिया कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने इसे बनाने का दावा नहीं किया। जबकि उनके प्रोफेसर का वायरल वीडियो ही उनके झूठ का पर्दाफाश कर रहा है। ऐसे में एक बार फिर से सरकार के विजन, नीति और फंड की व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े हो गए हैं। सरकार प्राइवेट विश्विद्यालय और कॉलेजों के सहारे देश में नई, बड़ी और स्पेशल रिसर्च नहीं करवा सकती क्योंकि इनकी भूमिका और इनके कामकाज का पूरा ढांचा ही संदिग्ध है। एडमिशन से लेकर क्लास और शिक्षा की गुणवत्ता पर भी कई बार गहरे सवाल खड़े हो चुके हैं। भारत सरकार रिसर्च, इनोवेशन और पेटेंट फाइल करने के नाम पर निजी विभविद्यालयों को जो मोटा फंड देती है, उसकी न्यायिक जांच करवाने का भी समय आ गया है। दरअसल, यह बिल्कुल सही समय आ गया है कि सरकार पहले की तरह सरकारी स्कूल, कॉलेज और विश्विद्यालयों में शिक्षा हासिल कर रही प्रतिभाओं को हर तरह से उभारने में मदद करें। इन संस्थानों में फीस और लालफीताशाही दोनों कम होनी चाहिए, जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और करप्शन पर हर हाल में लगाम होनी चाहिए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं

आखिर जातीय, धार्मिक व क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने वाली लोकतांत्रिक प्रवृत्ति पर कैसे पाएंगे काबू

कमलेश पांडे

दुनिया को वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देने वाला जनतांत्रिक भारत आज जातीय, धार्मिक और क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने वाली ब्रितानी व मुगलिया सियासत के चक्रव्यूह में फंसा पड़ा है। इससे सर्वे भवंतु सुखिन:, सर्वे संतु निरामया जैसी उसकी उदात्त सोच भी कठघरे में खड़ी प्रतीत हो रही है। यहां की प्रतिभाशाली और प्रभुत्ववाली सामान्य जातियों (सवर्णों) के खिलाफ देश में जो लक्षित पूर्वाग्रही राजनीति कथित दलित-ओबीसी नेताओं के द्वारा की जा रही है, उससे देश व समाज के सामने विभिन्न नैतिक व वैधानिक सवाल उठ खड़े हुए हैं! हैरत की बात है कि सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की जगह बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के नारे लगाए जाते हैं। कहीं जाति, कहीं धर्म और कहीं भाषा-क्षेत्र के नाम पर लोगों के उत्पीड़न हो रहे हैं। वहीं कहीं सामाजिक न्याय आधारित आरक्षण और साम्प्रदायिक सोच आधारित अल्पसंख्यकवाद के अव्यवहारिक पहलुओं को हवा देकर आमलोगों को उल्लू बनाया जा रहा है। आलम यह है कि ऐसे करने वाले नेता, उनके हमकदम मस्त हैं, जबकि आमलोग त्रस्त हैं।

हद तो यह कि हमारे संविधान के संरक्षक अनर्गल दलीलें देकर मानवता की गला घोंट रहे हैं, जबकि यही प्रवृत्ति कतिपय संविधान निर्माताओं में भी दिखी थी। वहीं आज के कथित रखवाले जन्मांध धृतराष्ट्र की भूमिका निभा रहे हैं इनके जैसे ही नेताओं की खामोशी से जहां 1947 में साम्प्रदायिक विभाजन हुआ, वहीं इनके षडयंत्र से आजादी के बाद से ही जातीय, क्षेत्रीय व नवसंप्रदायिक विभाजन की प्रवृत्ति हावी होती दिख रही है, जो आज भी जारी है। ऐसे में एक और महाभारत छिड़ना तय है। पुन: विभाजन होना तय है। इतिहास साक्षी है कि जब कभी भी महाभारत होता है तो संख्याबल पर बुद्धिबल ही भारी पड़ती है और आगे भी यही होगा।

कहना न होगा कि कोई भी लोकतंत्र स्वतंत्रता, समानता व बन्धुत्व की बुनियाद पर मजबूत होता है, लेकिन जब बहुमत की सियासी शरारत शुरू हो जाए और वामपंथियों के वर्गवादी राजनीति को मात देने के लिए पूंजीवादी प्रभाव वश जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र की सियासत तेज हो जाए तो देर सबेर राष्ट्र राज्य का बिखरना तय होता है। इसलिए इनसे जुड़े राजनीतिक हथकंडों और उन्हें शह देने वाले संवैधानिक प्रावधानों को यदि समय रहते ही नहीं बदला गया तो बाद में इन्हें नियंत्रित करना आसान नहीं होगा!

ऐसा इसलिए कि जातिवादी कैंसर, सांप्रदायिक एड्स और क्षेत्रवादी तपेदिक (टीबी) से शांतिप्रिय व सहनशील भारतीय समाज सदियों से ग्रसित है, लेकिन बीती सदी में इन्हें एक कानूनी स्वरूप देकर स्थिति को जटिल चुनौती बना दी गई है। किसी समूह के इतिहास को साक्षी मानकर उनके वर्तमान को रौंदने की जो सियासी प्रवृत्ति भारत में हावी है, उससे सामान्य व कथित सवर्ण जातियों में भारी रोष व्याप्त है।

इसलिए समावेशी संवैधानिक प्रावधानों, हिंसा-प्रतिहिंसा पर समान कानूनी सख्ती और सामाजिक जागरूकता के संयोजन से ही अब इस जटिल स्थिति से निबटना संभव है, लेकिन हमारी सियासी सोच इसके विपरीत है। वह आज भी विदेशी फूट डालो, शासन करो पर केंद्रित है। लिहाजा, कतिपय कानूनी उपाय अपेक्षित हैं। पहले चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों और नेताओं के भाषणों पर सख्त निगरानी रखनी चाहिए, तथा [illegible] की धारा 153 (समूहों के बीच शत्रुता फैलाना), 295 (धार्मिक भावनाएं ठेस पहुंचाना) और प्रतिनिधित्व ऑफ पीपल एक्ट की धारा 123(3) के तहत तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही मौजूदा कानूनों को और सख्त बनाकर, जैसे नफरत भरी भाषा पर त्वरित गिरफ्तारी और पार्टी मान्यता रद्द करने का प्रावधान जोड़ना, ऐसे हथकंडों पर अंकुश लग सकता है।

लगे हाथ संस्थागत सुधार के लिए भी समवेत कदम उठाने होंगे। खासकर राजनीतिक दलों को टिकट वितरण और मंत्रिमंडल गठन में जाति-धर्म आधारित समीकरणों से ऊपर उठना होगा, जबकि चुनाव सुधारों के जरिए आंतरिक लोकतंत्र सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, सोशल मीडिया पर घृणा फैलाने वाले एआई-जनरेटेड कंटेंट और प्रचार पर सख्त नियंत्रण लगाया जाए, जैसा कि हालिया चुनावी दौर में देखा गया।

वहीं, सामाजिक व शैक्षिक प्रयास से भी इस स्थिति से निबटा जा सकता है। विशेष कर शिक्षा प्रणाली में समावेशी पाठ्यक्रम लागू कर नई पीढ़ी को जाति-धर्म से ऊपर उठने की प्रेरणा दी जाए, तथा धर्मगुरुओं और सामाजिक नेताओं पर निगरानी रखी जाए। मतदाताओं को जागरूक अभियान चलाकर वोटिंग में योग्यता और नीतियों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि विभाजनकारी रणनीतियां अप्रभावी हो जाएं।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने भी दो टूक शब्दों में कहा है कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाने का काम करना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने स्पष्ट कहा कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाने का काम करना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि गाइडलाइन बनने पर भी उनका पालन कौन करेगा, क्योंकि भाषण विचारों से उत्पन्न होते हैं और इन्हें नियंत्रित करना कठिन है। कोर्ट ने संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर जोर दिया, साथ ही राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी पर भी इशारा किया।

जस्टिस बागची ने कहा कि हेट स्पीच पर पहले से सिद्धांत बने हैं, लेकिन आदेश लागू करना चुनौतीपूर्ण है। कोर्ट ने जहरीले सामाजिक माहौल की चिंता स्वीकारी, लेकिन चुनिंदा नेताओं को टारगेट करने के बजाय व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी। दरअसल याचिकाकर्ताओं ने नेताओं और संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के भाषणों को हेट स्पीच से रोकने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश बनाने की मांग की थी।

याचिका में दो प्रमुख दिशानिर्देश मांगे गए थे। पहला, संवैधानिक पदों या सार्वजनिक कार्यालयों पर बैठे लोगों के भाषण संवैधानिक नैतिकता के अधीन हों और दूसरों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन न करें। दूसरा, इन पदधारकों के सार्वजनिक भाषणों को नियंत्रित करने के लिए बिना पूर्व सेंसरशिप के दिशानिर्देश जारी किए जाएं, ताकि संवैधानिक मूल्यों का पालन सुनिश्चित हो।

उल्लेखनीय है कि यह जनहित याचिका 12 पूर्व नौकरशाहों, राजनयिकों और सिविल सोसायटी सदस्यों द्वारा दायर की गई थी। इसमें असम सीएम हिमंत बिस्व सरमा, उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश सीएम योगी आदित्यनाथ जैसे नेताओं के कथित नफरती बयानों का हवाला दिया गया। हालांकि कोर्ट ने इसे पक्षपाती मानते हुए नई व्यापक याचिका दायर करने को कहा। जिसमें अन्य नेताओं की टिप्पणियों का भी उल्लेख हो।

बता दें कि गत 16 फरवरी 2026 को चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस जयमाल्य बागची की बेंच ने रूप रेखा वर्मा समेत 12 याचिकाकर्ताओं की याचिका पर विचार किया। जिसमें नेताओं और मीडिया के लिए हेट स्पीच व भाषणों पर दिशानिर्देश बनाने की मांग थी, खासकर असम सीएम हिमंत बिस्व सरमा के कथित बयानों के संदर्भ में। लेकिन कोर्ट ने मौजूदा याचिका पर सुनवाई से इनकार कर नई याचिका दायर करने को कहा।

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

कंसर्ट की भीड़ से लेकर तेल के कुओं तक... क्या इंसान भी ला सकते हैं भूकंप

नई दिल्ली

भूकंप आमतौर पर धरती के अंदर मौजूद फॉल्ट लाइनों (दरारों) में होने वाली प्राकृतिक हलचल से आते हैं। लेकिन कुछ खास परिस्थितियों में इंसानी गतिविधियां भी जमीन में कंपन पैदा कर सकती हैं। वैज्ञानिक प्राकृतिक टेक्टोनिक भूकंप और इंसानों द्वारा उत्पन्न कंपन (इंड्यूस्ड भूकंप) के बीच फर्क करते हैं।

खनन, बड़े जलाशयों को भरना या जमीन के अंदर तरल पदार्थ इंजेक्ट करना जैसी गतिविधियां छोटे भूकंपीय झटके पैदा कर सकती हैं। ज्यादातर ऐसे झटके बहुत हल्के होते हैं और किसी तरह का नुकसान नहीं करते। हालांकि कुछ इलाकों में औद्योगिक गतिविधियों से अपेक्षाकृत तेज झटके भी दर्ज किए गए हैं।

पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसे भूकंप क्यों और कैसे आते हैं, और क्या इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। सवाल यह नहीं है कि इंसान जमीन को हिला सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि यह कितना बड़ा असर डाल सकता है और इसे कितना नियंत्रित किया जा सकता है।

भीड़ भी पैदा कर सकती है हल्का कंपन

अमेरिका के सिएटल शहर में एक कंसर्ट के दौरान पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट के शो में हजारों प्रशंसकों के एक साथ कूदने-नाचने से जमीन में कंपन दर्ज हुआ। यह कंपन करीब 2.3 तीव्रता के भूकंप जैसा माना गया। ऐसी जानकारी द वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दी गई थी। वैज्ञानिकों के अनुसार जब बड़ी संख्या में लोग एक साथ उछलते हैं तो उनकी ऊर्जा जमीन में तरंगों के रूप में फैलती है। हालांकि 2.3 तीव्रता का झटका बहुत छोटा माना जाता है। इसे केवल आसपास ही महसूस किया जा सकता है और इससे किसी तरह का नुकसान नहीं होता। यह कंपन अस्थायी होता है और इसमें धरती की गहरी फॉल्ट लाइनें शामिल नहीं होतीं।

जमीन के नीचे तरल इंजेक्शन से असली भूकंप

ज्यादा गंभीर मामले तेल और गैस उद्योग से जुड़े पाए गए हैं। मैसाचुसेट्स की तकनीकी संस्था के वैज्ञानिकों ने इटली के एक तेल क्षेत्र का अध्ययन किया। तेल कंपनियां जब अपशिष्ट पानी को जमीन के बहुत नीचे इंजेक्ट करती हैं, तो वहां दबाव बढ़ता है। अगर यह दबाव पहले से मौजूद फॉल्ट लाइन पर असर डालता है, तो चट्टानें खिसक सकती हैं और ऊर्जा निकलने से भूकंप आ सकता है। ऐसे मामले अमेरिका के कुछ हिस्सों और दक्षिणी इटली में देखे गए हैं, जहां ज्यादा मात्रा में इंजेक्शन के बाद भूकंपों की संख्या बढ़ी।

अध्ययन में पाया गया कि जब रोजाना इंजेक्शन की मात्रा कम की गई, तो भूकंपों की संख्या भी घट गई। पहले जहां सैकड़ों छोटे झटके दर्ज हो रहे थे, वहीं दर घटाने के बाद बहुत कम और हल्के झटके आए।

कंप्यूटर मॉडल और भूगर्भीय आंकड़ों की मदद से वैज्ञानिकों ने यह समझा कि दबाव को धीरे-धीरे और नियंत्रित तरीके से बढ़ाना जोखिम कम कर सकता है। इससे संकेत मिलता है कि मानव-जनित भूकंपों को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते निगरानी और योजना सावधानी से की जाए।

रोकथाम भूगोल और योजना पर निर्भर

प्राकृतिक भूकंपों को रोका नहीं जा सकता, क्योंकि वे धरती की परतों में वर्षों से जमा हो रहे दबाव के कारण आते हैं। लेकिन मानव-जनित झटकों को कम किया जा सकता है, अगर औद्योगिक परियोजनाएं स्थानीय भूगोल को ध्यान में रखकर चलाई जाएं और जमीन के नीचे दबाव में बदलाव को सावधानी से नियंत्रित किया जाए।

विशेषज्ञों का मानना है कि पूरी तरह काम बंद करना ही एकमात्र उपाय नहीं है। सही डेटा, सावधानीपूर्वक योजना और लगातार निगरानी से जोखिम कम किया जा सकता है। जमीन हिल सकती है, लेकिन शायद कम बार।

चंद देशों या धनाढ्यों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता एआई का भविष्य : गुटेरेस

नयी दिल्ली, (वार्ता)

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गुरुवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर सबका अधिकार होना चाहिए और इसका भविष्य कुछ गिनती के देशों या धनाढ्यों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है।

श्री गुटेरेस ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई समिट 2026 के चौथे दिन विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों, प्रौद्योगिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों, विशेषज्ञों, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों और अन्य अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक दक्षिण में एआई शिखर सम्मेलन का पहली बार आयोजन विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा, एआई का भविष्य कुछ गिने-चुने देशों द्वारा तय नहीं किया जा सकता, और न ही इसे कुछ अरबपतियों की इच्छाओं पर छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई का लाभ सभी को मिलना चाहिये और यदि इसे सही ढंग से किया जाये तो यह सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकता है, अन्यथा यह असमानता को और बढ़ा सकता है। एक तरफ यह चिकित्सा में महत्वपूर्ण प्रगति को तेज कर सकता है, शिक्षा के अवसरों का विस्तार कर सकता है, खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ कर सकता है, जलवायु कार्रवाई और आपदा तैयारी को मजबूत कर सकता है और आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में सुधार कर सकता है। उन्होंने कहा, लेकिन यह असमानता को गहरा भी कर सकता है, पक्षपात को बढ़ा सकता है और नुकसान को बढ़ावा दे सकता है। श्री गुटेरेस ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का संदेश सरल है- वास्तविक प्रभाव का अर्थ है ऐसी तकनीक जो जीवन को बेहतर बनाये और पृथ्वी की रक्षा करे। उन्होंने एक ऐसे एआई के निर्माण की अपील की जिसमें गरिमा मूलभूत मानक हो।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने बताया कि पिछले साल संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दो निर्णायक कदम उठाये थे - एआई पर एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल की स्थापना और एआई शासन पर एक वैश्विक डायलॉग की शुरुआत। उन्होंने बताया कि इस पैनल की नियुक्ति हो चुकी है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों और विषयों से आये 40 प्रमुख विशेषज्ञ शामिल हैं। दूसरी तरफ, डायलॉग का पहला सत्र जुलाई में जिनेवा में आयोजित होगा जिसमें प्रत्येक देश और हितधारक अपनी बात रख सकेंगे।

श्री गुटेरेस ने कहा कि निवेश के बिना कई देश एआई युग से बाहर रह जायेंगे। उन्होंने एआई पर एक वैश्विक कोष की स्थापना का आह्वान किया ताकि विकासशील देशों में बुनियादी क्षमता का निर्माण किया जा सके, वहां कौशल, डाटा, किफायती कंप्यूटिंग शक्ति और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा सके। इस कोष में तीन अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, जो एक अकेली प्रौद्योगिकी कंपनी के वार्षिक राजस्व के एक प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि एआई के प्रसार के लिए यह एक छोटी सी कीमत है, जिसका लाभ सभी को मिलेगा।

एआई की ऊर्जा और पानी की बढ़ती मांग के बीच श्री गुटेरेस ने डेटा केंद्रों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को हरित ऊर्जा की ओर ले जाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि इसकी लागत कमजोर समुदायों को न चुकानी पड़े, एआई मानव क्षमता को बढ़ाये न कि उसका स्थान ले और एआई सभी के लिए सुरक्षित हो।

‘गाय को राज्य माता’ और गो-मांस निर्यात प्रतिबंध पर मुख्यमंत्री अब तक मौन : शंकराचार्य

वाराणसी, (वार्ता)। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गुरुवार को कहा कि ‘गाय को राज्य माता घोषित करने’ और ‘गो-मांस निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध’ की उनकी मुख्य मांगों पर 20 दिन बीत जाने के बाद भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है। श्री विद्यामठ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि इन मांगों को लेकर दिया गया 40 दिनों का अल्टीमेटम आधा बीत चुका है, लेकिन सरकार की ओर से ठोस पहल दिखाई नहीं दी। शंकराचार्य ने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा बटुकों के सम्मान से संबंधित टिप्पणी पर कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत भावना हो सकती है। बटुकों पर बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रयागराज की एक घटना को लेकर दोनों उपमुख्यमंत्रियों के बयानों के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा कि वे क्यों बोल रहे हैं और क्या कह रहे हैं, यह वही बेहतर जानते हैं। शंकराचार्य ने आरोप लगाया कि गोवंश की स्थिति पर सरकार की ओर से अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की गोरक्षा के मुद्दे पर चुप्पी और अन्य विषयों पर मुखरता को लेकर संत समाज में सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि 40 दिनों की समय सीमा के 21वें दिन से आंदोलन एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है।

सेब किसानों की समस्या पर अब्दुल्ला से मशविरा करेंगे सुक्खू

शिमला, (वार्ता)

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू विदेशी सेब पर आयात शुल्क में भारी कटौती के मुद्दे पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से महत्वपूर्ण बातचीत करने के लिए गुरुवार को श्रीनगर जाएंगे। मुख्यमंत्री सुक्खू की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हिमाचल प्रदेश की 5,500 करोड़ रुपये से अधिक की सेब अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

यहां करीब 2.5 लाख से अधिक परिवार सेब के कामकाज से जुड़े हुए हैं। हाल ही में केंद्र सरकार के न्यूजीलैंड, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के कारण आयातित सेब पर सीमा शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर अमेरिका और न्यूजीलैंड के लिए 25 प्रतिशत और यूरोपीय देशों के लिए 20 प्रतिशत कर दिया गया है।

केंद्र सरकार के इस फैसले से पहाड़ी राज्यों के सेब किसानों में घबराहट फैल गयी है । इन किसानों को डर है कि सस्ता विदेशी सेब भारतीय बाजारों में भर जाएगा, जिससे हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब की पैदावार वाले क्षेत्रों में संकट और गहरा जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, सर्वश्री सुक्खू और अब्दुल्ला इस मुद्दे को संयुक्त रूप से केंद्र के समक्ष उठाने और सेब किसानों के संरक्षण की मांग पर विचार-विमर्श करेंगे। दोनों नेताओं के बीच राजस्व घाटा अनुदान को बंद करने और पहाड़ी राज्यों के लिए विशेष वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर भी चर्चा होने की संभावना है। गौरतलब है कि हिमाचल में सेब की पैदावार 7-8 टन प्रति हेक्टेयर है, जबकि न्यूजीलैंड में यह 60-70 टन है। यह किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती है। सेब की पैदावार की लागत लगभग 27 रुपये प्रति किलोग्राम है। इस लागत को देखते हुए आदर्श रूप में किसानों को बाजार में कम से कम 50-60 रुपये प्रति किलोग्राम का भाव मिलना अनिवार्य है।

दक्षिण कोरिया में असंवैधानिक तरीके से मार्शल लॉ लगाने वाले पूर्व राष्ट्रपति यून को आजीवन कारावास की सजा

सोल, (वार्ता)

दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल (65) को सत्ता के दुरुपयोग और विद्रोह की साजिश रचने का दोषी पाते हुए गुरुवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह सजा दिसंबर 2024 में उनके मार्शल लॉ लगाने के विवादित प्रयास के दोषी ठहराने के बाद सुनायी गई है। इस मामले में अभियोजन पक्ष ने मौत की सजा की मांग की थी। लेकिन अदालत ने इसे ठुकरा दिया। इससे पहले जनवरी में अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया था कि यून का आपातकालीन मार्शल लॉ लगाने का फैसला असंवैधानिक और नेशनल असेंबली, चुनाव आयोग के कामकाज को बाधित करने वाला था। यह कदम वास्तव में उदार लोकतांत्रिक संवैधानिक व्यवस्था को नष्ट करने का प्रयास था। उल्लेखनीय है कि दक्षिण कोरियाई कानून के तहत विद्रोह की साजिश रचने के लिए अधिकतम सजा मृत्युदंड या आजीवन कारावास का प्रावधान है। यून के वकील ने इन सभी आरोपों से इनकार करते हुए दलील दी कि मार्शल लॉ घोषित करने का राष्ट्रपति का अधिकार था और उनका उद्देश्य सरकार के कामकाज में विपक्षी दलों की ओर से डाली जा रही बाधाओं के प्रति आगाह करना था। वर्तमान में सोल डिटेंशन सेंटर में बंद यून इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं। उन्हें जनवरी में एक अन्य मुकदमे में गिरफ्तारी से बचने के लिए बाधाएं उत्पन्न करने के आरोप में पांच साल की सजा पहले ही मिल चुकी है। यून का मार्शल लॉ लगाने का प्रयास केवल छह घंटे चला था, जिसे संसद ने तुरंत खारिज कर दिया और जनता ने सड़कों पर उतरकर भारी विरोध प्रदर्शन किया। जून में यून के हटने के बाद हुए मध्यावधि चुनाव में जीत हासिल करने वाले उदारवादी राष्ट्रपति ली जे म्योंग ने मार्शल लॉ को विफल करने के लिए जनता के साहस की सराहना की थी।

अगर ईरान ने नहीं मानीं शर्तें तो हमला कर सकता है अमेरिका : रिपोर्ट

वॉशिंगटन, (वार्ता)

ईरान परमाणु वार्ताओं में अगर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मांगों को लगातार खारिज करता रहा तो अमेरिका उसके खिलाफ जल्द ही सैन्य अभियान शुरू कर सकता है। सीएनएन की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, श्री ट्रंप ने अभी तक इस संबंध में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। व्हाइट हाउस को अवगत कराया गया है कि पश्चिमी एशिया में हाल के दिनों में वायु और नौसैनिक संसाधनों की बड़ी तैनाती के बाद अमेरिकी सेना सप्ताहांत तक संभावित हमले के लिए तैयार हो सकती है। एक सूत्र ने यह भी बताया कि श्री ट्रंप निजी तौर पर सैन्य कार्रवाई के पक्ष और विपक्ष दोनों में तर्क दे चुके हैं तथा सर्वोत्तम विकल्प पर सलाहकारों और सहयोगियों से राय ले रहे हैं।

पश्चिमी एशिया में अमेरिका की व्यापक सैन्य तैनाती इस ओर संकेत करती है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ बमबारी अभियान शुरू करने की तैयारी कर सकता है। क्षेत्र में तैनात अमेरिकी सैनिकों की संख्या और संसाधन ऐसे बड़े पैमाने के अभियान के लिए पर्याप्त बताये जा रहे हैं, जो कई सप्ताह तक चल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों में ही अमेरिका ने 50 अतिरिक्त एफ-35, एफ-22 और एफ-16 लड़ाकू विमान क्षेत्र में तैनात किये हैं। इसके अलावा एक और विमानवाहक पोत के क्षेत्र की ओर रवाना होने तथा पहले से सैकड़ों स्ट्राइक, समर्थन और कमांड विमानों की मौजूदगी को देखते हुए यह तैनाती असामान्य मानी जा रही है। पूर्व पेंटागन अधिकारी और अटलांटिक परिषद के सदस्य एलेक्स प्लिट्सस ने इस सैन्य जमावड़े को हाल के दशकों में अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि भूमि-आधारित आक्रमण, विमान, कमान एवं नियंत्रण संसाधन और समुद्र-आधारित प्लेटफॉर्म का ऐसा संयोजन लंबे समय से नहीं देखा गया है। हाल के दिनों में 150 से अधिक सैन्य परिवहन उड़ानों के जरिये हथियार और गोला-बारूद क्षेत्र में पहुंचाया गया है। वहीं, एक्सियोस ने राष्ट्रपति ट्रंप के एक अज्ञात सलाहकार के हवाले से बताया कि आने वाले हफ्तों में ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की संभावना 90 प्रतिशत तक है।

द वॉर ज़ोन ने ओपन-सोर्स उड़ान ट्रैकिंग डेटा के आधार पर बताया कि यू-2 ड्रैगन लेडी टोही विमान, एफ-16 फाइटिंग फाल्कन, एफ-22 रैप्टर लड़ाकू विमान और ई-3 सेंट्री एयरबोर्न अर्ली वार्निंग विमान अटलांटिक पार कर चुके हैं या हाल ही में यूरोप पहुंचे हैं। इसके अनुसार, अमेरिकी केन्द्रीय कमान के क्षेत्र में इस समय 12 अमेरिकी युद्धपोत सक्रिय हैं और पश्चिमी एशिया में विभिन्न ठिकानों पर 30,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड के क्षेत्र में पहुंचने के बाद यह मध्य पूर्व में तैनात दूसरा अमेरिकी विमानवाहक पोत होगा, जिससे अमेरिकी नौसैनिक वायु शक्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मौजूदा तैनाती के साथ श्री ट्रंप बिना जमीनी सेना उतारे बड़े पैमाने पर वायु और नौसैनिक अभियान का आदेश दे सकते हैं। शक्ति प्रदर्शन के बावजूद व्हाइट हाउस का कहना है कि राष्ट्रपति की प्राथमिकता अब भी कूटनीति है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, कूटनीति हमेशा उनकी पहली पसंद है और ईरान के लिए समझौता करना बुद्धिमानी होगी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

कुमार सानू ने हिंदी फिल्म दीप दुर्गा के लिए दिल को छू लेने वाला गाना रिकॉर्ड किया

बॉलीवुड के जानेमाने पार्श्वगायक कुमार सानू ने आने वाली हिंदी फिल्म दीप दुर्गा के लिए एक दिल को छू लेने वाला गाना रिकॉर्ड किया है। प्रिंस अब्दुल सिद्दीकी और आरके ठाकुर निर्मित इस फिल्म में यजुर मारवाह और तान्या मिश्रा जैसे शानदार कलाकार हैं, जो अहम रोल में हैं।

रंगलाल आर निषाद के निर्देशन में बन रही फिल्म दीप दुर्गा एक सोचने पर मजबूर करने वाले धार्मिक और सामाजिक मुद्दे को दिखाती है, जिसे एक नए और रोमांचक तरीके से पेश किया गया है। फिल्म में प्रहवी पाठक, मुस्ताक खान, अजीत पंडित, हेमंत चौधरी, समिधा किरण, खुशबू कमल, साधना गुप्ता, करण ठाकोर, इरफान रजाक खान और राम विश्वकर्मा जैसे कलाकार भी हैं।

जेपी बाबा के बनाये गए फिल्म के संगीत के बोल एसके सचिन ने लिखे हैं। कुमार सानू की इमोशनल आवाज़ गाने में जान डाल देती है, और कहानी में गहराई और बारीकियां जोड़ती है।

दीप दुर्गा के निर्देशक रंगलाल आर निषाद ने कहा, हमें बहुत खुशी है कि कुमार सानू ने हमारी फिल्म में अपनी आवाज़ दी है। यह गाना फिल्म की थीम के लिए एकदम सही है, और हमें यकीन है कि यह दर्शकों को पसंद आएगा।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे पंकज मलिक

भारतीय सिनेमा में पंकज मलिक को एक ऐसी बहुमुखी प्रतिभा के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने अपने अभिनय एवं पार्श्वगायन तथा संगीत निर्देशन से बंगला फिल्मों के साथ ही हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी। पंकज मलिक का जन्म 10 मई 1905 को कोलकाता में एक मध्यम वर्गीय बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता मनमोहन मलिक की संगीत में गहरी रूचि थी और वह अक्सर धार्मिक कार्यक्रमों में अपना संगीत पेश किया करते थे। पंकज मलिक ने कोलकाता के मशहूर स्काटिश चर्च कॉलेज से शिक्षा पूरी की। घर में संगीत का माहौल रहने के कारण पंकज मलिक का रूझान भी संगीत की ओर हो गया और वह संगीतकार बनने का सपना देखने लगे। पिता ने संगीत के प्रति उनके बढ़ते रूझान को पहचान लिया और उन्हें इस राह पर चलने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने दुर्गा दास बंधोपाध्याय और रवीन्द्र नाथ टैगोर के रिश्तेदार धीरेन्द्र नाथ टैगोर से संगीत की शिक्षा ली।

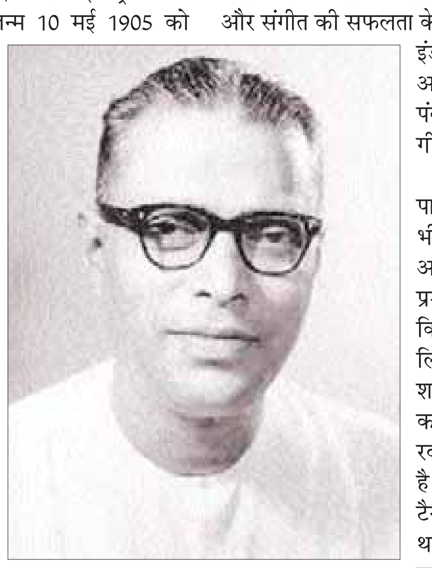

वर्ष 1926 में महज 18 वर्ष की उम्र में कोलकाता की मशहूर कंपनी .वीडियोफोन. के लिये रवीन्द्र नाथ टैगोर के गीत.नीमचे आज प्रथोम बदल. के लिये पंकज मलिक को संगीत देने का अवसर मिला। बाद में उन्होंने टैगोर के कई गीतों के लिये संगीत निर्देशन किया। उन्होंने अपने कैरियर की शुरूआत कोलकाता की इंडियन ब्राडकास्टिंग कंपनी से की। बाद में वह कई वर्षों तक ऑल इंडिया रेडियो से भी जुड़े रहें। वर्ष 1933 में पंकज मलिक न्यू थियेटर से जुड़ गये जहां उन्हें फिल्म .यहूदी की लड़की. में संगीत निर्देशन का मौका मिला। न्यू थियेटर में उनकी मुलाकात प्रसिद्ध संगीतकार आर.सी.बोराल से हुयी जिनके साथ उन्होंने धूप छांव.प्रेसिडेंट. मंजिल और करोड़पति जैसी कई सफल फिल्मों में बेमिसाल संगीत दिया। वर्ष 1936 में प्रदर्शित फिल्म. देवदास. बतौर संगीत निर्देशक पंकज मलिक के सिने कैरियर की महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुयी। शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास पर आधारित इस फिल्म में कुंदन लाल सहगल ने मुख्य भूमिका निभायी थी। पी.सी.बरूआ के निर्देशन में बनी इस फिल्म में भी पंकज मलिक को एक बार फिर से आर.सी.बोराल के साथ काम करने का अवसर मिला। फिल्म और संगीत की सफलता के साथ हीं पंकज मलिक बतौर संगीतकार फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित हो गये। सहगल उनके प्रिय अभिनेता और पार्श्वगायक हो गये। बाद में पंकज मलिक ने कई फिल्मों में सहगल के गाये गीतों के लिये संगीत निर्देशन किया।

पंकज मलिक ने संगीत निर्देशन और पार्श्वगायन के अलावा कुछ फिल्मों में अभिनय भी किया। इनमें मुक्ति. अधिकार. रंजन आंधी. अलोछाया. डॉक्टर और नर्तकी जैसी फिल्में प्रमुख है। इन सबके साथ ही पंकज मलिक ने कई किताबें भी लिखी। इनमें गीत वाल्मीकि. स्वर लिपिका. गीत मंजरी और महिषासुर मर्दनी शामिल है।पंकज मलिक ने टैगोर रचित कई कविताओं के लिये भी संगीत दिया। उनका गुरु रवीन्द्र नाथ टैगोर से जुड़ने का वाकया दिलचस्प है। एक बार उन्हें कॉलेज के किसी कार्यक्रम में टैगोर की एक कविता पर संगीत निर्देशन करना था। जब वह टैगोर से इस बारे में बातचीत करने पहुंचे तो उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। बाद में टैगोर ने अपनी एक कविता .दिनेर शेषे घूमर देशे. पंकज मलिक को सुनाई और उस पर संगीत बनाने को कहा। पंकज मलिक ने तुंरत उस कविता पर संगीत बनाकर टैगोर को सुनाया जिसे सुनकार टैगोर काफी प्रभावित हुए और अपनी कविता पर कॉलेज में संगीत देने के लिये राजी हो गये।

संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुये पंकज मलिक वर्ष 1970 में भारत सरकार की ओर से पद्मश्री से सम्मानित किये गये। वर्ष 1972 में उन्हें फिल्म जगत के सर्वोच्च सम्मान दादा फाल्के पुरस्कार से भी पंकज मल्लिक को सम्मानित किया गया। अपने जादुई संगीत निर्देशन से श्रोताओं के बीच खास पहचान बनाने वाले इस महान संगीतकार ने 19 फरवरी 1978 को इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

एक्सेल एंटरटेनमेंट के सह संस्थापक रितेश सिधवानी को 79वें बाफ्टा अवॉर्ड्स में स्पेशल गेस्ट के तौर पर बुलाया गया

एक्सेल एंटरटेनमेंट के सह संस्थापक रितेश सिधवानी को 2026 के 79वें बाफ्टा फिल्म अवॉर्ड्स में स्पेशल गेस्ट के तौर पर बुलाया गया है। यह बड़ा इवेंट 22 फरवरी, 2026 को लंदन में होने वाला है, जहाँ दुनिया भर के सिनेमा जगत के दिग्गज जुटेंगे।

रितेश सिधवानी इस खास शाम में आलिया भट्ट और रिज अहमद जैसे सितारों के साथ शामिल होंगे। साथ ही वहाँ हॉलीवुड के बड़े नाम जैसे लियोनार्डो डिकैप्रियो, मार्क रॉबिन्सन, माइकल बी. जॉर्डन, सिलियन मर्फी, एडम विलिस, लॉरेन इवांस, ली ग्रूमब्रिज, निकोलस गोंडा और चार्ली नोबल भी मौजूद रहेंगे। यह अवॉर्ड शो दुनिया भर में फिल्मों और कला के बेहतरीन काम को सम्मानित करने के लिए जाना जाता है।

बाफ्टा में उनकी मौजूदगी इस साल और भी खास है क्योंकि एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्म बूंग को बेस्ट चिल्ड्रन्स एंड फैमिली फिल्म कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला है। यह किसी भी भारतीय प्रोडक्शन हाउस के लिए ग्लोबल लेवल पर एक बड़ी कामयाबी है। इससे पता चलता है कि एक्सेल अब सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए बेहतरीन कहानियाँ बना रहा है।

रितेश सिधवानी का इतने बड़े इंटरनेशनल मंच पर जाना यह दिखाता है कि अब दुनिया भर के सिनेमा में भारतीय फिल्म मेकर्स का दबदबा और पहचान बढ़ती जा रही है।

शिव जयंती बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ मनायी गई

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थानीय शाखा आनंद नगर कॉलोनी में 90 वी शिव जयंती बड़े ही उत्साह एवं उमंग से आनंद नगर पार्क में नगर वासियों एवं समाजसेवी अतिथि पार्षद गण की उपस्थिति में मनाया गया। जबलपुर सिहोरा कटनी से पधारी बीके बहनों द्वारा एवं स्थानीय शाखा की प्रमुख बीके ज्योति दीदी एवं बी के संध्या दीदी के प्रयास से कार्यक्रम सफल हुआ। बीके बहनों द्वारा पहले परमपिता परमात्मा का परिचय दिया फिर शिव जयंती का आध्यात्मिक रहस्य बताया सभी उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने बड़े ध्यान से सुना एवं स्वीकार किया। बीके आशा दीदी ने ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय का परिचय देते हुए कहा कि विगत 90 वर्ष से संस्था निस्वार्थ सेवा भावना से कार्य कर रही है संस्था का उद्देश्य सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि सारे विश्व में सुख शांति की स्थापना करना है सबको दुख कष्ट व बीमारियों से मुक्त कर स्वस्थ बनाए स्वर्ग की स्थापना करना है अंजलि दीदी ने भी अपने अनुभव सुनाए एवं राजाओं का राजा बनने की राजयोग की विधि बताई मंच पर पदासीन समाजसेवी इंजीनियर सुनील कोठारी एवं इंजीनियर रूद्रेश तिवारी प्रतिपक्ष नेता द्वारा ईश्वरीय विश्वविद्यालय के उद्देश्य को स्वीकारा एवं उसके सदमार्ग पर चलने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया एवं स्थानीय शाखा की स्थापना करने के निमित्त बीके हरिश्चंद्र अग्रवाल के मनोबल को बढ़ाया श्रीमती रितु गुप्ता पार्षद राम बार्ड ने अपने उद्बोधन में कहा यह बड़े हर्ष की बात है कि मेरे वार्ड में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा प्रारंभ हुई इसका फायदा वार्ड वाले और शहर वाले जरूर उठाएंगे नगर वासियों से उन्होंने नियमित क्लास करने की अपील की । वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष श्री चतुर्वेदी जी की उपस्थिति भी प्रभावशाली रही । संस्था की वरिष्ठ सदस्य बीके हरिश्चंद्र अग्रवाल के प्रयास द्वारा ही यह स्थानीय शाखा प्रारंभ हुई जिसका उन्हें बहुत ही उमंग और उत्साह है मंचीय कार्यक्रम के उपरांत परमपिता परमात्मा का सुरक्षा कवच शिव ध्वजारोहण बीके बहनों एवं अतिथियों द्वारा किया गया शिव जयंती के उपलक्ष में शिव बाबा को केक काटकर भोग लगाया जिसमें बीके शिवांश भाई का भी जन्मदिन मनाया गया। आनंद नगर कॉलोनी में नया सेंटर प्रारंभ होने के उपलक्ष में ब्रह्मा भोजन का भी आयोजन रखा गया व संस्था द्वारा निशुल्क मानव सेवा के तहत तनाव मुक्त संपन्न स्वस्थ जीवन जीने हेतु शिविर की स्थापना की गई जिसमें हर वर्ग हर धर्म हर संप्रदाय के स्त्री पुरुष आमंत्रित है कार्यक्रम का सफल संचालन ब्रह्माकुमारी संध्या दीदी एवं बीके आशीष भाई द्वारा किया गया आभार प्रदर्शन बीके आशुतोष भाई द्वारा संपन्न हुआ सबको प्रसाद वितरण किया गया एवं सभी को शिविर में आने का निमंत्रण दिया। कार्यक्रम की सफलता के सहयोगी भाई बहनों में राजेश भाई संजय भाई रुद्रांश भाई माता में कुसुम बहन कांति बहन एवं बीके अंजू बहन की सहभागिता के लिए केंद्र की ओर से बहुत-बहुत बधाईश्री नीरज दुबे अध्यक्ष नगर पालिका ने अपने वक्तव्य मे कहा संस्था का कार्य सराहनीय है मेरा इसमें पूर्ण समर्थन है जो भी मुझसे सहयोग अपेक्षित है पूरा करूंगा।

बच्चों की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने हेतु वॉलीबॉल कोर्ट का शुभारंभ

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक आवासीय छात्रावास नरसिंहपुर में निवासरत बच्चों के खेल एवं शारीरिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डाइट परिसर में तैयार किए गए वॉलीबॉल कोर्ट का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में डाइट प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, जिला परियोजना समन्वयक मनीष चौकसे तथा वॉलीबॉल जोनल सेक्रेटरी मनीष कटारे विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा वॉलीबॉल कोर्ट पर विधिवत पूजन अर्चन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा नियमित अभ्यास के माध्यम से खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। अतिथियों ने कहा कि खेल गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और इस प्रकार की सुविधाएं उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। जिला शिक्षा केंद्र स्टॉफ सहित छात्रावास स्टॉफ भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंत में विद्यार्थियों के बीच मैत्री मैच का आयोजन किया गया, जिसमें खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए निकली गई जागरूकता रैली

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

ग्राम खैरी में आयोजित रासेयो शिविर का आज चतुर्थ दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भूगोल विभाग से डॉ. साधना सिंह एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रानी कुमारी , सह प्रभारी डॉ.प्रीति कौरव , श्रीमती कल्पना साहू उपस्थिति रहीं । मुख्य अतिथि डॉ.साधना सिंह के द्वारा स्वयंसेवकों को अपने और अपने आस - पास के लोगों के स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रखने के लिए संतुलित आहार , योग , प्रणायाम करने के लिए प्रेरित किया तत्पश्चात बौद्धिक सत्र में स्वयंसेवकों के द्वारा शिविर दर्पण दर्शाया गया एवं वृक्षारोपण किया गया तत्पश्चात स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर जागरूकता रैली निकाली गई ।शिविर के चतुर्थ दिवस में मीडिया प्रभारी श्रुति गुप्ता, दलनायिका मनीषा राजपूत, सह दलनायिका गरिमा पाण्डेय, पिंकी मेहरा , तनु नौरिया , मुस्कान बी, शिवानी जाटव , रुचि जाटव , आसना यादव , दीक्षा वर्मा , शालिनी चढार, शिखा साहू , याशिका सोनी , दीक्षा सेन, सबिया खान , करीना जाटव , साक्षी रजक , खुशी , रजनी चढार, सविता ठाकुर , ज्योति वर्मा , आकांक्षा वर्मा , रमा भारिया , संजना जाटव , किरण मेहरा आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

क्षीर धारा ग्राम योजना 2026 के प्रथम चरण के तहत जिले के 61 ग्राम चयनित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

पशुपालन विभाग द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के उद्देश्य से क्षीर धारा ग्राम योजना 2026 प्रारंभ की गई है। यह योजना तीन वर्षों की अवधि तक संचालित की जाएगी। प्रथम चरण में जिले के 61 ग्रामों का चयन किया गया है। इन ग्रामों के 17 हजार 711 गौवंश एवं 8 हजार 954 भैंसवंशी पशुओं को योजना में शामिल कर उनकी उत्पादकता बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना के तहत पशुओं के नस्ल सुधार, स्वास्थ्य संरक्षण एवं संतुलित पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चयनित ग्रामों में कृत्रिम गर्भाधान (एआई) तकनीक का उपयोग किया जाएगा तथा सॉर्टेड सीमेन के उपयोग के संबंध में पशुपालकों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही बांझ निवारण शिविर आयोजित कर शतप्रतिशत टीकाकरण एवं सघन बधियाकरण अभियान संचालित किया जाएगा। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सीईओ जिला पंचायत द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। आवारा पशुओं को ग्राम पंचायतों के सहयोग से गौशालाओं में स्थानांतरित करने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। पशुपालन विभाग द्वारा योजना के संचालन के लिए वार्षिक कार्ययोजना तैयार की गई है। वर्तमान में आधारभूत सर्वेक्षण कार्य ऑफलाइन एवं ऑनलाइन के माध्यम से किया जा रहा है। सर्वेक्षण उपरांत प्रत्येक पशु की ईयर टैगिंग कर डिजिटल पहचान सुनिश्चित की जाएगी। योजना के अंतर्गत स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति भी पशुपालकों को जागरूक किया जाएगा।

गहोई महिला मंडल का चुनाव संपन्न रवीना कठल निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। सामाजिक एकजुटता और संगठनात्मक सशक्तिकरण की मिसाल पेश करते हुए गहोई महिला मंडल का चुनाव शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारी डॉ. सुनीता गुप्ता एवं श्रीमती रजनी कठल की विशेष उपस्थिति में सम्पन्न कराई गई। बैठक की अध्यक्षता श्रीमती सरिता गुप्ता ने की, जबकि शिखा नीखरा के नेतृत्व में सभी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सर्वसम्मति से रवीना कठल को गहोई महिला मंडल का अध्यक्ष निर्विरोध चयनित किया गया। उनके चयन पर उपस्थित महिलाओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए संगठन को नई ऊर्जा मिलने की बात कही।

जिला परिवहन विभाग द्वारा एनटीपीसी में संचालित फ्लाईऐश के परिवहन में लगे वाहनों की हुई जांच

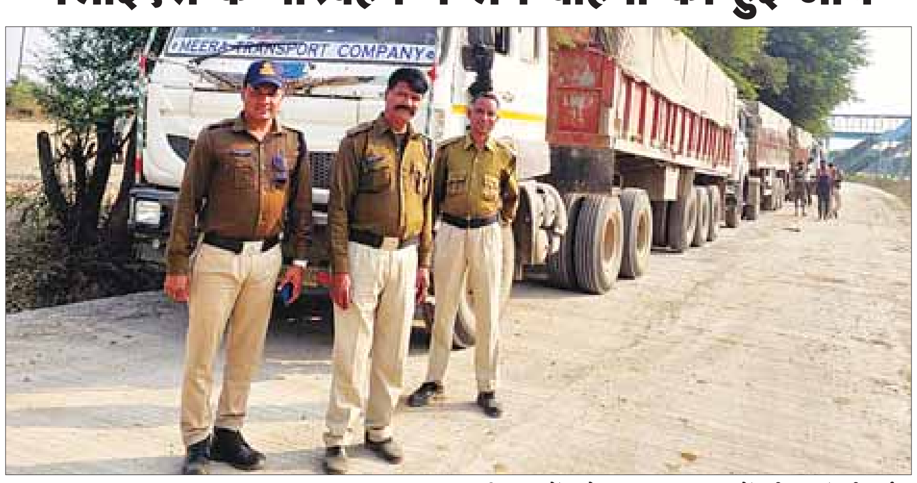

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा के निर्देशों के परिपालन में जिला परिवहन अधिकारी व उनकी टीम द्वारा एनटीपीसी में संचालित प्लाईऐश परिवहन में लगने वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान 2 वाहनों में कमी पाए जाने पर मौके पर ही जुर्माने की कार्यवाही की गई। जिला परिवहन अधिकारी नरसिंहपुर श्री रवि बरेलिया ने बताया कि गुरूवार को चीचली- गाडरवारा रोड एवं गाडरवारा-तेंदूखेड़ा रोड पर एनटीपीसी में संचालित फ्लाईऐश के परिवहन में लगे लगभग 25 वाहनों की जाचं की गई। इन वाहनों में मुख्य रूप से असुरक्षित परिवहन, ओवरस्पीडिंग, परमिट शर्तों के उल्लंघन एवं मोटर वाहन अधिनियम की अन्य धाराओं में जांच की गई। जांच के दौरान 25 वाहनों में से 2 वाहनों में कमी पाए जाने पर मौके पर ही 19 हजार 500 रुपये के जुर्माने की कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि यह कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी। यह कार्यवाही जिला परिवहन अधिकारी श्री रवि बरेलिया के नेतृत्व में जिला परिवहन विभाग के श्री सुदामा जाट, श्री संजय राजपूत, श्री प्रभात अवस्थी, श्री देवेन्द्र मेहरा के द्वारा की गई।

चोरी की सूचना देने वाला किरायेदार ही निकला चोर

चोरी गये करीबन 12 लाख रूपये कीमती 76 ग्राम सोना,280 ग्राम चाँदी के जेवर एवं 2,000 रू. नगदी हुए बरामद

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

ज्ञात हो कि दिनांक 06/12/2025 को पंचवटी कॉलोनी गाडरवारा स्थित मकान का ताला तोड़कर अलमारी से सोने चांदी के जेवर व नगदी 8000 रूपये चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना गाडरवारा में धारा 331(4),305(ड़ु) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था ।

प्रकरण की गंभीरता को मद्देनजर रखते हुये अज्ञात चोर की गिरफ्तारी एवं संपत्ति बरामदगी हेतु पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर लगातार संदिग्ध व्यक्तियों की धरपकड़ एवं पूछताछ की गई । पूछताछ करने पर संदेही किरायेदार दीपक वर्मा बार-बार अपना कथन बदल रहा था ।

तकनीकी साक्ष्य संकलन एवं मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया शातिर किरायेदार चोर:-* मकान मालिक के शहर के बाहर जाने से सूना घर पाकर शातिर किरायेदार दीपक वर्मा ने घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखे सोने-चाँदी के जेवर एवं नगदी चोरी कर लिये,सोने-चाँदी के जेवर को डिब्बे में भरकर झाड़ियों में छिपा दिया । फिर गुमराह करने के लिये मकान मालिक एवं पुलिस को घर में चोरी हो जाने की सूचना दी ।

आरोपी:-* दीपक पिता मनसाराम वर्मा उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम बसुरिया हाल पंचवटी कॉलोनी गाडरवारा ।

पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड:-* आरोपी दीपक वर्मा के विरूद्ध थाना गाडरवारा में पूर्व में जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है ।

बरामदगी:-* चोरी गई सोने के 03 मंगलसूत्र,टॉप्स,चेन,04 अंगूठी, चाँदी के 05 चूड़े,03 पायल,05 जोड़ी बिछिया एवं नगदी 2,000 रू. बरामद किये गये ।

वैधानिक कार्यवाही-* धारा 331(4),305(ए) बी.एन.एस. अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है ।

उक्त आरोपी की पतारसी एवं मशरूका बरामदगी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस,गाडरवारा ललित सिंह डागुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गाडरवारा निरीक्षक अशोक सिंह चौहान,सहायक उप निरीक्षक राजेश तिवारी,हरिशंकर बटके, प्रधान आरक्षक रामगोपाल सिंह राजपूत, आरक्षक रूपेन्द्र चौबे,बालकृष्ण रघुवंशी,सुजीत बागरी,शिवम पटेल,दीपक राजपूत,ऐश्वर्य वेंकट,सौरभ मिश्रा,अक्षय श्रीवास्तव, सृजल भार्गव,रामसिंह की सराहनीय भूमिका रही है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में संकल्प से समाधान अभियान के तहत ग्राम चिनकी में आयोजित हुआ शिविर

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा की मौजूदगी में जिले की नरसिंहपुर तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत चिनकी में संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविर तथा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 62 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से लगभग 58 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन व वृद्धावस्था पेंशन, समग्र ई-केवायसी, गर्भवती महिलाओं की ई-केवायसी एवं समग्र आईडी से संबंधित प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए तथा कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। इस अवसर पर नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत श्री केपी यादव एवं उनके साथियों तथा श्रीजी नाट्य अकादमी द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रभावी प्रस्तुति दी गई। कलापथक दल ने गीत-संगीत एवं नाट्य मंचन के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया और समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर उप संचालक सामाजिक न्याय श्रीमती अंजना त्रिपाठी, उप संचालक कृषि श्री मोरिस नाथ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी- कर्मचारी और ग्रामीणजन मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम चिनकी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नशा आने वाली पीढ़ी को प्रभावित करता है। नशे के कारण व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर पाता और उसका सीधा दुष्प्रभाव परिवार, विशेषकर बच्चों एवं महिलाओं पर पड़ता है। नशे की प्रवृत्ति से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है तथा परिवार का वातावरण भी दूषित होता है। उन्होंने कहा कि नशे से ग्रसित व्यक्ति अपना विवेक खो देता है और परिवार की जिम्मेदारियों का समुचित निर्वहन नहीं कर पाता। यदि घर का कोई सदस्य नशा करता है, तो उसका विपरीत प्रभाव छोटे बच्चों पर पड़ता है और वे भी उसी दिशा में अग्रसर हो सकते हैं। बच्चों के सामने जैसा आचरण प्रस्तुत किया जाएगा, वे वैसा ही सीखेंगे। शराब सेवन के बाद महिलाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार को रोकना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन के प्रयासों से ग्राम चिनकी में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश दिया गया है, ताकि प्रत्येक वर्ग के नागरिक नशे से दूर रहें।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 162 अ-20(1) सन् 2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 11/03/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/ व्यक्तियों का नाम/ पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
17	कंदेली	10/14	209 वर्गफुट	श्रीमति कुलसुम खान पत्नि श्री मुस्तक खान निवासी पुत्रीशाला के पास तिलक वार्ड कंदेली	श्रीमति कुलसुम खान पत्नि श्री मुस्तक खान निवासी पुत्रीशाला के पास तिलक वार्ड कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 18/2/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

51 जोड़े वैवाहिक जीवन के पावन बंधन में बंधे

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने दी उपहार सामग्री, जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति

कटनी (स्वतंत्रमत)।

विजयराघवगढ़ जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं कटनी कलेक्टर के मार्गदर्शन में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन उत्साह और सामाजिक समरसता के अद्भुत वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पूजा-अर्चना के साथ किया गया जिससे संपूर्ण परिसर मंगल ध्वनि और वैदिक मंत्रों से गुंजायमान हो उठा। जनपद पंचायत के तत्वावधान में 51 दूल्हों की बारात ढोल-नगाड़ों और आतिशबाज़ी के साथ निकाली गई। नगरवासियों ने हर्षोल्लास के साथ बारात का स्वागत किया। जनपद पंचायत प्रांगण में अतिथियों ने बधू पक्ष की भूमिका निभाते हुए परंपरागत रीति.रिवाजों के साथ सभी जोड़ों का अभिनंदन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य से 51 जोड़े अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लेकर जीवनसाथी बने। इस अवसर पर मंचासीन जनप्रतिनिधियों में जनपद पंचायत अध्यक्ष सुधा कोल उपाध्यक्ष उदयराज सिंह चौहान नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे उपाध्यक्ष हरिओम वर्मन मंडल अध्यक्ष श्रीराम सोनी पूर्व मंडल अध्यक्ष जयवंत सिंह चौहान पार्षद कल्पना सोनी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी बृतेश जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

विवाह सम्पन्न होने के पश्चात शासन की योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित जोड़े के खाते में 49 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई। साथ ही जनपद पंचायत द्वारा सभी 51 जोड़ों को घरेलू उपयोग की सामग्री उपहार स्वरूप भेंट की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ब्रतेश जैन ने नवदम्पत्तियों को मंगलकामनाएँ देते हुए कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहयोग नहीं बल्कि बेटियों के सम्मान और सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। जनपद उपाध्यक्ष उदयराज सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप गांव-गांव से पात्र वर-वधुओं का चयन कर दोनों पक्षों की सहमति और उपस्थिति में यह आयोजन सम्पन्न कराया गया। उन्होंने कहा कि गरीब बेटियों के लिए प्रारंभ की गई यह योजना सामाजिक समानता और सम्मान का प्रतीक है। कार्यक्रम में आए परिवारों और अतिथियों के लिए जलपान एवं भोजन की समुचित व्यवस्था भी की गई जिससे आयोजन पूर्णतः सुव्यवस्थित और गरिमामय रहा। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग प्रदान कर सामाजिक सुरक्षा देना है ताकि कोई भी बेटी केवल संसाधनों के अभाव में अपने नए जीवन की शुरुआत से वंचित न रहे। इस पावन अवसर पर वातावरण मानो स्वयं कह उठा जहाँ बेटियों का सम्मान है, वहीं समाज की सच्ची पहचान है। सात फेरे जब संग निभाने का वचन दें, वहीं से जीवन में नवप्रभात का आगमन होता है। विजयराघवगढ़ की इस पावन धरती पर सम्पन्न हुआ यह सामूहिक विवाह सम्मेलन न केवल 51 परिवारों के लिए आनंद का पर्व बना बल्कि समाज में समानता सहयोग और संस्कारों की अलख जगाने वाला प्रेरणादायी आयोजन भी सिद्ध हुआ।

कैमोर में 12 जोड़ों का भव्य सामूहिक विवाह

कैमोर नगर परिषद कैमोर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों की बेटियों का सामूहिक विवाह उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। इस आयोजन ने जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल दिया बल्कि सामाजिक एकता और सहयोग की मिसाल भी पेश की। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पलक नामित ग्रोवर, उपाध्यक्ष संतोष केवट, पार्षद श्रीमती रिचा मनीष नेवेद वीरेन बेगा सहित पार्षदगण, नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी एवं वर वधु पक्ष के रिश्तेदार सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कुल 12 जोड़ों का विवाह विधि-विधान से संपन्न कराया गया। बारात मैं अध्यक्ष उपाध्यक्ष तथा पार्षद गण एवं अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे दूल्हे बग्गी में सवार होकर बैंड-बाजा, ढोल-नगाड़ों के साथ नगर परिषद कार्यालय से मंगल भवन तक पहुंचे। पूरे मार्ग में उत्सव जैसा माहौल रहा। सामुदायिक मंगल भवन पहुंचने पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदों और नगर परिषद के अधिकारियों-कर्मचारियों ने बारातियों का फूल-माला, तिलक और श्रीफल देकर आत्मीय स्वागत किया। विवाह समारोह हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुआ। पंडित जी ने अलग-अलग जातियों के वर-वधू को मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे दिलवाए और मंगलसूत्र की रस्म भी विधिपूर्वक कराई गई। इस दौरान दोनों पक्षों के परिवारों में खुशी और भावुकता का माहौल देखने को मिला। जयमाला के बाद सभी नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र

प्रदान किए गए। सरकारी योजना के अंतर्गत प्रत्येक कन्या के खाते में राशि भेजी गई इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहारा मिला उपाध्यक्ष संतोष केवट ने आशीर्वाद दिया एवं कहा की हम सौभाग्यशाली हैं जो ऐसे आयोजन में शामिल हुए उन्होंने कहा कि गरीब बेटियों के विवाह में सहयोग करना समाज और जनप्रतिनिधियों का नैतिक दायित्व है। नगर परिषद द्वारा आयोजन की व्यवस्थाएं विशेष रूप से सराहनीय रहीं। सामुदायिक मंगल भवन को आकर्षक सजावट से सुसज्जित किया गया था। बारातियों और अतिथियों के लिए स्वरुचि भोज की व्यवस्था की गई नगर परिषद कैमोर अध्यक्ष ने सभी को शुभकामनाएं दी श्रीमती पलक नामित ग्रोवर ने कहा कि मंगल भवन में 12 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ है।

5 वर्षों से फरार आरोपी को कानपुर से किया गिफ्तार

हत्या के प्रयास के मामले में बड़ी सफलता

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया तथा थाना प्रभारी माधवनगर संजय दुबे के मार्गदर्शन में पुलिस चौकी झिंझरी द्वारा हत्या के प्रयास के एक गंभीर प्रकरण में बड़ी सफलता प्राप्त की गई है। पुलिस चौकी झिंझरी द्वारा हत्या का प्रयास करने वाले मुख्य आरोपी परवेस कुरैसी को हमराज गार्डन के पास, चौकी पुखरायाँ, थाना भोगनीपुर, जिला कानपुर से अभिरक्षा में लिया गया। दिनांक 14-02-2025 को स्कॉर्पियो कार क्रमांक स्क्क५१ ष्ठ ०१८७ में सवार तीन अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ग्राम पिपरौंध में रात्रि लगभग 01:30 बजे पिपरौंध निवासी शुभम जायसवाल एवं दीपक जायसवाल पर हत्या की नीयत से चाकू से हमला कर गंभीर चोटें पहुंचाई गईं।

प्रार्थी शुभम जायसवाल की रिपोर्ट पर थाना माधवनगर में अपराध क्रमांक 1046/2025 धारा 109(1) 3(5) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान प्रकरण के अन्य आरोपी एजाद उर्फ भूरा कुरैसी एवं गोलू उर्फ बरकत मंसूरी को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका था। प्रकरण का मुख्य आरोपी परवेस कुरैसी घटना दिनांक से फरार था। मुख्य आरोपी परवेस कुरैसी पिता इदरिस कुरैसी, उम्र 36 वर्ष, निवासी कसाई मंडी दमोह के विरुद्ध थाना गढ़ा एवं गोहलपुर जिला जबलपुर, तथा थाना कोतवाली दमोह में हत्या, लूट, डकैती, हत्या का प्रयास, विस्फोटक अधिनियम सहित अन्य धाराओं के अंतर्गत लगभग 35 अपराध पंजीबद्ध हैं। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में साइबर यूनिट कटनी की सहायता से टीम गठित कर आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई। तत्पश्चात उसे कानपुर (उप्र) से अभिरक्षा में लेकर वैधानिक प्रस्त्रि5या पूर्ण की गई और आज दिनांक 19-02-26 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में चौकी प्रभारी उनि राजेश कुमार दुबे के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक राजेश चौधरी, आरक्षक 06 अक्षय पाण्डेय एवं साइबर आरक्षक अजय साकेत की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

भोपाल में प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष से मिले कटनी के युवा नेता

कटनी (स्वतंत्रमत)

युवा मोर्चा के नेता कुशल प्रकाश मिश्र ने भोपाल पहुंचकर प्रदेश युवा मोर्चा के अध्यक्ष श्याम टेलर से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और युवाओं की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात में प्रदेश स्तर पर युवा मोर्चा को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। कुशल प्रकाश मिश्र ने कटनी जिले में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी देते हुए युवाओं को जोड़ने के प्रयासों से अवगत कराया। प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने युवाओं से जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने और संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

विधायक संजय पाठक ने उरदानी से देवराखुर्द के बीच पुल बनाने एवं उबरा वृत्त के ग्रामों के तहसील परिवर्तन के लिए विधानसभा में लगाई याचिका

कटनी (स्वतंत्रमत)

विजयराघवगढ़ विधायक संजय पाठक ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति लेकर जनहित के कार्यों को लेकर याचिका के माध्यम से विजयराघवगढ़ के ग्राम उरदानी से देवराखुर्द के बीच बाण सागर डैम के बैक वॉटर भराव के कारण दोनों क्षेत्रों के लोगों को एक तरफ़से दूसरी तरफ आने जाने के लिए 25 से 30 किलोमीटर का चक्कर लगाने से होने वाली असुविधाओं जिसमें स्कूली एवं कॉलेज के बच्चों, एंबुलेंस सहित कृषि कार्यों के लिए टैक्टर, हार्वेस्टर के आवागमन में लगने वाला समय अधिक लगता है, और लोगों का आर्थिक खर्च भी बढ़ता है, इसलिए क्षेत्रवासियों के अनुरोध पर दोनों गांवों के बीच पुल बनाने विजयराघवगढ़ तहसील अंतर्गत आने वाले उबरा वृत्त के अधिकांश राजस्व ग्रामों जारारोडा, गैरतलाई, तिमुआ, इटौरा, कुटेश्वर, इटमा, महानदी हरदुआ, लखनपुरा, उबरा, धवैया, डोकरिया जिनकी तहसील मुख्यालय से दूरी 30 से 50 किलोमीटर है, जबकि बरही तहसील मुख्यालय से इनग्रामों से अत्यंत समीप एवं पहुंच मार्ग की दृष्टि से सुगम है, पर किसानों की राजस्व व तहसील सम्बन्धी कार्यों के लिए दूर जाकर भटकना पड़ता है, शासन की मनसा रही है, कि प्रशासनिक सीमाओं का निर्धारण जनसुविधाओं के हिसाब से होना चाहिए अतः इन गांवों को बरही तहसील में शामिल करने की विधानसभा में याचिका लगाते हुए शासन को सूचित किया है।

63 जल नमूनों का हुआ परीक्षण

नागरिकों के 13 प्रकरणों पर की गई सुनवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)

नागरिकों को शुद्ध एवं गुणवाापूर्ण पेयजल आपूर्ति की दिशा में नगर निगम प्रशासन के प्रयास अनवरत जारी है। इसी श्रृंखला में महापौर प्रीति सूरी एवं निगमायुत तपस्या परिहार के निर्देश पर नागरिकों की पेयजल संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु नगर के समस्त वार्डो में वार्ड स्तरीय जल सुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान गठित वार्ड स्तरीय कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के निर्धारित स्थलों पर उपस्थित रहकर नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए गए। इस दौरान उपस्थित आम नागरिकों से उनके यहां आपूर्ति किये जा रहे पेयजल की गुणवाा के संबंध में फीडबैक भी लिया गया। इस दौरान निगमायुक्त द्वारा बस स्टैंड में उप कार्यालय में आयोजित जल सुनवाई में पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा जल प्रदाय ने बताया कि वार्ड स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कुल 13 नागरिकों की

समस्याओं एवं सुझावों से संबंधित आवेदनों पर सुनवाई की गई। वहीं जल नमूनों की जांच कराने हेतु पहुंचे 63 नागरिकों की शंकाओं एवं शिकायतों का निराकरण उनके समक्ष ही जांच कराकर किया गया तथा परीक्षण रिपोर्ट से संबंधित नागरिकों को अवगत कराया गया।

द्वितीय समाधि स्मृति दिवस पर हुए विविध आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। आध्यात्म सरोवर के राजहंस दिगम्बराचार्य संत शिरोमणि समाधी सम्राट आचार्य गुरुदेव श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज जी के द्वितीय समाधी स्मृति दिवस पर पर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर की में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन सकल जैन समाज द्वारा सानंद संपन्न किए गए। इस अवसर पर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी बाकल में प्रातः मुलायक भगवान पाशर्वनाथ जी का अभिषेक शांतिधारा उपरांत आचार्य श्री के चरणों का पाद प्रक्षालन किया गया। तत्पश्चात मंगल आरती एवं आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन

सकल जैन समाज महिला मंडल द्वारा भक्ति भाव के साथ सानंद संपन्न किया गया दोपहर में मंदिर की प्रांगण से भव्य गुरु गुणगान यात्रा कीर्ति स्तंभ तक गाजे बाजे के साथ निकाली गयी जहां मंगल दीपो के साथ कीर्ति स्तम्भ की बंदना एवं दीपप्रज्जवलित किये गये सायं मंदिर जी मे 48 दीपों का प्रज्वलन तत्पश्चात मंदिर की प्रांगण में 48 दीपों से भक्तांबर स्त्रोत एवं संध्या आरती के कार्यक्रम सानंद संपन्न किए गए । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नरेन्द्र सिंघई सुरेन्द्र सिंघई, मनोज मोदी, अजय अहिंसा, मनोज जैन, मंजू अनिल मोदी, पवन मोदी, आदि उपस्थित रहे।

मारपीट में पत्नी की मौत पति पर हत्या का मामला दर्ज

कटनी (स्वतंत्रमत)

स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेवरी में घरेलू विवाद को वारदात स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तेवरी में घरेलू विवाद के दौरान हुई हिंसा के कारण एक महिला की जान चली गई। करीब 20 दिन पहले हुई इस घटना में खेरमाई मंदिर मोहल्ले में पति-पत्नी के बीच झगड़ा इतना बढ़ गया कि पति ने पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी का माहौल है। स्लीमनाबाद पुलिस ने बताया कि यह घटना 29 जनवरी की शाम करीब 6 बजे की है। आरोपी वीरेंद्र कोल 32 वर्ष का अपनी पत्नी पूजा कोल 28 वर्ष से किसी घरेलू बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान आरोपी ने पूजा के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। घायल पूजा को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था मगर इलाज से पहले ही पूजा ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मृतका के भाई रोशन कोल निवासी शारदा मोहल्ला तेवरी ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्लीमनाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच में सामने आए तथ्यों एवं डॉटरी रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने गत देर रात आरोपी पति के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया। थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेश कुमार समन ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को तत्काल लागू करने की उठाई मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को तत्काल सम्पूर्ण प्रदेश के अधिवक्ताओ की सुरक्षा खासकर सम्मानित महिला अधिवक्ताओ की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी के नेतृत्व मे मुख्यमंत्री मोहन यादव को ज्ञापन भेजा है, और जिला सत्र न्यायालय परिसर में महिला अधिवक्ताओ ने शिवपुरी मे अधिवक्ता संजय सक्सैना के साथ हुई घटना की घोर निंदनीय कार्य है। इस घटना से अधिवक्ता समुदाय मे गहरी चिंता एंव आक्रोश उत्पन्न हुआ है। समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी ने अपने ओजस्वी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी विषम परिस्थितियों मे खासकर महिला अधिवक्ताओ की सुरक्षा सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक एंव समय की मांग बन चुकी हैं, और अधिवक्ता परिवार के एक सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति अवश्य ही

दी जाना चाहिए उक्त अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ उपाध्यक्ष एड. संतु परौहा ने कहा कि हमारे साथी अधिवक्ता संजय सक्सैना की गोली मारकर निर्मम हत्या हुई जिससे समस्त अधिवक्ता समाज मे भय, आक्रोश और असुरक्षा की गहरी भावना व्याप्त है। इसलिए अतिशीघ्र एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाना चाहिए ।

उक्त अवसर पर अधिवक्ता शिखा पांडेय ने कहा कि यदि आगामी सात दिनों के अन्दर अधिवक्ताओ की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की ठोस कदम नही उठाए गए तो महिला अधिवक्ता समुदाय बाध्य होकर एक व्यापक लोकतान्त्रिक जन-आंदोलन प्रांरभ करेगी और इस दर्दनाक घटना के बाद तो शासन प्रशासन को विशेष रूप से तत्काल एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाना चाहिए जिला अधिवक्ता संघ कार्यकारिण सदस्य माधवी पांडेय ने शासन प्रशासन से दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर उनके विरुद्ध कठोरतम कारवाई किए जाने की मांग की है। इस अवसर पर समस्त सम्मानित महिला अधिवक्ता श्रीमति रेनू सिंह सोलंकी, एड.मेघा शर्मा, एड. माहेश्वरी विश्वकर्मा, एडवोकेट शीतल पटेल, अधिवक्ता जीत जायसवाल, अधिवक्ता संजय वैश्य, जूनियर अधिवक्ता रीनू पटेल मीडिया प्रभारी अमन सिंह, राजपाल जूनियर अधिवक्ता श्रीकांत श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य अधिवक्ताओ की उपस्थित मे मुख्यमंत्री मोहन यादव को ज्ञापन देकर अतिशीघ्र एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने की मांग की गई है।

टी-20 विश्वकप : जिम्बाब्वे ने ढहाई लंका

38वें मुकाबले में श्रीलंका को तीन गेंदे शेष रहते छह विकेट से मात दे दी

कोलंबो (वार्ता)।

ऑस्ट्रेलिया को हराने वाले जिम्बाब्वे ने अपना जबर्दस्त प्रदर्शन जारी रखते हुए आज श्रीलंका का भी शिकार कर लिया और टी-20 विश्वकप के ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया। ब्लेसिंग मुजारबानी, ब्रैड एवंस और ग्रीम क्रेमर (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ब्रायन बेनेट (नाबाद 63) कप्तान सिकंदर रजा (45) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप 38वें मुकाबले में श्रीलंका को तीन गेंदे शेष रहते छह विकेट से मात दे दी। जिम्बाब्वे के इस जीत के बाद सात अंक हो गये है और वह ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। श्रीलंका छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमों ने सुपर आठ में जगह बना ली है।

जिम्बाब्वे की अच्छी शुरुआत

179 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट और तडिवनाशे मारुमानी की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 69 रन जोड़े। नौवें ओवर में दुनित वेल्लालगे ने तडिवनाशे मारुमानी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। तडिवनाशे मारुमानी ने 26 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 34 रन बनाये। 12वें ओवर में दसून शानका ने रायन बर्ल 12 गेंदों में 23 रन को आउट कर श्रीलंका को दूसरी सफलता दिलाई। जिम्बाब्वे का तीसरा विकेट सिकंदर रजा के रूप में 19वें ओवर में गिरा।

सिकंदर रजा को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार

सिकंदर रजा ने 26 गेंदों में चार छक्के और दो चौके लगाते हुए 45 रनों की पारी खेली। इसी ओवर में दुशान हेमंता ने ताशिंगा मुसेकिवा (एक) को आउट कर अपना दूसरा विकेट झटका। लेकिन टोनी मुनयोंगा ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का और ब्रायन ने तीसरी गेंद पर चौका मारकर टूर्नामेंट का एक और बड़ा उलटफेर कर दिया। जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवरों में चार विकेट पर 182 रन बनाये। ब्रायन बेनेट ने 48 गेंदों पर नाबाद 63 रन में आठ चौके लगाये। सिकंदर रजा को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

श्रीलंका ने 178 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया

इससे पहले आज यहां श्रीलंका ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 178 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। पथुम निसंका और कुसल परेरा की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 54 रन जोड़े। पांचवें ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने कुसल परेरा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। कुसल परेरा ने 14 गेंदों में 22 रन बनाये। इसके बाद कुसल मेंडिस ने पथुम निसंका के साथ दूसरे विकेट लिये 46 रन जोड़े। 13वें ओवर में रायन बर्ल ने कुसल मेंडिस (14) को आउट कर श्रीलंका को दूसरा झटका दिया। अगले ही ओवर में ग्रीम क्रेमर ने पथुम निसंका का शिकार कर लिया। पथुम निसंका ने 41 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 62 रन बनाये। पवन रत्नायके ने 25 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए 44 रनों की पारी खेली। दुनित वेल्लालगे 15 रन बनाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे के लिए ब्लेसिंग मुजारबानी, ब्रैड एवंस और ग्रीम क्रेमर ने दो-दो विकेट लिये।

रिधिमा ने हीरो डब्ल्यूपीजीटी का चौथा लेग छह शॉट के बड़े अंतर से जीता

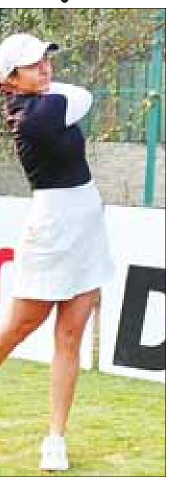

पुणे (वार्ता)। रिधिमा दिलावरी ने पूना क्लब गोल्फ कोर्स में हीरो विमेंस प्रो गोल्फ टूर के चौथे लेग में शानदार बोगी फ्री थ्री अंडर 68 का स्कोर बनाकर अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी वाणी कपूर और त्वेसा मलिक को काफी पीछे छोड़ दिया। इस सीजन में चार स्टार्ट में रिधिमा की यह दूसरी जीत थी, और वह एक बार रनर-अप भी रहीं। इससे उन्हें हीरो ऑर्डर ऑफ मेरिट में टॉप पर अपनी जगह मजबूत करने में मदद मिली। रिधिमा ने 68 का कार्ड बनाया और तीन दिनों तक कुल 3-अंडर 208 का स्कोर किया और वाणी कपूर (75) से छह शॉट आगे रहीं, जो 3-ओवर 214 पर थीं। एमेच्योर अनुराधा चौधरी (69) वाणी के साथ दूसरे नंबर पर रहीं, जबकि त्वेसा मलिक (76) 215 पर चौथे नंबर पर आ गईं। रिधिमा ने चार पार के साथ बहुत अच्छी शुरुआत की, भले ही वाणी कपूर ने बोगी-डबल बोगी-बोगी की शुरुआत की और त्वेसा ने दूसरे में डबल बोगी और तीसरे में बोगी की। इससे रिधिमा जीत की राह पर चल पड़ीं और उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पांचवें और नौवें होल पर बर्डी और बीच में पार के साथ रिधिमा 2-अंडर पर आ गईं और पिछले नौ होल पर उन्होंने 12वें होल पर बर्डी की और बाकी में पार किया। उनका 68 का स्कोर दिन का अब तक का सबसे अच्छा कार्ड था और यह इस हफ्ते उनका दूसरा ऐसा स्कोर था। वाणी का बुरा दिन जारी रहा क्योंकि उन्होंने पांचवें, छठे और फिर आठवें होल में बोगी की।

उन्हें बस सातवें होल में बर्डी मिली। उन्होंने फ्रंट नाइन में एक बर्डी के मुकाबले पांच बोगी और एक डबल बोगी की। बैक नाइन में एक बोगी के मुकाबले तीन बर्डी थीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उन्होंने 75 का स्कोर किया और दूसरे स्थान पर रहीं।

एमेच्योर अनुराधा चौधरी (69) ने अपने 69 के स्कोर में दो बोगी के मुकाबले चार बर्डी कीं और दूसरे स्थान पर टाई रहीं। त्वेसा ने फ्रंट नाइन में दो बोगी और एक डबल बोगी की और बैक नाइन में एक डबल बोगी और एक बोगी की, जबकि आठवें और नौवें होल में बर्डी थीं। स्नेहा सिंह (77), नेहा त्रिपाठी (72), नयनिका सांगा (68) और जाह्नवी बख्शी (69) पांचवें स्थान के लिए टाई रहीं। एमेच्योर लावण्या गुप्ता (73) अकेली नौवीं जगह पर रहीं, जबकि तीन खिलाड़ी, जैस्मीन शेखर (73), लावण्या जादोन (72) और विधात्री उर्स (72) दसवें नंबर पर रहीं। अनुभवी अमनदीप द्राल (71) अनन्या गर्ग (71) के साथ 13वें नंबर पर रहीं।

कर्नाटक फाइनल में जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगा

लखनऊ (वार्ता)। देवदत्त पड़िक्कल, केएल राहुल, आर स्मरण के शानदार शतकों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत कर्नाटक का उत्तराखंड के खिलाफ खेला गया रणजी ट्रॉफी 2026 का 15 फरवरी को शुरु हुआ पहला सेमीफाइनल मुकाबला गुरुवार को ड्रा घोषित हुआ। दिन को खेल समाप्त होने किये जाने के समय उत्तराखंड ने दूसरी पारी में छह विकेट पर 260 रन बना लिये थे। कर्नाटक अब खिताबी मुकाबले में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर फाइनल में पहुंची जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगा। देवदत्त पड़िक्कल को दोहरे शतक के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। कर्नाटक ने कल के छह विकेट पर 299 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में उत्तराखंड के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करे हुए कर्नाटक की दूसरी पर को 323 के स्कोर पर समेट दिया। इसके बाद उत्तराखंड को मैच जीतने के लिए 827 रनों लक्ष्य मिला। उत्तराखंड के लिए मयंक मिश्रा ने चार विकेट लिये।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत को 19 रनों से हराया

जॉर्जिया वॉल को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला

कैनबरा (वार्ता)।

जॉर्जिया वॉल (88), बेथ मूनी (46) की शानदार पारियों के बाद किम गार्थ और एश्ले गार्डनर (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने गुरुवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में भारत को 19 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। जॉर्जिया वॉल को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। 166 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 57 रन जोड़े। सातवें ओवर में सोफी मोलिन्यू ने शेफाली वर्मा को पगबाधा आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। शेफाली वर्मा ने 23 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 29 रन बनाये। नौवें ओवर में किम गार्थ ने स्मृति मंधाना को आउट कर भारत को दूसरा झटका दिया। स्मृति

मंधाना ने 24 गेंदों में चार चौके लगाते हुए 31 रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में किम गार्थ ने तेजी के साथ रन बना रही भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को आउटकर पवेलियन भेज दिया। हरमनप्रीत कौर ने 30 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 36 रन बनाये। अगले ही ओवर में एश्ले गार्डनर ने ऋचा घोष (19) का शिकार कर भारत को पांचवां झटका दिया। इसी ओवर में गार्डनर ने दीप्ति शर्मा (शून्य) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को छठी सफलता दिलाई। अमनजोत कौर (तीन) और अरुंधति रेड्डी (दो) को ऐनाबेल सदरलैंड ने 19वें ओवर में आउट किया। एक समय 17 ओवर में 126 रन बनाकर जीत की ओर बढ़ रही भारतीय टीम आखिरी ओवरों में लड़खड़ा गई और विकेट गंवाती चली गई। भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 144 रन ही बना सकी और 19 रनों से मुकाबला हार गई। इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिए जॉर्जिया वॉल और बेथ मूनी की सलामी जोड़ी ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 128 रन जोड़े। 15वें ओवर में अरुंधति रेड्डी ने बेथ मूनी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। बेथ मूनी ने 39 गेंदों में 46 रन बनाये। 17वें ओवर में अरुंधति ने शतक की ओर बढ़ रही जॉर्जिया वॉल को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई।

जॉर्जिया वॉल ने 57 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए 88 रनों की पारी खेली इसके बाद भारतीय गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षकों ने शिकंजा कसते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को अधिक रन नहीं बनाने दिये। ऑस्ट्रेलिया की टीम निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 165 रन ही बना सकी। भारतीय महिला टीम के लिए अरुंधति रेड्डी ने दो विकेट लिये। रेणुका सिंह ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

निराशाजनक अभियान का अच्छा अंत करना चाहेगी अफगानिस्तान

चेन्नई (वार्ता)। डेड रबर मुक़ाबले अब अफ़ग़ानिस्तान के लिए नहीं रह गए हैं। उन्होंने 2023 वनडे विश्व कप में इंग्लैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और नीदरलैंड्स को हराया था और ऑस्ट्रेलिया को हराने के बेहद करीब थे। न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराते हुए उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप सेमीफ़ाइनल में अपनी जगह बनाई थी। इस टी20 विश्व कप में ग्रुप ऑफ डेथ का हिस्सा बनाए जाने पर उनके आगे जाने की पूरी उम्मीद थी। दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ डबल सुपर ओवर वाले मैच में दिल तोड़ने वाली हार ने उनके अभियान को अधर में लटका दिया था। कनाडा के ख़िलाफ उनका मैच अब केवल एक मैच ही है, इसमें कुछ भी दांव पर नहीं लगा है। मोहम्मद नबी 41 साल के हो चुके हैं और बीपीएल के एक मैच में अपने बेटे के साथ खेल चुके हैं। हालांकि, राशिद ख़ान के मुताबिक़ उनकी टीम का कोई भी खिलाड़ी फिलहाल भविष्य के बारे में नहीं सोच रहा है। कनाडा ने टी20 विश्व कप में अपनी छाप छोड़ी है। उनके 19 वर्षीय ओपनर सामरा ने रिकॉर्ड बनाया है। युवराज सामरा ने दिखाया है कि क्रिकेट के कितने टैलेंट एसोसिएट देशों में है और उनकी टीम इस मंच से विदा लेने से पहले एक जीत जरूर दर्ज करना चाहेगी।

भारत एआई युग का नेतृत्व करने का ठोस इरादा रखता है : एन चंद्रशेखरन

नयी दिल्ली (वार्ता)। टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने गुरुवार को कहा कि भारत उभरते कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) युग की न केवल तैयारी कर रहा है बल्कि देश इस युग का नेतृत्व करने का पक्का इरादा कर के आगे बढ़ रहा है। श्री चंद्रशेखरन यहां भारत एआई इम्पैक्ट सम्मेलन-2026 के औपचारिक उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। एआई पर अब तक का दुनिया का सबसे बड़ा यह आयोजन यहां भारत मंडपम में 16 फरवरी से चल रहा है और 21 फरवरी को सम्पन्न होगा। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों का एआई में भरोसा है और भारत का यह भरोसा आबादी के बड़े पैमाने पर डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में उसकी सफलता से आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रां और प्रौद्योगिकी जगत के विश्व भर से एकत्रित कार्यकारियों की उपस्थिति में श्री चंद्रशेखरन ने कहा,एआई में कुछ भी कृत्रिम नहीं – यह असली है। यह डेटा से सीखता है, यह हर दिन तेज़ी से सीखता है, और यह तेज़ी से बढ़ता है। इन सबको मिलाकर, मेरे हिसाब से, एआई अगला बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर है। यह बुद्धिमत्ता का इंफ्रास्ट्रक्चर है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने एआई को एक रणनीतिक राष्ट्रीय सामर्थ्य के रूप में

लिया है। इसमें कंप्यूटर चिप और प्रणाली से लेकर ऊर्जा और एप्लिकेशन तक, इंडिया एआई मिशन, सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम जैसी पहलों के साथ-साथ क्लीन एनर्जी सुधारों को पूरी तरह से एक साथ लाया गया है। श्री चंद्रशेखरन ने ज़ोर दिया कि भारत भरोसे वाले, मजबूत और लंबे समय तक चलने वाली क्षमता के साथ बड़े पैमाने पर एआई बना रहा है। उन्होंने देश के डिजिटल आइडेंटिटी सिस्टम, जो 1.4 बिलियन लोगों को कवर करता है, और एक डिजिटल पेमेंट इंटरफ़ेस, जो दुनिया के लगभग आधे ट्रांज़ैक्शन के लिए ज़िम्मेदार है, को इस बात के उदाहरण के तौर पर बताया कि बड़े नेशनल टेक्नोलॉजी प्रोग्राम क्या हासिल कर सकते हैं।

स्पाइसजेट अपने बेड़े में विमानों की संख्या दोगुना करेगी

नयी दिल्ली (वार्ता)। किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने इस साल अपने बेड़े में परिचालन में मौजूद विमानों की संख्या दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। एयरलाइन ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने पिछली तिमाही में अपनी क्षमता दोगुनी की है और उपलब्ध सीट किमी 55 करोड़ से बढ़कर 105 करोड़ हो गयी है। इस साल के अंत तक इसे 220 करोड़ करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही रोजाना 300 से अधिक उड़ानों के संचालन का भी लक्ष्य रखा गया है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि अभी कंपनी के बेड़े में 33 विमान परिचालन में हैं। इस साल के अंत तक उसकी संख्या भी लगभग दोगुना कर 60 पर पहुंचाने का लक्ष्य है। कंपनी ने अपने बेड़े में 10 और विमानों की शामिल करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है।

सलेम का विख्यात साबूदाना जीआई टैग के साथ पहुंचा कनाडा

नयी दिल्ली (वार्ता)।

तमिलनाडु में सलेम इलाके का प्रसिद्ध साबूदाना अब कनाडा के बाजार में निर्यात किया जा रहा है। सलेम के साबूदाना की एक विशिष्ट पहचान है तथा इसके व्यापार के लिए इसे विधिवत विशिष्ट भौगोलिक पहचान (जीआई) टैग दी गयी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एजेंसी-कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपेडा) ने इस उत्पाद को विदेशी बाजार में पहुंचाने में मदद की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सलेम-साबूदाना की इस उपलब्धि पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर जीआई-टैग प्राप्त कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने में योगदान के लिए एपेडा की सराहना की है। उन्होंने गुरुवार को लिखा, एपेडा को तमिलनाडु से कनाडा के लिए पहले जीआई-टैग प्राप्त सलेम साबूदाना (सागो) के खेप को रवाना करने में सहयोग देने के लिए हार्दिक बधायी। श्री गोयल ने लिखा कि यह निर्यात पहल बड़ी संख्या में

साबूदाना किसानों, विशेषकर टैपिओका साबूदाना की खेती से जुड़े आदिवासी समुदायों के लिए महत्वपूर्ण अवसरों के द्वार खोलेगी। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी, वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी, और साथ ही भारत के कृषि निर्यात को और सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। सलेम से कनाडा को पांच क्विंटल जीआई-टैग वाले साबूदाने की पहली खेप भेजी गयी है। मार्च 2023 में सलेम के साबूदाने को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त होने के बाद, इस जीआई प्रमाण-पत्र का अधिकृत उपयोग करने वाली सहकारी इकाई सागोसर्व द्वारा सीधे भेजा गया पहला निर्यात है। तमिलनाडु सरकार के अधीन सागोसर्व को मार्च 2023 में सलेम साबूदाने के लिए जीआई पंजीकरण प्राप्त हुआ। इस संस्था में 334 पंजीकृत साबूदाना निर्माता सदस्य हैं। तमिलनाडु टैपिओका साबूदाना का सबसे बड़ा उत्पादक है। सलेम को लंबे समय से देश के साबूदाना और स्टार्च उद्योग के केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। साबूदाना टैपिओका की जड़ों से प्राप्त होता है और भारत के कई हिस्सों में मुख्य भोजन के रूप में उपयोग किया जाता है। सलेम का साबूदाना उद्योग टैपिओका की खेती में लगे जनजातीय समुदायों सहित बड़ी संख्या में किसानों को आजीविका प्रदान करता है। सलेम साबूदाने को परम्परागत रूप से महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के व्यापारी खरीदते रहे हैं। इसे अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, वियतनाम और सिंगापुर जैसे देशों में निर्यात किया जाता है। इसे जीआई टैग मिलने के बाद व्यापार में इस जीआई टैग के उपयोग के लिए अधिकृत संस्था द्वारा निर्यात की गयी पहली खेप कनाडा को गयी है।

चावल, दालें मजबूत- गेहूं, चीनी नरम,तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये। दालों में भी तेजी रही। गेहूं और चीनी की कीमतों में गिरावट देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत पांच रुपये बढ़कर 3,859 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं का भाव 10 रुपये घटकर 2,852 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। आटा भी नौ रुपये सस्ता हुआ। दाल-दलहनों में तेजी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 17 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंग दाल 12 रुपये और मसूर दाल 10 रुपये महंगी हुई। चना दाल का भाव नौ रुपये और उड़द दाल का चार रुपये प्रति क्विंटल बढ़

गया। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 101 रिंगिट बढ़कर 4,117 रिंगिट प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।

मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.52 प्रतिशत की वृद्धि में 0.52 प्रतिशत की बढ़त में 59.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 64 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। पाम ऑयल के दाम 49 रुपये और सूरजमुखी तेल के 15 रुपये कम हुए।

सरसों तेल भी 13 रुपये सस्ता हुआ। सोया तेल की कीमत 13 रुपये और वनस्पति की 26 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव नौ रुपये प्रति क्विंटल गिर गये। चीनी भी चार रुपये सस्ती हुई।

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बढ़ने से लुढ़के शेयर बाजार

मुंबई (वार्ता)।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को निवेश धारणा प्रभावित हुई और प्रमुख सूचकांक लगभग डेढ़ फीसदी की गिरावट में बंद हुए। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,236.11 अंक (1.48 प्रतिशत) गिरकर 82,498.14 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 365 अंक यानी 1.41 प्रतिशत लुढ़ककर 25,454.35 अंक पर रहा। यह दोनों सूचकांकों का 02 फरवरी के बाद का न्यूनतम बंद स्तर है। चौतरफा बिकवाली के बीच मझौली और छोटी कंपनियों में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.63 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.27 प्रतिशत उतर गया।

ईरान के आसपास अमेरिका के सैन्य तैनाती बढ़ाने की खबरों से यूरोपीय बाजारों के साथ घरेलू शेयर बाजारों में भी निवेश धारणा प्रभावित हुई है। ऑटो, रियलटी और मीडिया समूहों के सूचकांक दो प्रतिशत से अधिक टूट गये। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, बैंकिंग, एफएमसीजी, आईटी, धातु और तेल एवं गैस समूहों में एक से दो प्रतिशत की गिरावट रही। एनएसई में जिन 3,248 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 2,307 लाल निशान में और 831 हरे निशान में बंद हुए जबकि अन्य 110 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की सभी कंपनियां लाल निशान में रहीं। इंडिगो का शेयर सबसे अधिक 3.23 फीसदी टूट गया। ट्रेंट का शेयर 2.86 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट का 2.85, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 2.81, बीईएल का 2.70, अडानी पोर्ट्स का 2.50, क्वालिटी वॉल का 2.31, कोटक महिंद्रा बैंक का 2.29, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 2.11 और आईटीसी का 2.03 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

इटरनल और पावरग्रिड के शेयर 1.93 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.90, मारुति सुजुकी का 1.73, टाटा स्टील का 1.70, भारती एयरटेल का 1.54, एक्सिस बैंक का 1.53, टेक महिंद्रा का 1.52, एनटीपीसी का 1.38, बजाज फिनसर्व का 1.31, एशियन पेंट्स का 1.28, आईसीआईसीआई बैंक का 1.27, टाइटन का 1.20, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.12, एलएंडटी का 1.06 और भारतीय स्टेट बैंक का 1.02 प्रतिशत टूट गया। बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, सनफार्मा, टीसीएस और इंफोसिस में भी गिरावट रही। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.57 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.52 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। चीन का शंघाई कंपोजिट 1.26 प्रतिशत टूट गया। यूरोप में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.69 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.54 प्रतिशत नीचे था।

निवेशकों के डूबे 6.64 लाख करोड़

घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट के कारण गुरुवार को निवेशकों को करीब 6.64 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से घरेलू शेयर बाजारों में आज चौतरफा गिरावट रही। बीएसई का सेंसेक्स 1.48 प्रतिशत और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 1.41 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। अन्य सभी सूचकांक भी लाल निशान में रहे। बाजार में बड़ी गिरावट से कुल बाजार पूंजीकरण 6,63,969 करोड़ रुपये घटकर 4,65,10,908 करोड़ रुपये रह गया। यह 02 फरवरी के बाद का निचला स्तर है। बुधवार को बाजार बंद होते समय कुल बाजार पूंजीकरण 4,71,74,877 करोड़ रुपये रहा था। शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में आज 1,21,762 करोड़ रुपये की गिरावट रही और यह 98,53,805 करोड़ रुपये रहा।

क्लाइमेट चेंज से निपटने में लीडर बन रहा मध्यप्रदेश : डॉ. मोहन यादव

मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा विकास के लिए सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के साथ हुआ एमओयू

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि क्लाइमेट चेंज एक गंभीर वैश्विक चुनौती है। क्लाइमेट चेंज मानव अस्तित्व, आर्थिक स्थिरता और भावी पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने कहा कि सतत् विकास की राह में हम पर्यावरण की अनदेखी नहीं कर सकते। विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना ही प्रगति का मूल आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि क्लाइमेट चेंज के मामले में ठोस और समयबद्ध समाधान पर काम करना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की क्लाइमेट चेंज को लेकर प्रतिबद्धताओं में भी राज्यों का योगदान भी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश क्लाइमेट चेंज से निपटने में सर्वाधिक नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादक बन लीडर की भूमिका में है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी है। यहां लगभग हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। मुख्यमंत्री ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मप्र में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने का विश्वास और सुरक्षा की गारंटी देते हुए कहा कि राज्य और निवेशक मिलकर देश को नवकरणीय ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे बिजली देने की दिशा में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के साथ हमारा रिश्ता नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार की शाम मुंबई में क्लाइमेट वीक-2026 को संबोधित कर रहे थे।

जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग आवश्यक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान केवल एक देश, एक राज्य या एक सरकार ही नहीं कर सकती, इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन, हरित विकास और जलवायु समाधान के लिए आगे बढ़ने की दिशा में मुम्बई क्लाइमेट वीक एक महत्वपूर्ण मंच है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए त्वरित और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, हरित तकनीकों को अपनाना और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करना ही भविष्य का विकास मार्ग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित और संतुलित बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकारों के साथ ही उद्योगों, संस्थाओं और इस देश में रहने वाले हर नागरिक की भी है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए 'लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट' जैसे व्यवहारिक बदलावों को अपनाने की अपील की।

मध्यप्रदेश ने नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरित ऊर्जा उत्पादन के जरिए क्लाइमेट चेंज से निपटने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार के नवाचारों की जानकारी देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के उन अग्रणी राज्यों में से एक है, जिसने नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जिसने ईवी नीति बनाई, जो क्लाइमेट चेंज की ओर कारगर कदम है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार मध्यप्रदेश में 300 मेगावाट 4 घंटे सौर-सह एनर्जी स्टोरेज परियोजना, 300 मेगावाट 6 घंटे सौर-सह एनर्जी परियोजना सहित 24×7 घंटे नवकरणीय ऊर्जा बैटरी आधारित एनर्जी स्टोरेज परियोजना पर काम कर रही है। यह एक नया प्रयोग है। यह भारत की अपनी तरह की पहली परियोजना है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जो इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

12 सालों में नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि हुई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीते 12 सालों में मप्र की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। सौर ऊर्जा में 48 प्रतिशत और पवन ऊर्जा में 19 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। नवकरणीय ऊर्जा की बड़ी परियोजनाओं के जरिए हमने म.प्र. की जरूरतों को पूरा करने के बाद पड़ोसी राज्यों और भारतीय रेलवे को भी स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति शुरू कर दी है।

मध्यप्रदेश में सांची देश की पहली सोलर सिटी बनी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में सांची देश की पहली सोलर सिटी बनी है। हम सभी शासकीय भवनों पर सोलर रूफटॉप लगाने की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार निवेशकों, निजी क्षेत्र और नीति निर्माताओं के साथ मिलकर मप्र को भारत का नवकरणीय ऊर्जा हब बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। हम सौर, पवन, एनर्जी स्टोरेज, बायोफ्यूल तथा ग्रीन हाइड्रोजन सहित सभी नवकरणीय टेक्नोलॉजी में वित्तीय एवं नीतिगत प्रोत्साहन भी दे रहे हैं।

वर्षा एवं ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के हित में तत्पर है राज्य सरकार : कृषि मंत्री कंषाना

भोपाल (स्वतंत्र मत)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और हर परिस्थिति में किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। हाल ही में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हुई वर्षा एवं ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों के नुकसान की राहत राशि देने के लिए गंभीरता से कार्य किया जाएगा। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि जिन-जिन जिलों में वर्षा और ओलावृष्टि की घटनाएं सामने आई हैं, वहां तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सर्वे कार्य पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि प्रभावित किसानों को राहत राशि का भुगतान समय पर किया जा सके। मंत्री श्री कंषाना ने आश्वासन दिया कि किसी भी किसान को नुकसान की स्थिति में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और राज्य सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने किसानों से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें तथा स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग करें। सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों को शीघ्र राहत प्रदान कर उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में निरंतर कार्य कर रही है और भविष्य में भी किसान कल्याण के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी।

झमार पाण्डेय गांव में तीन दिन से बिजली गुल

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा तहसील मुख्यालय से लगभग छह किलोमीटर दूर स्थित ग्राम झमार पाण्डेय में पिछले तीन दिनों से विद्युत आपूर्ति बंद होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली नहीं रहने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं खेतों की सिंचाई भी बाधित होने से किसानों को फसल खराब होने की चिंता सताने लगी है। ग्रामीणों में वर्तमान सरपंच किस्सू आदिवासी सहित प्रभु काछी, दुर्गेश काछी, गुड्डू काछी, लखन, नरेन्द्र, गेंदा रानी एवं राजरानी काछी ने बताया कि बिना किसी पूर्व सूचना के पूरे गांव की बिजली बंद कर दी गई है। इससे दैनिक कार्यों के साथ पेयजल और कृषि कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। सरपंच का कहना है कि विद्युत विभाग की ओर से अब तक बिजली बंद होने की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है।

जल्द आपूर्ति बहाल करने का आश्वासन-इस संबंध में हटा विद्युत विभाग के अधिकारी अजीत पटेल ने बताया कि विभागीय जानकारी के अनुसार झमार ग्राम की विद्युत सप्लाई चालू दर्शाई जा रही है। उन्होंने कहा कि तकनीकी जांच कराई जा रही है और जल्द ही विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

जनसुनवाई की जगह शिविरों से त्वरित समाधान का प्रयास : कलेक्टर

संकल्प से समाधान अभियान का द्वितीय चरण प्रारंभ

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया जिले में संचालित संकल्प से समाधान अभियान का द्वितीय चरण 16 फरवरी से प्रारंभ हो चुका है जो 31 मार्च तक जारी रहेगा। अभियान के तहत अब प्राप्त आवेदनों के निराकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री कोचर ने बताया दूसरे चरण में विकासखंड स्तर पर छोटे-छोटे क्लस्टर बनाकर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इन क्लस्टर आधारित शिविरों की शुरुआत 20 फरवरी से होगी। प्रत्येक विकासखंड में एक दिन में अधिकतम सात क्लस्टरों में शिविर लगाए जाएंगे तथा शिविरों के बीच तीन से चार दिन का अंतर रखा गया है, ताकि आमजन तक सूचना प्रभावी रूप से पहुंच सके और अधिकाधिक लोग लाभान्वित हो सकें। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि प्रथम चरण में जिन नागरिकों ने आवेदन प्रस्तुत किए थे, वे द्वितीय चरण में आयोजित शिविरों में उपस्थित होकर अपने आवेदनों का निराकरण प्राप्त करें। शिविरों की सूचना सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से दी जा रही है। कलेक्टर ने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में भी वार्डवार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 24 फरवरी को विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा, जो केवल प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु रहेगा। यह विशेष शिविर 24 फरवरी को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक दमोह, पथरिया, तेंदूखेड़ा नगरपालिकाओं में आयोजित होगे।

लंबित किस्तों के हितग्राही अवश्य पहुंचें शिविर में-कलेक्टर कोचर ने स्पष्ट किया कि ऐसे हितग्राही जिनको पहली किस्त मिलने के बाद दूसरी या तीसरी किस्त प्राप्त नहीं हुई है वे संबंधित नगरपालिका में आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित हों। शिविर में प्रत्येक हितग्राही की फाइल का सूक्ष्म परीक्षण किया जाएगा जिसमें फोटो सत्यापन, पूर्व जारी किस्तों का विवरण एवं अन्य दस्तावेजों की जांच शामिल रहेगी।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से दमोह नगरपालिका में लंबित प्रकरणों की संख्या अधिक है, इसलिए अधिक से अधिक हितग्राही 24 फरवरी को आयोजित शिविर का लाभ लें। कलेक्टर ने कहा कि कई नागरिक हर बार जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर पहुंचते हैं।

अवैध शराब से भरी कार पकड़ी

10 पेटी देशी शराब जब्त, दो गिरफ्तार

हटा (स्वतंत्र मत)। अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत हटा थाना पुलिस ने रसीलपुर मार्ग पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऑल्टो कार से 10 पेटी देशी शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

थाना प्रभारी सुधीर बेगी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने रसीलपुर मार्ग पर घेराबंदी की। इस दौरान संदिग्ध ऑल्टो कार को रोककर तलाशी ली गई जिसमें अवैध देशी शराब की 10 पेटियां बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपये तथा वाहन की कीमत लगभग 1 लाख रुपये है। इस प्रकार कुल 1 लाख 50 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफआबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

चण्डी जी मंदिर चौराहे पर फल-सब्जी ठेलों से बिगड़ी यातायात व्यवस्था

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के प्रमुख और व्यस्ततम चौराहों में शामिल चण्डी जी मंदिर चौराहा इन दिनों अव्यवस्थित यातायात और अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहा है। मंदिर क्षेत्र के आसपास फल सब्जी ठेलों की बढ़ती संख्या और सड़क किनारे बेतरतीब पार्किंग के कारण आम नागरिकों को रोजाना जाम और असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। चौराहे पर स्थित संतोषी माता मंदिर के समीप प्रतिदिन सड़क किनारे फल की दुकानें लगती हैं। दुकानों के सामने ग्राहक अपने दोपहिया वाहन खड़े कर देते हैं जिससे मार्ग संकरा हो जाता है और वाहनों की आवाजाही बाधित होती है।

सीसी रोड पर ठेले, आधी सड़क घिरी-स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब पास की पुलिया पर सब्जी के ठेले लग जाते हैं। नवनिर्मित सीसी रोड के आधे हिस्से पर ठेले खड़े रहने से दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को निकलने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। इससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। चौराहे के पास निर्माण सामग्री पड़ी होने और पुलिया के समीप अधूरा कार्य होने से बड़ा गड्ढा बन गया है। यह गड्ढा जाम के साथ.साथ हादसों का कारण भी बन रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार शाम के समय यहां प्रतिदिन जाम की स्थिति बन जाती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से फल सब्जी विक्रेताओं के लिए वैकल्पिक स्थान चिन्हित करने, अवैध अतिक्रमण हटाने तथा पुलिया के पास बने गड्ढे को तत्काल भरवाने की मांग की है।

दमोह प्राकृतिक खेती का उभरता हब : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा कि दमोह जिला प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में तेजी से उभर रहा है। उन्होंने बताया कि युवा किसानों द्वारा किए जा रहे नवाचारों को देखने के लिए वे श्री दबे के अनुरोध पर उनके फार्म पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जैविक खाद निर्माण, खरबूज-तरबूज की उन्नत खेती, आम के बागान और ग्राफ्टिंग पद्धति से विकसित पौधों को देखा और उन्होने कहा दमोह जिले में अमृत. कृषि का एक खूबसूरत धड़ा देखने को मिला। इस विरासत के विकास और विस्तार की शुभकामनाएं कलेक्टर ने कहा कि यह फार्म जैविक खेती का जीवंत दस्तावेज है, यहॉ पर युवा ऊर्जा से बढती उर्वरता और अनुभव से जुडते प्राकृतिक आयाम का बेहतरीन समन्वय देखने को मिला। उन्होंने विशेष रूप से श्री अहिरवार और युवा किसान की सराहना करते हुए कहा कि दोनों ने मिलकर खेती की दशा और दिशा बदलने का कार्य किया है। ऐसे किसान पूरे जिले के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों को जिस भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होगीए शासन नियमानुसार हर संभव मदद प्रदान करेगा। उन्होने कहा कि जिले के कृषि विज्ञान केंद्र में जैविक एवं प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की जाएगी। इस संस्थान में प्रतिमाह कम से कम दो प्रशिक्षण कोर्स संचालित किए जाएंगे जिनके माध्यम से लगभग 60 किसानों को प्राकृतिक खेती का व्यापक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के अनुभवी प्राकृतिक किसान जो स्वयं इस पद्धति पर सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं, उन्हें भी विशेषज्ञ के रूप में जोड़ा जाएगा। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा कि जिले में जिस प्रकार युवा किसान नवाचार और आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए प्राकृतिक खेती को आगे बढ़ा रहे हैं ।

न्यायालय तहसीलदार तहसील आधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र.3245/6/2025-26

जबलपुर दिनांक 12.02.2026

इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सविता चौकसे पिता स्व.श्याम लाल चौकसे निवासी 973/4 ए शाहीनाका गढ़ा जबलपुर के द्वारा मौजा कछपुरा नजूल ब्लाक नंबर... प्लाट नंबर... स्थित भूमि खसरा नंबर 751/7 में से रकवा 1875 वर्गफुट भूमि पर श्यामलाल चौकसे पिता शिवदयाल की मृत्यु दिनांक 28.2.15 को हो जाने के कारण वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र / फौती / वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 27/2/26 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकती है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 12.02.2026
पेशी दिनांक 27.02.2026

सील

तहसीलदार
आधारताल जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्र./1241/अ-6/2025-26

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहम्मद यमन रईस पिता मोहम्मद रफी नि. 1063 नया मोहल्ला न्यू मदरसा जबलपुर ने नजूल ब्लाक नं. 87 प्लाट नं. 383 रकवा 1335 व.फु./हे. ग्राम भरतीपुर रकवा 1335 व.फु./हे. पर विक्रय पत्र/ हकत्याग/ वसीयतनामा/दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक... मृत्यु दिनांक 23/12/1993, 23/06/2017, 05/12/2014 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किए जाने का आवेदन पत्र ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ... ब्लाक नं. 87 प्लाट नं. 383 रकवा 1335 व.फु./हे. ग्राम भरतीपुर रकवा 1335 व.फु./हे. पर... के नाम दर्ज है।

अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 19.02.2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियम दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 17.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 17.01.2026
पेशी दिनांक - 19.02.2026

सील

तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

जिला चिकित्सालय दमोह में नई विजिटर पॉलिसी लागू

गेटपास अनिवार्य बिना पास प्रवेश पर लगेगा अर्थदंड

दमोह (स्वतंत्र मत)।

जिला चिकित्सालय दमोह में भर्ती मरीजों की सुविधा, सुरक्षा एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से नई विजिटर पॉलिसी लागू कर दी गई है। सिविल सर्जन डॉ. प्रहलाद पटेल ने बताया कि अस्पताल परिसर में प्रवेश एवं मरीज के साथ रहने के लिए अब गेटपास अनिवार्य रहेगा।

उन्होने बताया भर्ती मरीज के परिजन को गेटपास काउंटर से गुलाबी रंग का पास उपलब्ध कराया जाएगा जिसका उपयोग केवल अधिकृत अटेंडर द्वारा किया जा सकेगा। एक समय में एक ही परिजन मरीज के साथ रह सकेगा। दूसरे परिजन के आने पर पहले उपस्थित परिजन को परिसर से बाहर जाना होगा। गंभीर मरीजों के साथ दो परिजन रहने की अनुमति दी गई है।

मिलने का निर्धारित समय :मरीजों से मिलने के लिए आने वाले व्यक्तियों को पीले रंग का पास बनवाना अनिवार्य होगा। मिलने का समय दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक और शाम 6 बजे से 7 बजे तक निर्धारित किया गया है।

आईसीयू में बच्चों का प्रवेश वर्जित : अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि आईसीयू यूनिट में बच्चों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को मरीज के साथ न रखा जाए और न ही परिजन उन्हें साथ लेकर आएं।

स्वच्छता एवं सुरक्षा में सहयोग की अपील : परिजनों को निर्देशित किया गया है कि वे अपना सामान मरीज के बिस्तर के पास न रखें तथा अस्पताल की साफ सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में अस्पताल कर्मियों का सहयोग करें।

नियम उल्लंघन पर अर्थदंड : बिना पास मरीज के साथ पाए जाने पर 100 रुपये अर्थदंड वसूला जाएगा। यह राशि रोगी कल्याण समिति के खाते में क्यूआर कोड के माध्यम से जमा करनी होगी। ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध न होने की स्थिति में नगद भुगतान कर विधिवत रसीद प्राप्त करनी होगी। बिना रसीद भुगतान करने पर संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा। धूम्रपान, पान गुटखा, खाकर अथवा शराब का सेवन कर अस्पताल में प्रवेश करने पर 200 रुपये अर्थदंड बिंदु क्रमांक 12 के अनुसार वसूला जाएगा।

किसी भी प्रकार की असुविधा या शिकायत की स्थिति में सहायक अस्पताल प्रबंधक डॉ. सुरेन्द्र विक्रम सिंह 8770561597, आरएमओ डॉ. चक्रेश अहिरवाल 7747098035 तथा दमोह हेल्पलाइन नंबर से संपर्क किया जा सकता है।

प्राथमिक शाला कुंआरपुर में कलेक्टर का औचक निरीक्षण

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा ब्लॉक के कुंआरपुर ग्राम स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में गुरुवार सुबह उस समय हलचल मच गई, जब करीब 11 बजे दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर अचानक स्कूल पहुंच गए। कलेक्टर सीधे कक्षा चौथी में पहुंचे और बच्चों के बीच बैठकर आत्मीय संवाद किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	PRO-892 Date 20/06/2026 2026_UAD_481997_1	पं. मदन मोहन मालवीय वार्ड अंतर्गत श्री सुरेश ज्वेलर्स के पीछे लानी निर्माण कार्य।	03 माह 2.86 लाख	2,000/- 2860/-	08/03/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड पर किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर निगम, जबलपुर

जिनसार के विद्यार्थियों ने समझी हृदय से संबंधित सपोर्ट डिवाइसेज की बारीकियां

ज्ञानवर्धक व्याख्यान में सम्मिलित हुए हृदय रोग विशेषज्ञ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज़ एंड रिसर्च (जिनसार) के ऑडिटोरियम में गुरूवार को मैकेनिकल सर्कुलेटरी सपोर्ट डिवाइसेज़ विषय पर एक ज्ञानवर्धक एवं महत्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किया गया। यह सत्र डॉ. अनिमेष गुप्ता, हृदय रोग विशेषज्ञ, मार्बल सिटी हॉस्पिटल, द्वारा प्रस्तुत किया गया। सभागार में उपस्थित छात्र-छात्राएं एवं संकाय सदस्य उन्नत हृदय सहायक तकनीकों के विषय में ज्ञान प्राप्त करने के लिए अत्यंत उत्साहित थे। डॉ. अनिमेष गुप्ता ने गंभीर हृदय रोगों से ग्रसित रोगियों के उपचार में उपयोग की जाने वाली विभिन्न मैकेनिकल सर्कुलेटरी सपोर्ट डिवाइसेज़ के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने इन उपकरणों के संकेत, प्रकार, कार्यप्रणाली, लाभ एवं जटिलताओं के बारे में समझाया। विशेष रूप से इंट्रा-एओर्टिक बैलून पंप, वेंट्रिकुलर असिस्ट डिवाइस तथा एक्स्ट्रा कॉर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनशन जैसे जीवनरक्षक उपकरणों की भूमिका पर प्रकाश डाला। सत्र में समय पर हस्तक्षेप के महत्व तथा इन उपकरणों पर उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों की देखभाल एवं मॉनिटरिंग में नर्सिंग पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष बल दिया गया।

विद्यार्थियों के लिए लाभकारी रहा आयोजन

यह व्याख्यान अत्यंत संवादात्मक रहा। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. गुप्ता ने धैर्यपूर्वक उत्तर दिया। उनके व्यावहारिक अनुभवों एवं वास्तविक क्लीनिकल उदाहरणों ने सत्र को और अधिक प्रभावशाली एवं रोचक बना दिया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी (प्रधानाचार्य-प्रभारी) के मार्गदर्शन में तथा प्रो. डॉ. सुरभि केहरी एवं काजल साहू के समन्वय में किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें डॉ. अनिमेष गुप्ता के प्रति उनके बहुमूल्य समय एवं ज्ञान साझा करने के लिए आभार व्यक्त किया गया। यह सत्र सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ तथा उन्नत हृदय देखभाल एवं मैकेनिकल सर्कुलेटरी सपोर्ट प्रणालियों के प्रति उनकी समझ को समृद्ध किया।

गैस सिलेंडर का दुरूपयोग करते पुलिस ने दबोचा

जबलपुर।

माढ़ोताल थाने में मुखबिर की सूचना पर मनोज गैस साई डेयरी के सामने कटंगी रोड में दुकान में एक व्यक्ति घरेलू गैस सिलेण्डर से नोजल लगाकर व्यवसायिक लाभ कमाने के उद्देश्य से दूसरे छोटे सिलेण्डर में गैस भरते हुए पकड़ा गया। पूछताछ पर अपना नाम मनोज तलरेजा उम्र 40 वर्ष निवासी गली नम्बर 8 मानस चौक लमती रोड माढ़ोताल बताया। पुलिस ने मनोज तलरेजा के कब्जे से एचपी कम्पनी का एक घरेलू गैस सिलेण्डर, 1 छोटा घरेलू गैस सिलेण्डर, 1 इलेक्ट्रानिक तौल कांटा, पाना एवं पिंचस जब्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही की।

जलेबी को लेकर शुरू हुए विवाद में युवक की हत्या

गोराबाजार थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

गोराबाजार थाना क्षेत्र के जैतपुरी गांव में रहने वाले युवक ने जलेबी को लेकर शुरू हुए मामूली विवाद में अपने ही दोस्त की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना बुधवार रात की है। वारदात के बाद आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। मृतक की पहचान 18 वर्षीय कृष्णा उईके के रूप में हुई है, जबकि आरोपी साजन झरिया उसका करीबी दोस्त बताया जा रहा है। दोनों मंगलवार को बरेला में लगे मेले में घूमने गए थे। इसी दौरान कृष्णा ने एक दुकान से जलेबी उठाकर खा ली, जिसे देखकर साजन नाराज हो गया। उसने कृष्णा को पैसे देते हुए ताना मारा कि औकात नहीं है तो जलेबी क्यों खाते हो। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और बाद में दोनों अपने-अपने घर लौट गए।

सीने पर किए कई वार

बताया जा रहा है कि बुधवार रात कृष्णा बाइक से घर लौट रहा था, तभी आरोपी साजन ने उसे फोन कर गांव के चौराहे पर बुलाया। वहां पहुंचते ही दोनों में फिर विवाद हुआ और आरोपी ने चाकू निकालकर कृष्णा के सीने पर दो वार कर दिए। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के बाद कृष्णा के दोस्त उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रास्ते में घायल को अस्पताल ले जाते समय दोस्तों की बाइक भी अनियंत्रित होकर गिर गई, फिर भी वे दूसरे वाहन से उसे अस्पताल पहुंचाने में सफल रहे। पुलिस इस मामले में आरोपी 19 वर्षीय साजन झारिया निवासी जैतपुरी को गिरफ्तार कर लिया है।

निगमायुक्त ने देखी आईएसबीटी की व्यवस्थाए

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर को स्वच्छता के शिखर पर ले जाने और कचरा प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार निरंतर मैदानी स्तर पर डटे हुए हैं। इसी क्रम में गुरूवार को निगमायुक्त ने वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निगम स्वामित्व के प्लांट संचालित करने वाले कुंदन ग्रीन एनर्जी कम्पनी के प्रतिनिधियों को 15 दिन के अंदर प्लांट परिसर को साफ-स्वच्छ और सुन्दर बनाने के कड़े निर्देश दिये। इस मौके पर निगमायुक्त श्री अहिरवार ने संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि अपनी निगरानी में परिसर को साफ-स्वच्छ करवाएं और प्रगति की रिपोर्ट दें। निरीक्षण के मौके पर निगमायुक्त द्वारा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के बाद आईएसबीटी परिसर और वॉशिंग पिट परिसर का भी निरीक्षण किया गया और त्वरित गति से कार्यो को पूर्ण करने तथा परिसर को साफ स्वच्छ रखने निर्देश दिये गए। इस मौके पर निगमायुक्त ने सभी दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में मेरा कचरा - मेरी जिम्मेदारी का स्टीकर्स भी चस्पा किया और स्वच्छता का संदेश दिया।

ढाबा संचालक से मारपीट

जबलपुर। घमापुर थाने में आशीष सोनकर उम्र 36 वर्ष निवासी अच्छेमिया का बाड़ा शीतलामाई ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह ढाबा चलाता है। उसने अपने मोटर साइकिल बनने के लिये मिस्त्री के यहां डाली थी। जब वह मोटरसाइकिल लेकर पकंज हेल्थ क्लब के पास मेन रोड़ के पास पहुँचा उससी समय रिहान एवं रिहान के साथी उसके पास आकर शराब पीने के लिये एक हजार रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो रिहान उसके साथ गाली गलौज करने लगा, गालियां देने से मना करने पर रेहान उसे चीप के टुकड़े से सिर में मारकर चोट पहुँचा दी, रिहान के साथी ने हाथ मुक्कों से मारपीट की ।

गैस सिलेंडर हुआ ब्लास्ट, जल उठा मकान

पाटन क्षेत्र का मामला, जलकर खाक हुई गृहस्थी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पाटन के गुरु मोहल्ला में गुरुवार शाम गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद एक मकान में आग भड़क उठी। आग ने धीरे-धीरे पूरे मकान को चपेट में ले लिया और उससे भीषण लपटे निकलने लगी। मामले की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई पाटन नगर परिषद की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मेहनत के बाद इस आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि गुरु मोहल्ला के रहने वाले कृष्ण कुमार रैकवार के मकान में उस वक्त आग लगी, जब घर में कोई नहीं था। बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर से गैस का रिसाव हो रहा था। इसी दौरान संभवत: शॉर्ट सर्किट हुआ होगा, जिससे आग भड़कती होगी। आग लगने से कृष्ण कुमार रैकवार की गृहस्थी का पूरा सामान जलकर खाक हो गया। लगभग एक से डेढ़ लाख रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। गनीमत यह रही कि इसमें किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई आग लगने के कारण आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई थी फायर ब्रिगेड की टीम भी सकरी गलियों में अंदर नहीं जा पा रही थी जैसे तैसे फायर ब्रिगेड का पाइप अंदर ले जाया गया और उसके बाद आग पर काबू पाया गया। स्थानीय नागरिकों और कृष्ण कुमार रैकवार ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है गौरतलब है की गर्मी का सीजन शुरू हो रहा है और ऐसे में आग देने की घटना बढ़ जाती हैं। पाटन फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मेहनत के इस आग पर काबू पाया है वही कृष्ण कुमार रैकवार के घर का सारा सामान जलकर इस घटना में खाक हो गया।

स्कूल परिसर में मिला नर कंकाल, मचा हड़कंप

बरेला स्थित पुराने शासकीय कन्या शाला का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरेला के पुराने शासकीय प्राथमिक कन्या शाला में गुरूवार की सुबह एक कंकाल मिला। कंकाल में मृतक व्यक्ति के सिर, जबड़ा, दांत पैर की हड्डी मिली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने इसे पीएम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में मृतक की शिनाख्त भिक्षुक के रूप में की गई है। इस मामले में बरेला पुलिस ने बताया कि बमबमपुरा निवासी अशोक डुमार निवासी ने सूचना दी कि वह नगर परिषद बरेला में सफाई कर्मी है। आज पुराना शासकीय प्राथमिक कन्याशाला बरेला में गंध आने पर जाकर देखा। एक अज्ञात व्यक्ति उम्र लगभग 65 वर्ष का कंकाल, जिसमें सिर, जबड़ा, दांत पैर की हड्डी मिली। उसे पता चला कि अज्ञात व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त था, जो पूर्व से भीख मांगकर खाता था। स्कूल के कमरे में सो जाता था। लगभग डेढ़ माह पूर्व से भीख मांगते नहीं देखा गया है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

डॉ. हेमलता की प्रॉपर्टी पर नगर निगम ने खोला स्वास्थ्य कार्यालय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

राइट टाउन स्थित दिवंगत डॉ. हेमलता श्रीवास्तव की संपत्ति पर गुरुवार सुबह नगर निगम ने आधिकारिक रूप से कब्जा कर लिया। नगर निगम कमिश्नर राम प्रकाश अहिरवार की मौजूदगी में नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और पूरी प्रॉपर्टी को अपने अधीन ले लिया। इस प्रॉपर्टी पर स्वास्थ्य शाखा का वार्ड कार्यालय खोल दिया गया है। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि यह पूरी संपत्ति लीज पर दी गई थी, लेकिन लीज की शर्तों का उल्लंघन पाया गया है। इसी आधार पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए संपत्ति पर कब्जा लिया है। निगम की टीम सुबह डॉ. श्रीवास्तव के बंगले पहुंची और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करते हुए परिसर को अपने नियंत्रण में ले लिया। अधिकारियों के अनुसार अब इस संपत्ति की निगरानी नगर निगम द्वारा की जाएगी और बिना अनुमति किसी भी प्रकार की गतिविधि या प्रवेश पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि डॉ. हेमलता श्रीवास्तव की संपत्ति को लेकर पिछले कुछ दिनों से प्रशासनिक कार्रवाई चल रही है और फर्जी दस्तावेज व लीज उल्लंघन की जांच भी चल रही है। निगमायुक्त ने बताया कि यह करीब 25 हजार स्क्वायर फीट की जमीन है, जिसे नगर निगम ने लीज पर दिया था।

मामले में लीज शर्तों का उल्लंघन किया गया है। डॉ. हेमलता श्रीवास्तव को रेजिडेंशियल उद्देश्य से यह जमीन दी गई थी, लेकिन यहां पर कमर्शियल उपयोग किया जा रहा था। इस जमीन पर दुकान खोल दी गई थी, जो कि सीधे-सीधे प्रशासन के आदेश की अवहेलना भी है।

जिला चिकित्सालय को दी 5 लाख की सामग्री

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आईडीबीआई बैंक के द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वपूर्ति के अंतर्गत विभिन्न जन कल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जातीं है। जिसमें आमजन के कल्याण व सुविधा के लिए सामाजिक व स्वास्थ्य संस्थानों को समय-समय पर आवश्यकतानुसार मदद की जाती है। इसी कड़ी में गुरूवार को आईडीबीआई बैंक शाखा विजयनगर, के द्वारा जिला चिकित्सालय जबलपुर को पांच ईसीजी मशीन, 10 स्ट्रेचर, 10 व्हीलचेयर और 5 वाटर कूलर रोगियों व आमजनकी सुविधा के लिए लगभग 5 लाख रुपये के ऊपर की सामग्री प्रदान की गई। उक्त सामग्री आईडीबीआई बैंक शाखा विजयनगर के शाखा प्रमुख विनीत वर्मा एवं अन्य बैंक अधिकारियों के द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा को सौंपी गयीं।

बाइक सवारों को रौंदते हुए चला गया तेज रफ्तार वाहन, 2 की मौत

शहपुरा थाना क्षेत्र का मामला, कई लोग घायल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे-45 पर गुरुवार तड़के बड़ा सड़क हादसा हो गया। शहपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम सुरई के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में 2 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तेज रफ्तार वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। यह घटना सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच की बताई जा रही है। सभी युवक पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम उड़ना करैया के रहने वाले हैं। वे भूसा भरने के लिए बेलखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम इमलिया गए थे। लौटते समय एक बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया, जिसके कारण छह लोग एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सुरई गांव के समीप तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी।

मौके पर हुई मौत - इस हादसे में 18 वर्षीय दीपांशु लोधी पिता पवनसिंह लोधी और 19 वर्षीय लल्लन उर्फ निकलेश गौड़ पिता कमोद सिंह गौड़, दोनों निवासी ग्राम उड़ना करैया, की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना में 22 वर्षीय विश्वजीत निवासी तेंदूखेड़ा दमोह, 20 वर्षीय आयुष गौड़ निवासी तेंदूखेड़ा दमोह, 20 वर्षीय निखिल निवासी उड़ना करैया और 20 वर्षीय अमित गौड़ निवासी उड़ना करैया घायल हुए हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। इस मामले की सूचना मिलते ही शहपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ओवरलोडिंग के कारण बाइक अनियंत्रित हो सकती थी। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ कर अज्ञात वाहन की पहचान में जुटी है।

हादसे में अधेड़ की मौत

जबलपुर। शहपुरा थाने में योगेश सिंह निवासी ग्राम घुसौर ने सूचना देकर बताया कि गांव के गोपाल चौधरी ने उसके घर मे बताया कि तालाब के पास खेरमाई मंदिर के पास एक्सीडेन्ट से घायल होकर पिता रज्जू सिह रोड पर घायल अवस्था में पडे है। मौके पर जाकर देखा तो पिता रज्जु सिंह उम्र 45 वर्ष बेहोशी हालत मे पड़े थे, सिर मे पीछे तरफ चोट थी खून निकल रहा था। जांच करने पर उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष के भाई पर चाकू से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर से लेकर देहात इलाकों में इन दिनों चाकूबाजों के हौसले बुलंद हो चुके हैं। आमजन तो दूर अब तो सत्ताधारी पार्टी के मुख्य पदाधिकारी भी सुरक्षित नहीं हैं। कचनार सिटी स्थित घर जाते वक्त देर रात एक युवक पर 3 आरोपियों से हमला कर घायल कर दिया। आरोपी बीच सड़क पर बैठकर शराब पी रहे थे। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनो आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। हालांकि विजय नगर पुलिस ने हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले में विजय नगर टीआई राजेन्द्र मर्सकोले ने बताया कि राजाराम पटैल उर्फ पिंटू पटैल बीती रात करीब 11.30 बजे गोलबाजार से कचनार सिटी अपने निवास पर वापस लौट रहे थे। जब वह एम आर फोर रोड के आगे पहुंचे तभी बीच रास्ते शराब पी रहे युवकों ने उन्हें रोक लिया। पिंटू ने रोकने का कारण पूछा तो युवकों ने गाली गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू निकाल कर वार किए, जिससे घायल को सिर, हाथ और पीठ पर गंभीर चोट आ गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शिकायत पर हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। बताया जा रहा है कि चाकूबाजी में घायल हुए पिंटू पटैल स्वयं पूर्व पार्षद रह चुके हैं। वहीं भाजपा के जिला ग्रामीण अध्यक्ष राज कुमार पटैल के भाई हैं।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**